मूल्य : 5/-
3 फरवरी से 9 फरवरी, 2025
वर्ष - 3, अंक - 42

शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

पेज 5
प्रजाक्ता ने ओलंपिक में रचा...

www.shauryanewsindia.co.in

पेज 5
विनेश के समर्थन में आए सचिन...

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

भारत में एक राष्ट्र, एक चुनाव और वक्फ संसोधन विधेयक की दिशा में बढ़े कदम

राष्ट्रपति मुर्मू ने महाकुंभ हादसे पर दुख जताया और कहा- एक देश, एक चुनाव पर हो रहा काम

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आगाज शुक्रवार से हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए प्रयागराज महाकुंभ भगदड़ हादसे पर दुख व्यक्त किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा, कि हमने अपने संविधान को अपनाने के 75 साल पूर्ण किए और कुछ दिन पहले ही हमने 75 साल की अपनी यात्रा भी पूर्ण की है। मैं सभी भारतीयों की ओर से बाबा साहब आंबेडकर और संविधान समिति के अन्य सभी सदस्यों को नमन करती हूं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव और वक्फ संशोधन विधेयक की दिशा में भी कदम उठाए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों को संयुक्त रुप से संबोधित करते हुए प्रयागराज महाकुंभ भगदड़ हादसे पर दुःख व्यक्त किया और कहा, कि प्रयागराज में ऐतिहासिक महाकुंभ चल रहा है। यह हमारी सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक जागरण का महान पर्व है। देश-दुनिया से आए करोड़ों श्रद्धालुओं ने प्रयागराज में पवित्र डुबकी लगाई है। मौनी अमावस्या पर हुई दुर्घटना पर मैं अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कि हमने अपने संविधान को अपनाने के 75 साल पूर्ण किए और कुछ दिन पहले हमने 75 साल की अपनी यात्रा पूरी की। सभी भारतीयों की ओर से मैं

बाबा साहब आंबेडकर और संविधान समिति के अन्य सभी सदस्यों को नमन करती हूं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कि मेरी सरकार ने आदिवासी समाज के 05 करोड़ लोगों के लिए धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान प्रारंभ किया है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने युवाओं की शिक्षा और उनके लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान दिया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के 06 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा, कि सरकार ने एक राष्ट्र, एक चुनाव और वक्फ संशोधन विधेयक की दिशा में भी कदम आगे बढ़ाए हैं। इसके साथ ही मेरी सरकार मध्यम वर्ग के अपने घर के सपने को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके अतिरिक्त, मेरी सरकार देश में महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास में विश्वास करती है, सरकार का लक्ष्य 03 करोड़ लखपति दीदी बनाना है। कोई भी शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए मातृ भाषा में शिक्षा के अवसर दिए जा रहे हैं। विभिन्न भर्ती परीक्षाएं 13 भारतीय भाषाओं में आयोजित कर भाषा संबंधित बाधाओं को दूर किया गया है। इसी के साथ राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, कि अब वह दिन दूर नहीं जब भारत में निर्मित गगनयान में एक भारतीय नागरिक अंतरिक्ष में जाएगा। कुछ दिन पहले ही स्पेस डॉकिंग में सफलता मिली है, जिसने भारत के अपने स्पेस स्टेशन का मार्ग और आसान कर दिया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत निर्माण में किसान, जवान, विज्ञान के साथ ही अनुसंधान का भी बहुत बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य भारत को ग्लोबल पावर हाउस बनाना है।

जीबी सिंड्रोम के 20 मरीज वेंटिलेटर पर

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे, पिंपरी चिंचवाड़ और दूसरे इलाकों में गुइलेन-बैरे सिंड्रोम के मामले बढकर 130 हो गए हैं। इनमें से 20 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। वहीं अभी तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है। 29 जनवरी को 3 केस सामने आए थे। शुक्रवार को एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, 130 मरीजों में पुणे नगर निगम के 25 मरीज हैं। निगम में जोड़े गए गांवों से 74 मरीज हैं। पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम के 13 मरीज हैं। पुणे ग्रामीण से और अन्य जिलों से 9-9 मरीज हैं। स्वास्थ्य विभाग के जारी बुलेटिन के मुताबिक राज्य में जीबी सिंड्रोम के कारण पुणे में 56 साल की महिला और सोलापुर में 40 साल के व्यक्ति की मौत हो चुकी है। डिप्टी सीएम अजीत पवार ने गुरुवार को पुणे में जिला योजना समिति की बैठक की। उन्होंने अधिकारियों के निर्देश दिया कि मरीजों से ज्यादा फीस लेने वाले प्राइवेट अस्पतालों के खिलाफ एक्शन लें। पवार पुणे जिले के संरक्षक मंत्री भी हैं।

सेना ने दो आतंकवादियों को किया ढेर

पुंछ। सेना ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। नगरोटा स्थित व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने बताया कि गुरुवार रात एलओसी पर आतंकवादी गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली। सतर्क सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों को घेर लिया। इसके बाद सेना के साथ हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। सेना ने बाद में इलाके में तलाशी अभियान चलाकर हथियार व युद्ध सामग्री बरामद की। सेना ने कहा कि ऑपरेशन अभी जारी है। सेना ने कहा, बीती रात पुंछ सेक्टर में लाइन ऑफ कंट्रोल पर आतंकवादी गतिविधि का खुलासा हुआ। सतर्क सैनिकों ने तत्परता दिखाकर घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को घेर लिया। इसके बाद जबरदस्त गोलाबारी हुई। ऑपरेशन पूरे दिन चलता रहा। लोगों ने इलाके में कुछ संदिग्ध लोगों को देखने की सूचना दी थी, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जम्मू संभाग के डोडा जिले में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। डोडा ऑपरेशन से पहले, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ओवर-ग्राउंड वर्करों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए राजौरी जिले के 25 स्थानों पर तलाशी ली। ओजीडब्ल्यू आतंकवादियों के लिए आंख और कान का काम करते हैं। वे उन्हें रसद सहायता प्रदान करते हैं, हथियार पहुंचाते हैं और सुरक्षा बलों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। खुफिया एजेंसियों ने बताया कि ओजीडब्ल्यू आतंकवादियों के लिए उन इलाकों में आतंक फैलाने के लिए आसान और निहत्थे ठिकानों की पहचान करते हैं।

पहली से देश में लागू हो गए नए नियम

नई दिल्ली। देश में 1 फरवरी 2025 को केंद्रीय आम बजट पेश किया जाएगा, जिसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में प्रस्तुत करेंगी। बजट को लेकर आम जनता और उद्योग जगत की नजरें टिकी हुई हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ अहम बदलाव भी 1 फरवरी से लागू हो रहे हैं, जो हर घर और जेब पर असर डाल सकते हैं। हर महीने की पहली तारीख को ऑयल मार्केटिंग कंपनियां एलपीजी गैस सिलेंडर के दामों की समीक्षा करती हैं। बीते कुछ महीनों में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कई बदलाव हुए हैं, जबकि 14 किलोग्राम घरेलू गैस सिलेंडर के दाम स्थिर बने हुए हैं। 1 फरवरी को नई दरें जारी होने की उम्मीद है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिल सकती है या फिर कीमतों में बढ़ोतरी संभव हो सकती है। महाकुंभ 2025 के चलते प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण हवाई किराए में उछाल देखा गया, जिसके बाद सरकार और डीजीसीए को हस्तक्षेप करना पड़ा। 1 फरवरी से ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हवाई ईंधन (एटीएफ) के दामों में संशोधन करेंगी। बीते महीनों में एटीएफ की कीमतों में कटौती की गई थी, और इस बार भी ऐसी उम्मीद जताई जा रही है। यदि दाम घटते हैं तो हवाई यात्रा करना सस्ता हो सकता है, लेकिन बढ़ोतरी हुई तो यात्रियों की जेब पर असर पड़ेगा। यूपीआई पेमेंट से जुड़ा एक नया नियम 1 फरवरी से लागू होने जा रहा है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई ट्रांजैक्शन आईडी को स्टैंडर्डाइज्ड करने का फैसला लिया है।

ममता ने सिर मुंड़ाने से किया इनकार, हो रहीं चर्चाएं

बचा बखेड़ा : कुलकर्णी की महामंडलेश्वर की पदवी छिनी, लक्ष्मी नारायण को भी हटाया गया

प्रयागराज। महाकुंभ में अभी हाल ही में अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़े का महामंडलेश्वर बनाया गया था। इसको लेकर भारी विरोध हुआ। कई अखाड़ों के साथ बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री ने इसका विरोध जताया था। अब महाकुंभ से खबर आ रही है कि किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास ने ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर पद से हटा दिया है।

बताया जा रहा है कि ममता के सिर न मुंडाने पर यह एक्शन लिया गया है। अजय दास ने खुद को किन्नर अखाड़े का संस्थापक बताया है। अजय दास ने कहा कि नए सिरे से अखाड़े का पुनर्गठन किया जाएगा। उन्होंने महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी को भी किन्नर अखाड़े से निष्कासित कर दिया है, क्योंकि उन्होंने देशद्रोह की आरोपी ममता कुलकर्णी को अखाड़े में शामिल किया था और उनकी जानकारी के बिना ममता को महामंडलेश्वर बना दिया था। उधर, लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी खुद को संस्थापक बता रहीं हैं। उन्होंने कहा कि अजय को 2017 में अखाड़े से निकाल दिया था। अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से विवाद बढ़ा है। बता दें कि अभिनेत्री ममता कुलकर्णी कुछ दिन पहले महामंडलेश्वर बनी। महाकुंभ में संगम स्नान और पिंड दान के बाद किन्नर अखाड़े की आचार्य

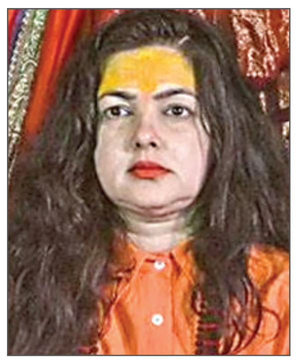

डॉक्टर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने ममता का पट्टाभिषेक करते हुए उन्हें नया नाम भी दिया। आचार्य लक्ष्मीनारायण ने इस दौरान कहा था कि ममता हम लोगों से करीब डेढ़ साल से संपर्क में थीं। इससे पहले भी वह जूना अखाड़े में महामंडलेश्वर के साथ थीं। उनके गुरु के ब्रह्मलीन होने के बाद उन्हें दिशा नहीं मिल रही थी। इस पर उन्होंने इच्छा जाहिर की कि वह सनातन से पूर्ण रूप से जुड़ना चाहती हैं।

लक्ष्मीनारायण ने अजय दास का दावा किया खारिज : महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने अजय दास के दावे को खारिज किया है। उन्होंने कहा, वह कौन होते हैं, मुझे अखाड़े से निकालने वाले। 2017 में अजय दास को किन्नर अखाड़े से निकाल दिया गया है। वो निजी स्वार्थ के लिए ऐसा कह रहे हैं। इधर, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने कहा कि हम लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के साथ हैं। अजय दास हैं कौन? हम इन्हें नहीं जानते। अजय दास ने लेटर जारी कर कहा- 2015-16 उज्जैन कुंभ में मैंने किन्नर अखाड़े लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को आचार्य महामंडलेश्वर बनाया था। अब उन्हें किन्नर अखाड़ा के पद से मुक्त करता हूं। जल्द ही उन्हें लिखित सूचना दी जाएगी। उन्हें किन्नर समाज के उत्थान और धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए नियुक्त किया था, लेकिन भटक गईं। उन्होंने मेरी बिना परमिशन के जूना अखाड़ा के साथ लिखित एग्रीमेंट 2019 के प्रयागराज कुंभ में किया, जो अनैतिक ही नहीं, बल्कि चारसौबीसी है।

राष्ट्रपति का अभिभाषण, सोनिया ने बेचारी कहा, राहुल ने बोरिंग

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के बजट सत्र का शुक्रवार को पहला दिन था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के जॉइंट सेशन में 59 मिनट का अभिभाषण दिया। उनके इस अभिभाषण पर कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी पर विवाद हो गया। सोनिया गांधी ने द्रौपदी मुर्मू के लिए बेचारी शब्द इस्तेमाल किया। वहीं राहुल ने भाषण को बोरिंग बताया। भाजपा ने इसे आदिवासी समाज का अपमान बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि एक आदिवासी राष्ट्रपति के लिए ऐसे बयान गरीबों और आदिवासियों का अपमान है।

आपको बता दें कि राष्ट्रपति भवन के प्रेस सेक्रेटरी ने भी सोनिया गांधी के बयान पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा- विपक्षी सांसदों का बयान दुर्भाग्यपूर्ण और राष्ट्रपति की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सदन के बाहर मीडिया को संबोधित किया था।

प्रयागराज में अब नहीं जाएंगे वाहन

जिलाधिकारी आए सामने, बोले- ये सरासर झूठी खबर

प्रयागराज। जिले के डीएम रवींद्र कुमार मंदार ने प्रयागराज में वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, जो महाकुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुचारू आवाजाही के लिए लगाए गए थे। लेकिन अब डीएम मंदार ने स्पष्ट किया, एक वायरल संदेश में दावा किया गया है कि प्रयागराज में वाहनों का प्रवेश 4 फरवरी तक प्रतिबंधित रहेगा, यह पूरी तरह से गलत है। डायवर्जन योजना केवल मौनी अमावस्या के अमृत स्नान (पवित्र स्नान) के मद्देनजर लागू थी।

उन्होंने कहा, 30 जनवरी तक श्रद्धालु वापस लौट रहे हैं और पुलिस को डायवर्जन और बैरिकेड्स हटाने के निर्देश दिए गए हैं। 31 जनवरी, 1 फरवरी और 2 और 3 फरवरी को अमृत स्नान के लिए डायवर्जन, 4 फरवरी को वाहनों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। हालांकि, मंदार ने साफ किया कि बसंत पंचमी के अमृत स्नान के लिए 2 और 3 फरवरी को डायवर्जन योजना को फिर से लागू होगी। उन्होंने कहा, प्रयागराज कमिश्नरेट क्षेत्र के भीतर वाहनों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। इस बीच, योगी सरकार ने घोषणा की कि प्रमुख स्नान के दिनों में वीआईपी की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के दौरान प्रयागराज आने की योजना बनाने वाले सभी वीआईपी और वीवीआईपी प्रतिनिधिमंडलों को विशेष विशेषाधिकार नहीं मिलने वाले है। 31 करोड़ से ज्यादा संगम में डुबकी लगा चुकेः महाकुंभ के 19वें दिन शुक्रवार को अब तक 1.40 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। 13 जनवरी से अब तक यह आंकड़ा 31 करोड़ को पार कर गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- हादसों की सच्चाई और आंकड़े छिपाना एक अपराध है। हजारों करोड़ रुपए प्रचार और दुर्घटना की खबरें दबाने के लिए बहाए जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं की भीड़ से शहर पटा : मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए आए श्रद्धालुओं की भीड़ से मेला क्षेत्र के साथ ही पूरा प्रयागराज शहर भी पटा हुआ था। शहर की सड़कों के साथ ही गलियों में भी पैर रखने तक की जगह नहीं बची थी। भीड़ नियत्रिंत करने के लिए रास्ते रोके जाने से लोगों को दिक्कत हो रही थी।

भगदड़ में 30 या 54 श्रद्धालुओं की गई जान?

महाकुंभ में हादसे के दिन 25 ज्ञात और पांच अज्ञात बताए गए, अब 25 अज्ञात बताए जा रहे

अब हम जो सवाल और उनमें छुपी सच्चाई बयां करने जा रहे हैं वो वाजिब के साथ ही चौंकाने वाली हैं। हादसे के दिन शाम को आईजी ने 30 लोगों के मरने की पुष्टि की थी, जिनमें 25 ज्ञात और पांच अज्ञात बताए गए थे। कहा गया था सिर्फ पांच लोगों की शिनाख्त नहीं हो सकी है। इसके बाद मृतकों की संख्या को लेकर मीडिया जगत में उठ रहे सवाल ठंडे तो पड़ गए थे, लेकिन जानकारों की मानें तो मृतकों की संख्या कहीं अधिक थी। इस बात को तब और बल मिला जब एक दिन पहले ही बताया गया कि जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें 24 अज्ञात लोगों की तस्वीरें स्वरूपरानी हास्पिटल के पोस्टमार्टम हाउस के बाहर लगाई हैं। इनकी पहचान अभी तक नहीं हुई है। यह संशय पैदा करने वाला है। सरकारी आंकड़ों के हिसाब से मरने वालों में 29 अज्ञात हैं। इस हिसाब से क्या भगदड़ में 54 लोग मरे हैं?

प्रयागराज। महाकुंभ में हुई भगदड़ में मौत का शिकार हुए श्रद्धालुओं की तस्वीरें जारी हुई हैं। स्वरूप रानी नेहरू हॉस्पिटल कैंपस स्थित पोस्टमार्टम हाउस में मृतकों की तस्वीर लगाई गई हैं। जिन मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हुई है उनके शवों को पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है। जिन किसी के परिजन महाकुंभ की भगदड़ में गायब हैं, वे इन तस्वीरों को देखकर उनके बारे में जानकारी ले सकते हैं। प्रयागराज भगदड़ में मारे गए लोगों की ये तस्वीरें पीएम हाउस में दो जगहों पर लगी हैं। इसमें से कुछ मृतकों को रंगीन तस्वीरें हैं, कुछ की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें लगाईं है। ये वे तस्वीरें हैं जिन मृतकों की अभी तक शिनाख्त नहीं हुई है, उनके शव इसी पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है। जिनके परिजन महाकुंभ क्षेत्र से लापता है, वे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर पहले तस्वीरों से अपनों के बारे में जानकारी ले सकते हैं। ये तस्वीरें पोस्टमार्टम हाउस के बाहर लगाई गई हैं। इसमें से उन मृतकों की भी तस्वीर लगाई गई हैं, जिनके शवों की अभी तक पहचान नहीं हुई है। इसतरह से दो दर्जन से ज्यादा तस्वीरें हैं, जो पोस्टमार्टम के बाहर लगाई गई है। यानी इतने मृतकों की अभी पहचान नहीं हुई है।

प्रशासन की चुप्पी और लापरवाही : खोया-पाया केंद्रों में अब तक 1500 से अधिक लोगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। हालांकि, प्रशासन इस बारे में कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी करने से बच रहा है। मेला क्षेत्र में कार्यरत एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सिर्फ 28 और 29 जनवरी के बीच ही 850 से ज्यादा गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। लेकिन प्रशासन इस पर कोई ठोस जवाब देने के बजाय इसे टाल रहा है।

'लंबित आवेदनों का कराएं सत्यापन'

कलेक्ट्रेट में जिला बाल संरक्षण समिति की हुई बैठक, अफसरों को निर्देश

चंचल सिंह

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुण्डे की अध्यक्षता में जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को सम्पन्न हुई। बैठक में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी है एवं उनकी प्रगति से अवगत कराया गया। जिला प्रोबेशन ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड चकिया तथा तहसील मुगलसराय व सदर से वार्षिक सत्यापन रिपोर्ट अप्राप्त है, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि यथाशीघ्र संबंधित समन्वय स्थापित कर वार्षिक सत्यापन रिपोर्ट प्राप्त कर अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक स्टैण्डर्ड प्रारूप पर कराते हुए उसकी कार्यवृत्ति जिला प्रोबेशन अधिकारी को उपलब्ध करायें। इसके साथ ही श्रम प्रवर्तन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सम्बन्ध में एक्ट के अनुसार नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने डीआईओएस तथा बीएसए को निर्देश दिया कि विद्यालय परिसर के 100 मीटर के परिधि के अन्तर्गत कोई भी नशा युक्त सामग्री का विक्रय न किया जाय। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत पात्र बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में योजना की समस्त श्रेणियों में जोड़ते हुए उन्हें लाभान्वित कराया जाय। जिलाधिकारी ने बताया कि बाल सेवा योजना (सामान्य) के अन्तर्गत विकास खण्ड व तहसील स्तर पर सत्यापन हेतु लम्बित आवेदन पत्रों से सम्बन्धित सूची जनपद स्तरीय वाट्सअप ग्रुप में साझा करें, ताकि यथाशीघ्र सत्यापन कराते हुए पात्र बच्चों को योजनान्तर्गत लाभान्वित कराया जा सकें। साथ ही विभाग के अन्तर्गत जिन भी इकाईयों में जो भी पद रिक्त है, उन्हें विभागीय निर्देश क्रम में तत्काल भरा जाय।

बाल कल्याण समिति के द्वारा जिन बच्चों को जनपद में अथवा अन्यत्र जनपदों के गृहों में आवासित कराया गया है, उनका प्रत्येक माह फॉलोअप निरन्तर किया जाय। कहा कि जनपद में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले स्वयंसेवी संगठनों को समय समय विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाय, जिससे उनका उत्साहवर्धन हो सकें। बैठक में एडीएम सुरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

पीएम मत्स्य संपदाः करें ऑनलाइन आवेदन

चंदौली। भारत सरकार की ओर से मत्स्य संपदा योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी 1 से 15 फरवरी तक की ओर से बनाए गए पोर्टल पर आवेदन कर पात्र हो सकते हैं। इस दौरान सहायक निदेशक मत्स्य रवीन्द्र प्रसाद ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत निजी भूमि पर तालाब निर्माण, प्रथम वर्ष निवेश, रियरिंग यूनिट तालाब निर्माण, बायोफ्लाक पाण्ड निर्माण सम्बर्धन, मत्स्य बीज हैचरी निर्माण, वृहद आरएएस, मध्याकार व वृहद फीड मिल, सहित कुल 23 विभिन्न परियोजनाओं में विभागीय पोर्टल पर 1 फरवरी से 15 फरवरी तक आनलाइन आवेदन होगा। चयन हेतु पोर्टल पर आवेदन स्वयं अथवा जनसेवा केन्द्र के माध्यम से करें। परियोजनाओं का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने का प्रक्रिया व संलग्न किये जाने वाले अभिलेखों का विस्तृत विवरण विभागीय पोर्टल पर देखा जा सकता हैं।

एडीजी काशी ने देखी डीडीयू स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था

महाकुंभ : श्रद्धालुओं की व्यवस्था का जाना हाल, दिए निर्देश

शौर्य न्यूज इंडिया

डीडीयू नगर। एडिशनल डायरेक्टर जनरल (एडीजी) वाराणसी जोन पीयूष मोर्डिया ने बृहस्पतिवार की देर रात डीडीयू स्टेशन पर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ से लौटने वाले स्नानार्थियों के सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली।

प्रयागराज में मौनी अमावस्या पर स्नान के बाद वापस लौटने वालों की संख्या लाखों में है। मौनी अमावस्या पर संगम तट पर हादसे के बाद प्रशासन स्नानार्थियों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरत रहा है। फिलहाल प्रयागराज के लिए कुंभ स्पेशल नहीं चलाई जा रही है। अब तीन फरवरी को वसंत पंचमी पर अमृत स्नान के लिए भक्त प्रयागराज रवाना होंगे। इसको देखते हुए रात नौ बजे एडीजी जोन वाराणसी पीयूष मोर्डिया पीडीडीयू स्टेशन पहुंचे। यहां उन्होंने रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ यात्री ठहराव स्थल, मुख्य गेट, फुटओवर ब्रिज, प्लेटफार्म पर भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने एसपी आदित्य लांगहे को अतिरिक्त फोर्स लगाने का निर्देश दिया। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त जेतिन बी राज से सुरक्षा व्यवस्था का ब्लू प्रिंट लिया। डीएम निखिल टीकाराम फूंडे से यात्रियों के लिए किए गए इंतजाम की जानकारी ली। उन्होंने भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर काम करने को कहा।

चंदौली के महाबलपुर में घरौनी स्वामित्व योजना पर हुई चर्चा

डीडीयू नगर। क्षेत्र के दुलहीपुर महाबलपुर बचाओ संघर्ष मोर्चा एवं किसान न्याय मोर्चा का संयुक्त बैठक किया गया। बैठक में दुलहीपुर महाबलपुर में घरौनी स्वामित्व योजना पर विस्तार से चर्चा किया गया। इस दौरान किसान नया मोर्चा के संयोजक के महेंद्र यादव ने कहा कि पूरे जनपद में घरौनी मिल चुका है। अभी तक महाबलपुर का स्वामित्व योजना क्यों नहीं दिया जा रहा है। उनके साथ अन्याय हो रहा है। जिसे जिलाधिकारी ने राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि महाबलपुर गांव सभा के 91 लोगों को घरौनी सोमवार तक वितरण कर दिया जाए। जिससे महाबलपुर के नागरिकों ने स्वामित्व योजना वितरण की सूचना पर प्रसन्नता व्यक्त किया। दुल्हीपुर एवं महाबलपुर में अभी काफी संख्या में स्वामित्व योजना के अंतर्गत चिन्हित नहीं किया गया है। जो लोग वंचित रह गये है उन्हें जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें अवगत कराना है की दुल्हीपुर में मात्र आठ लोगों को स्वामित्व दिया गया है। इतने बड़े आबादी की संख्या में लोगों को स्वामित्व न मिलाना यह जिला प्रशासन की त्रुटि दर्शाता है। महाबलपुर दुल्हीपुर का पुनः स्वामित्व योजना के तहत चिन्हित कर उन्हें भी उस योजना के अंतर्गत शामिल किया जाए। किसान न्याय मोर्चा के संयोजक एडवोकेट महेंद्र यादव ने कहा कि दुल्हीपुर महाबलपुर के स्वामित्व योजना के बारे में जिलाधिकारी से मिलकर अवगत कराया जाएगा। दुल्हीपुर महाबलपुर में फोरलेन सड़क चौड़ीकरण के सड़क चौड़ीकरण पर चर्चा हुआ कि मुगलसराय में फोरलेन सड़क चौड़ीकरण हो रहा है। इस अवसर पर चितरंजन सोनकर, इंद्रजीत शर्मा, अवधेश उपाध्याय, डॉ आरके शर्मा, जलालुद्दीन पूर्व प्रधान, आफताब, मोहित शर्मा, गोपाल, गोविंद गुप्ता आदि रहे।

बड़े वाहनों की आवाजाही से लग रहा जाम

यातायात : दिन में भीड़भाड़ होने के बाद भी नगर क्षेत्र में आ जा रहे बड़े वाहन

चंदौली। महाकुंभ की घटना के बाद भी यातायात पुलिस यातायात व्यवस्था को लेकर सचेत नहीं है। शुक्रवार को इसका नजारा मझवार स्टेशन के समीप सर्विस रोड पर देखने को मिला। यातायात विभाग के कर्मचारियों की तैनाती के बावजूद नगर में ट्रकों के प्रवेश के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। इससे आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

दरअसल मझवार स्टेशन के समीप कुंभ जाने वाले यात्रियों के लिए बनाए गए पंडाल के समीप आए दिन बड़े वाहनों के प्रवेश करने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जा रही है। सकरा रास्ता होने के कारण यातायात विभाग इसे गंभीरता से नहीं ले रहा है। यदि स्टेशन से कुछ दूर पहले ही बड़े वाहनों को रोक दिया जाता तो यह समस्या नहीं होती, लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। सकलडीहा की ओर जाने वाले अटल ब्रिज पर बड़े वाहनों को छोड़ दिया जा रहा। विडंबना कि यातायात पुलिस का कहना कि मुख्यालय पर नो एंट्री की व्यवस्था नहीं है। इतना ही नहीं पुलिस प्रशासन की ओर से मनाही के बावजूद हाईवे पर अवैध वाहन स्टैंड संचालित हो रहे हैं। ऐसे में बराबर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। पूर्व में यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। दुर्घटना होने पर प्रशासन सक्रिय हो जाता है और कुछ दिन बाद स्थिति फिर जस की तस हो जाती है।

दहेज हत्या के मामले में दोषी को पांच वर्ष का कारावास : चंदौली। अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम श्याम बाबू की अदालत में शुक्रवार को दहेज हत्या के मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान साक्ष्यों के आधार पर दोष सिद्ध होने पर दोषी को 5 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 5 हजार रुपया अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। चकिया थाने के वनरसिया ग्राम निवासी आरोपी धरमजीत के विरुद्ध चार जुलाई 2019 को धारा-498ए, 304बी भादवि व 3/4 डीपी एक्ट के सम्बन्ध में मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

संक्षेप समाचार...

ज्योति कॉन्वेंट स्कूल के छात्र महाकुंभ से लौटे

डीडीयू नगर। अलीनगर सकलडीहा रोड स्थित ज्योति कॉन्वेंट स्कूल के छात्र कुंभनगरी प्रयागराज के लिए प्रस्थान किए छात्र व अध्यापक सकुशल लौट आए हैं। विद्यालय के चेयरपर्सन कृष्ण मोहन गुप्ता ने बताया की विद्यालय के छात्र विद्यालय से बस द्वारा प्रयागराज के प्रस्थान किया। जो वहां तीन दिवसीय सद्भावना सम्मेलन में प्रतिभाग करने गए थे। इस दौरान विद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक मंच पर सद्भावना का प्रचार प्रसार करते हुए नशा मुक्त भारत, कर्मों के फल जैसे दो नाटक और एक जगत जननी माता के ऊपर आधारित नृत्य की प्रस्तुति विद्यालय के छात्रों ने किया। कहा कि कार्यक्रम के दौरान मंच से गुरुमाता अमृता द्वारा सभी छात्रों और अध्यापकों को सम्मानित भी किया गया। विद्यालय की प्रबंधक उर्मिला गुप्ता ने बताया की छात्रों को प्रयागराज ले जाने का मुख्य उद्देश्य यह था कि बच्चे अपने देश के संस्कृति और सनातन को जाने और अध्यात्म से जोड़ने का भी प्रयास किया जा रहा है। कहा ऐसे ऐतिहासिक जीवन के सुनहरे पलों से प्रेरणा लेकर जीवन में अपने समय के सद्गुरु महाराज के बताए हुए मार्ग पर चलेंगे, तब जीवन सार्थक हो जाएगा। इस दौरान अनिल मौर्य, रोशन यादव, प्रीति शर्मा, पूजा चौरसिया, दीपिका शर्मा, विशाल विश्वकर्मा, पांचू चौहान, कार्तिक निगम आदि लोग ने अहम योगदान दिया।

अधिकारियों को समस्याओं से संबंधित सौंपा ज्ञापन

डीडीयू नगर। ईस्ट सेंट्रल रेलवे इंप्लाईज यूनियन ने प्लांट डिपो कारखाना में आए प्रधान मुख्य इंजीनियर अमरेश कुमार सिन्हा और मुख्य पुल इंजीनियर अशोक कुमार राय को कर्मचारियों की समस्याओं से संबंधित 21 सूत्री ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से प्लांट डिपो कारखाना में वर्कलोड को सुरक्षित मापदंडों के तहत पूरा करने के लिए उचित संख्या में कर्मचारियों की नियुक्ति करने की मांग की गई। ईसीआरईयू के मंडल कार्यकारी अध्यक्ष एसके शर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से एनपीएस और यूपीएस के बजाय पुरानी पेंशन लागू करने की मांग की। इसके साथ ही प्लांट डिपो कारखाना में निजीकरण के कार्य पर रोक लगाने, कर्मचारियों को सुरक्षित आवास देने अथवा आवास भत्ता देने, पीडी कॉलोनी के जर्जर बाउंड्री वाल की मरम्मत कराने की मांग की। रेलवे स्टेशन से प्लांट डिपो जाने वाले मार्ग की मरम्मत कराने, प्लांट डिपो कॉलोनी में सिकटिया मोड़ से लेकर कारखाना के आगे तक नाली का पक्कीकरण कर ढंकने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से मुख्य कारखाना प्रबंधक, प्रशासनिक भवन में कर्मचारियों के लिए एक एटीएम की व्यवस्था करने, कारखाना में इलेक्ट्रिक उपकरणों के मरम्मत के लिए इलेक्ट्रीशियन की व्यवस्था करने की मांग की। इस दौरान चंद्रिका यादव, मृत्युंजय कुमार, अविनाश राज, अभिराम कुमार, अशोक कुमार, शिवशंकर यादव, प्रभात कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

साहू समाज ने राजनीतिक भागीदारी पर की चर्चा

चंदौली। पूर्वांचल साहू समाज समिति की शुक्रवार को बैठक हुई। इस दौरान समाज के लोगों ने राजनीतिक भागीदारी पर चर्चा की। इसमें संस्था के संस्थापक व गाजीपुर सदर विधायक जय किशन साहू ने कहा कि साहू समाज बड़ी संख्या में बाजार, कस्बा और गांव में है। समाज के लोग सभी विधान सभा में निर्णायक भूमिका में हैं, लेकिन हमारे समाज को कोई पार्टी चुनाव लड़ने के लिए अपना उम्मीदवार नहीं बनाती। अब पार्टियों को बताना होगा कि साहू समाज को अगर आप टिकट नहीं देंगे तो आपको तख्त और ताज से हाथ धोना पड़ेगा। प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता, प्रदेश प्रभारी उदय नारायण साहू, महामंत्री संतोष गुप्ता व संस्था की मार्ग दर्शक माया साहू, सत्यप्रकाश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में साहू समजा के लोग उपस्थित थे।

छत से गिरकर 42 वर्षीय महिला घायल

इलिया। खखड़ा गांव निवासी फुलमति छत से गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी होने पर परिजन तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शहाबगंज ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के उपरांत जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया। फुल मति दोपहर मे छत पर कपड़ा सुखाने वाली रस्सी पकड़ कर खड़ी थी तभी अचानक रस्सी टूट गई और महिला छत से नीचे आ गई। तेज आवाज सुनकर ग्रामीण उपस्थित हो गए और तत्काल उपचार हेतु शहाबगंज लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया।

महाशिवरात्रि पर कार्यक्रम को लेकर बैठक संपन्न

चहनियां। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर बैठक का आयोजन चहनियां स्थित रामेश्वर धाम (शिव मंदिर) पर शिव भक्तों और आयोजन समिति के सदस्यों की आहूत की गई। बैठक में आयोजन से जुड़ी सभी प्रकार के क्रिया कलापों की विस्तार से चर्चा हुई। आयोजन समिति के सदस्य योगेन्द्र मिश्रा ने बताया कि विगत वर्षो की भाती इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास के साथ भव्य एवं आकर्षक झाकी निकाल कर बाजार कर भ्रमण करके रामेश्वर धाम पर समापन होगी। 25 फरवरी को अखंड हरिकीर्तन के साथ आयोजन किया जाएगा। हरिकीर्तन के समापन के उपरांत प्रसाद वितरण का कार्यक्रम किया जाएगा। बैठक में सर्व उदय प्रताप सिंह, सरिद्वार यादव, बिरजू प्रसाद अग्रहरि, गोपाल गुप्ता, रामजी मोदनवाल, भानु प्रताप यादव, राम विलास गुप्ता, जयशंकर जायसवाल, आनंद सिंह, मनोज गुप्ता, मामू गुप्ता, शिवलाल जयसवाल, विजय गुप्ता, अतुल रत्न मिश्र, प्रिंस मिश्र, विनोद अग्रहरि, सुरेश आदि रहे।

अंबेडकर के व्यक्तित्व को पढ़ने की जरूरत

चंदौली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व सैयदराजा के पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू के नेतृत्व में शुक्रवार को भतीजा गांव में पीडीए जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष सत्यनरायन राजभर ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया। साथ ही डा. अंबेडकर के विचारों को भी चौपाल के मंच से लोगों के बीच रखा। इस मौके पर सपा के राष्ट्रीय सचिव मनोज कुमार सिंह डब्लू ने कहा कि आज के युवा पीढ़ी को डा. अंबेडकर की जीवनी, उनके त्याग व समर्पण को पढ़ने व समझने की जरूरत है। डा. अंबेडकर ने देश को संविधान देकर एक सशक्त राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने दलितों, पिछड़ों व असहाय वर्ग को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के साथ ही सभी को बराबरी पर लाने का प्रयास किया। वह समतामूलक व शिक्षित समाज के पक्षधर रहे। कहा कि आज जिस तरह से सरकार संसद के अंदर डा.अंबेडकर का अपमान किया है, वह अक्षम्य है। कहा कि भाजपा ने हमेशा महापुरुषों का अपमान कर देश के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया है। ऐसे में आमजन को यह संकल्प लेने की जरूरत है कि आगे आने वाले दिनों में सरकार में बैठे लोगों को जनता संवैधानिक तरीके से मुंहतोड़ जवाब दे। पूर्व जिलाध्यक्ष बलिराम यादव ने कहा कि देश में भ्रष्टाचार, अपराध अपने चरम पर है। भाजपा सरकार लोगों को छलने का काम कर रही है। जनता का ध्यान मुद्दों से हटाने के लिए तरह-तरह के षड्यंत्र किए जा रहे हैं, लेकिन आप सभी को सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा व महंगाई जैसे मुद्दों के प्रति सजग रहने की जरूरत है। सपा पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डा. विरेंद्र बिंद ने कहा कि पिछड़ों, दलितों को संगठित व शिक्षित होने की जरूरत है, तभी समाज व देश का भला हो सकेगा। कहा कि आज सरकार पूंजीपतियों के लाभ के लिए काम कर रही है। जनता पर महंगाई का बोझ डाला जा रहा है। गरीबों को शिक्षा से वंचित रखा जा रहा है, ताकि जनता सरकार से सवाल ना कर सके। इस अवसर पर लल्लन बिंद, रामउजागिर गोंड, कल्पनाथ मौर्य, संतोष उपाध्याय, रामजन्म यादव, मुगल अंसारी, समीर अंसारी, गुड्डू सिंह, बृजेश मौर्य, बृजेश यादव, द्वारिका खरवार, अशोक बिन्द, रामदुलारे कन्नौजिया, रामधवल, राजेश यादव आदि उपस्थित रहे।

अनियंत्रित पिकअप ने वृद्ध व बालक को मारी टक्कर

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र के चंदौली कैली मार्ग पर शुक्रवार को दौरीकोट समीप अनियंत्रित पिकअप ने घर के बाहर सड़क के किनारे बंधी दो भैंसों के साथ बुजुर्ग व बालक को टक्कर मार दी। जहां एक भैंस की मौके पर ही मौत हो गई व एक भैंस की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं घायल और बालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज चल रहा है। बताते हैं कि एक पिकअप चालक मुर्गी का दाना लेकर चंदौली की तरफ आ रहा था जैसे ही चंदौली कैली मार्ग के दौरी कोट गांव के पास पहुंचा तो पिकअप अनियंत्रित हो गई और घर के बाहर दो भैंसों को टक्कर मारते हुए एक बुजुर्ग बालक को टक्कर मार दिया। इसमें बचाऊ यादव 60 वर्ष और अंश यादव 13 वर्ष के साथ दो भैंस घायल हो गई लेकिन एक भैंस की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। भैंस की मौत के बाद पशुपालक बुल्लू यादव सहित परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं वृद्ध घायल बालक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन व चालक को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई। सदर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मय वाहन चालक को कब्जे में कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां इलाज चल रहा है।

खुटहा में खनन माफिया फिर हो गए सक्रिय

संतोष अग्रहरि

पीडीडीयू नगर (चंदौली)। जनपद के नियमताबाद ब्लॉक में मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत खुटहा गांव में इन दिनों खनन माफिया फिर सक्रिय हो गए हैं। सूरज ढलते ही यहां तक की कभी-कभी दिन में ही अवैध खनन कर ट्रैक्टरों से मिट्टी निकाल कर ऊंचे दामों में बेचा जा रहा है। खनन करने के लिए इनके पास खनन विभाग द्वारा कोई स्वीकृति भी नहीं है खनन अधिकारी एवं कोई प्रशासनिक अधिकारी के वहां पहुंचने के पहले ही उन्हें सूचना मिल जाती है और वह अपनी मशीन वहां से हटा लेते हैं इसके लिए वह लोग काफी दूर मुख्य सड़कों पर लोकेशन के लिए लड़कों को रखे हुए हैं जो वहां से किसी अधिकारी के गुजरने की सूचना उनको दे देते हैं शासन प्रशासन के लाख सख्ती के बावजूद क्षेत्र में खनन कार्य रुक नहीं रहा है और खनन करने वाले दबंगों द्वारा प्रशासन को चुनौती देते हुए धड़ल्ले से जेसीबी लगाकर खेतों की मिट्टी को निकाल कर अन्य जिलों में भी बेचा जा रहा है। सूत्रों की माने तो इस कार्य में खनन विभाग के कुछ कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है।

दहेज हत्या के मामले में पांच वर्ष की सजा

चंदौली। अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम श्याम बाबू की अदालत में शुक्रवार को दहेज हत्या के मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान साक्ष्यों के आधार पर दोष सिद्ध होने पर दोषी को 5 वर्ष की कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 5 हजार रुपया अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। चकिया थाने के वनरसिया ग्राम निवासी आरोपी धरमजीत के विरुद्ध चार जुलाई 2019 को धारा-498ए, 304बी भादवि व 3/4 डीपी एक्ट के सम्बन्ध में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। उपरोक्त अभियोग में मानिटरिंग सेल एवं अवधेश कुमार पाण्डेय एडीजीसी और चकिया थाने के पैरोकार बीर बहादुर ने प्रभावी पैरवी की।

एकजुटता से मिलेगी राजनैतिक हिस्सेदारी

आयोजित बैठक में बिंद समाज के लोगों ने किया विमर्श

मो. तसलीम

चंदौली। कमालपुर बहेरी स्थित कार्यालय पर डा. बिरेंद्र बिंद ने समाज के लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान बिन्द समाज के ऊपर हो रहे अत्याचार, समाज की राजनैतिक हिस्सेदारी व समाज के उत्थान को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि बिरेन्द्र कुमार बिन्द ने कहा कि अब समय आ गया है कि बिन्द समाज अपने हक, अधिकार व राजनैतिक हिस्सेदारी के लिए एकजुट होकर आवाज उठाए।

उन्होंने कहा कि बिंद समाज को शिक्षित और संगठित होने की जरूरत है। जब तक हम सभी एक मंच पर नहीं आएंगे। उचित राजनीतिक भागीदारी मिलना संभव नहीं है। बिंद समाज को पिछड़े व अतिपिछड़े वर्ग के लोगों को जोड़ने की जरूरत है, ताकि पिछड़ों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठायी जा सके। समाज के पढ़े-लिखे युवाओं को राजनीति आना चाहिए, ताकि वे राजनीति में खुद को स्थापित कर समाज का प्रतिनिधित्व सदन में कर सके। इस अवसर पर लाल बचन बिन्द, चंद्रिका बिन्द प्रधान, नंदू कुमार बिन्द, राजेन्द्र प्रसाद बिन्द पूर्व प्रधान, सीताराम बिन्द, लाल बहादुर बिन्द पूर्व बीडीसी, नंदू बिन्द, रामलाल बिन्द, रज्जू बिन्द बीडीसी, धर्मेंद्र बिन्द, जयप्रकाश बिन्द, गोपाल बिन्द, विशेश्वर बिन्दु, केदार राम बिन्द, मदन मुरारी बिन्द, सीरी बिन्द, नंदकिशोर बिन्द, त्रिलोकी बिन्द, विजयमल बिन्द, राकेश बिन्द, जयकारा बिन्द, करण बिन्द, लल्लन बिन्द, चंदन प्रताप बिन्द, सुशील बिन्द, भानु प्रताप बिन्द, रमाशंकर बिन्द, मुन्ना बिन्द, धर्मेंद्र कुमार बिन्द, आल्हा बिन्द, जितेन्द्र कुमार बिन्द, नंदकिशोर बिन्द, धर्मेंद्र बिन्द पूर्व प्रधान, मोतीलाल बिन्द, तपस्या बिन्द, राम भजन बिन्द, सुनील कुमार बिन्द, संजय बिन्द, भरत बिन्द, प्रभु नारायण बिन्द, हनुमान बिन्द, राजू बिन्द व तमाम बिन्द समाज के लोग मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता कृष्ण कुमार बिन्द व संचालन रामचंद्र बिन्द ने किया।

पेट्रोल पंप संचालक समेत तीन पर एफआईआर

शौर्य न्यूज इंडिया

बलिया। पेट्रोल पम्प संचालक समेत तीन के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा लखनऊ के सुलभ आवास गोमती निवासी संतोष सिंह ने चितबड़ागांव थाने में दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। संतोष सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि चितबड़ागांव नगर पंचायत के जयप्रकाशनगर निवासी राजीव ने फर्जी जमीन का दस्तावेज बनवाकर अपने साथियों के साथ 1. 52 करोड़ रुपये ले लिया। आरोप लगाया है कि इस कार्य में राजीव का दोस्त चितबड़ागांव थाना क्षेत्र के मर्ची निवासी सुनील तिवारी तथा उसका चालक जौनपुर जनपद के अहिल्या निवासी आलोक सिंह शामिल था।

संतोष का कहना है कि सभी ने लीज पर जमीन दिलवाने एवं पेट्रोल पम्प खुलवाने के नाम पर यह कार्य किया है। यह पैसा राजीव गुप्ता के नरही थाना क्षेत्र के गोविंदपुर (भरौली) में स्थित नाथ बाबा फिलिंग स्टेशन तथा एक अन्य एकाउंट में लिया गया है। संतोष सिंह का कहना है कि इसकी जानकारी हुई तो पैसा मांगने पर आरोपी टाल-मटोल करने लगे। पैसा मांगने पर आरोपी जान से मारने एवं फर्जी मुकदमें में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीनों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है।

पुलिस ने 25 लाख के गांजा को कराया नष्ट

बलिया। आपरेशन क्लीन अभियान के तहत जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी (डीडीसी) द्वारा मादक पदार्थों के कुल 36 अभियोगों से संबंधित माल को नष्ट किया गया। पुलिस द्वारा नष्ट कराये गये कुल 99.910 किग्रा अवैध मादक पदार्थ (गांजा) की अनुमानित कीमत 25 लाख रूपये बतायी जा रही है। एसपी के अनुसार जनपद के 12 थानों कोतवाली, सुखपुरा, गड़वार, बांसडीह रोड, मनियर, नगरा, रसड़ा, बैरिया, पकड़ी, हल्दी, बांसडीह, सिकन्दरपुर पर पंजीकृत कुल 36 अभियोगों से सम्बन्धित कुल 99.910 किग्रा अवैध गांजा था, जिसे नष्ट करा दिया गया है। उक्त माल को गाजीपुर के कासिमाबाद थाना क्षेत्र स्थित वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट के इन्सिनेटर में ले जाकर विनिष्टीकरण कराया गया। पुलिस के अनुसार काफी समय से थानों में मादक पदार्थ (गांजा) जमा है, जिसके निस्तारण हेतु विशेष पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ के अनुपालन में जनपद में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मादक पदार्थ के अधिग्रहण, भण्डारण, निस्तारण, विनष्टीकरण तथा न्यायिक पर्यवेक्षण हेतु निर्गत निर्देशों के अनुक्रम में जनपद में जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी का गठन किया गया है। इसके अध्यक्ष पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, सदस्य अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी कृपा शंकर एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्यामकान्त हैं। उनकी देखरेख में गांजे को नष्ट किया गया। इसी क्रम में शुक्रवार को बलिया पुलिस द्वारा जनपद के 12 थानों पर अवैध मादक पदार्थों से संबंधित पंजीकृत कुल 36 अभियोगों से सम्बंधित कुल 99.910 किग्रा अवैध गांजा का विनष्टीकरण कराया गया।

शाखा प्रबंधक ने कैशियर के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा : बलिया। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के संवरा स्थित बड़ौदा यूपी बैंक की शाखा में हुई 21 लाख 57 हजार 290 रुपये की चोरी मामले में नया मोड़ आ गया है। मामले में ब्रांच मैनेजर ने बैंक के कैशियर के खिलाफ धोखाधड़ी एवं विश्वासघात का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस जांच में जुटी है। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के संवरा चट्टी पर स्थित बड़ौदा यूपी बैंक की शाखा के लॉकर से मंगलवार की रात 21 लाख 57 हजार 290 रुपये गायब हो गये। खुले लॉकर पर सबसे पहले नजर बैंक के कैशियर स्वामीनाथ की पड़ी। उनकी सूचना पर ब्रांच मैनेजर और फिर पुलिस पहुंची। छानबीन के बाद चोरी की घटना में बैंक कर्मचारियों के शामिल होने अथवा साजिश का संदेह हुआ। पुलिस कर्मचारियों से पूछताछ करने लगी। इसी बीच, शाखा प्रबंधक चंद्रभूषण राय ने रसड़ा पुलिस को तहरीर देकर कैशियर पर ही पैसा गायब करने का आरोप लगाया। उन्होंने पुलिस को बताया है कि सोमवार को बड़ौदा यूपी बैंक शाखा छितौनी से 15 लाख रुपये आया था। अपनी शाखा के लेन-देन के बाद उसमें से बचे छह लाख 21 हजार 658 रुपये के साथ कुल 21 लाख 57 हजार 658 रुपये तिजोरी में कैशियर ने बंद कर दिया। उनका कहना है कि कैशियर ने मेरी भी तिजोरी की चाबी ले लिया, लेकिन छल करते हुए उसने मेरी चाबी से तिजोरी को बगैर बंद किये ही वापस लौटा दिया। आशंका है कि तिजोरी में रखे गये 21 लाख 57 हजार 290 रुपये कैशियर ने ही गायब किया है। घटना के बाद तिजोरी में केवल 368 रुपये मौजूद मिला है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसों में 12.5 तथा घायलों की संख्या में 52.3 प्रतिशत की कमी

मऊ। सड़क दुर्घटनाओं एवं उसमें घायल तथा मृतकों की संख्या को लेकर दिसंबर 2023 एवं 2024 के आंकड़े शासन द्वारा जारी कर दिए गए हैं। शासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जनपद मऊ में दिसंबर 2023 में कुल 32 सड़क दुर्घटनाएं हुई थी जबकि दिसंबर 2024 में 28 सड़क दुर्घटनाएं हुई। इस प्रकार सड़क दुर्घटनाओं में 12.5 प्रतिशत की कमी आई। जबकि मृतकों की संख्या दिसंबर 2023 में 14 थी तथा 2024 में भी यह संख्या 14 रही। इस प्रकार मृतकों की संख्या में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं हुई। जारी आंकड़ों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की संख्या दिसंबर 2023 में 44 थी, जबकि दिसंबर 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की संख्या कुल 21 रह गई। इस प्रकार सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की संख्या में 52.3 प्रतिशत की कमी आई है। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने सड़क दुर्घटनाओं एवं घायलों की संख्या में कमी लाने में मीडिया के प्रयासों की विशेष सराहना की है। उन्होंने आम जनपद वासियों से सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियमों का पालन करने की अपील भी की।

24 घंटे के अंदर गुमशुदा बालक को किया बरामद

शौर्य न्यूज इंडिया

मऊ। पुलिस अधीक्षक इलामारन जी के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा आवेदक आजाद चैहान पुत्र श्रीरामकेर चैहान निवासी बेलौली सोनवर्षा थाना दोहरीघाट जनपद मऊ द्वारा दी गयी लिखित सूचना पर कि उनका भांजा सौरभ चैहान पुत्र गौरव चैहान उम्र करीब 14 वर्ष जो उनके घर पर विगत 04 वर्षों से रहकर वर्तमान में कक्षा 06 में सेंट जेवियर स्कूल सुरजपुर में पढ रहा था, सुबह बिना किसी को बताये घर से चला गया है। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक थाना दोहरीघाट प्रमेन्द्र कुमार सिंह व तीन अलग अलग टीम बनाकर बच्चे कि तलाश में जुटे जो शुक्रवार को सुबह करीब 11 बजे मुक्तिधाम घाट से बरामद किया गया। उनके मामा आजाद केशरी व उसकी माँ को सुपुर्द किया गया।

पांच साल तक चले मुकदमे में आरोपी गुण्डा एक्ट से बरी : मऊ। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व न्यायालय में गुण्डा एक्ट के आरोपित मामले में प्रभारी निरीक्षक की आख्या और पुलिस अधीक्षक की संस्तुति को सही नहीं माना है। पुलिस की कहानी से असहमति जताते हुये कोर्ट ने आरोपित को बरी करते हुये गुण्डा एक्ट की कार्रवाई को समाप्त कर दिया है। मामला घोसी कोतवाली क्षेत्र की हड़हुआं गांव का है। दर्ज मामले के अनुसार प्रभारी निरीक्षक घोसी की 25 अगस्त 2019 की आख्या पर पुलिस अधीक्षक द्वारा 1 सितम्बर 2019 के आधार पर हड़हुआं निवासी रामहरख सिंह उर्फ भरत सिंह पुत्र स्व.शिवनाथ के विरुद्ध उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा 3(1) के अन्तर्गत 13 सितम्बर 2019 को कारण बताओ नोटिस दी गयी थी।

संक्षेप समाचार...

सोने के गहने के साथ दो महिला गिरफ्तार

गाजीपुर। कोतवाली पुलिस ने चोरी करने वाली दो अभियुक्ता को दो पीली धातु (सोने का कंगन) व 4000/- रुपये के साथ गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल किया है। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बीते शुक्रवार को थाना कोतवाली पुलिस की शक्ति मोबाइल टीम द्वारा 02 मुस्कान पत्नी इस्लाम निवासी गोल गड्डा थाना जैतपुरा जनपद वाराणसी उम्र करीब 30 वर्ष, तमन्ना गोल गड्डा थाना जैतपुरा जनपद वाराणसी उम्र करीब 22 वर्ष को जमानिया मोड़ थाना कोतवाली से गिरफ्तार किया गया। विदित है कि शक्ति मोबाइल टीम थाना-कोतवाली को सूचना मिली कि जमानियां मोड़ पर आवेदक की भांजी सोनम सिंह पत्नी रोशन सिंह द्वारा बस पकड़ने जाते समय अभियुक्तागण द्वारा पर्स से रु0 4000/- एवं 02 सोने का कंगन पीली धातु को चोरी किया गया। शोर मचाने व सूचना पर तत्काल शक्ति मोबाइल टीम थाना कोतवाली जनपद द्वारा मौके पर पहुँच कर 02 नकाब पोश अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया । जिनके पास से आवेदक की भांजी का चोरी किया गया 02 अदद पीली धातु (सोने का कंगन) व 4000/- रुपये बरामद किया गया।

एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

भांवरकोल। विकासखंड भांवरकोल के सभागार में ₹हमारी योजना हमारा विकास₹ कार्यक्रम के अंतर्गत उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन के क्रम में ग्राम प्रधानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण खंड विकास अधिकारी भांवरकोल की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में प्रशिक्षण देते हुए एडीओ पंचायत सूर्यभान राय ने पंचायत राज अधिनियम 1947 की धारा 15 के अनुसार कार्य एवं धारा 95छ के अनुसार प्रधानों को कैसे हटाया जा सकता है इस विषय में बताया गया। ग्राम प्रधानों को स्वयं आयकर रिटर्न, जीएसटी दाखिल करने एवं महिला प्रधानों के अधिकारों पर विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया गया। अवसर पर पंचायत ने ग्राम पंचायत विकास योजना के अंतर्गत 9 थीम के अंतर्गत कार्य योजना बनाने और उसको ई ग्राम स्वराज पर अपलोड करने के विषय में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर उपस्थित खंड शिक्षा अधिकारी भांवरकोल ने कायाकल्प के विषय में जानकारी दी। खंड विकास अधिकारी कमलेश यादव जीपीडीपी और अन्य विषयों पर ग्राम प्रधानों को जागरूक किया गया । इस अवसर पर एडीओ आईएसबी राजेंद्र प्रसाद , सचिव अजीत गौतम, राजकुमार यादव, ओमप्रकाश यादव, परवेज अली, राधेश्यामयदव बृजेश कुमार ग्राम प्रधान संगठन के अध्यक्ष राजेश राय बंगाली, संजू राय, बिट्टू कुशवाहा भोला यादव, रामलाल, अजय कुशवाहा, लालबहादुर कन्नौजिया, पावन यादव आदि रहे।

जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

बिरनो। बिरनो थाना क्षेत्र के भड़सर राजापुर खेल ग्राउंड पर इच्छावर महादेव पांच दिवसीय जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सत्येंद्र सिंह दीक्षित व विशिष्ट अतिथि रोहित सिंह रानू व समाजसेवी गोलू गौड़ रहे, कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने विधिवत रूप से फिता काटकर व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उद्घाटन मैच गाजीपुर बनाम मदनपुर के बीच खेला गया। जिसमें मदनपुर की टीम ने गाजीपुर की टीम को हराकर जीत हासिल की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सत्येंद्र सिंह दीक्षित ने कहा कि इस प्रकार के खेलों का ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजन होने से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे आने में बेहतर अवसर मिलते हैं। विशिष्ट अतिथि गोलू गौड़ ने कहा कि खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में प्रेषित करने के लिए सरकार को महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए तथा गांव-गांव में खेलों का माहौल बनाकर उच्च स्तरीय व्यवस्थाओं से युवाओं को उपलब्ध करवानी जानी चाहिए। इस मौके पर प्रदीप, अमित, विकास यादव, सोनू खरवार,राजेश यादव, हरेंद्र खरवार, लोरिक, गोलू, मोहन पाल, दरोगा पाल, नीरज बर्मा, रितेश पाल, कॉमेंटेटर पप्पू पटेल अंपायर राम प्रकाश पाल सहित आदि लोगों उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम के आयोजन वीरेंद्र पाल ने आए हुए अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोकल रूट पर बसों का अभाव, यात्री रहे परेशान

गाजीपुर। महाकुंभ के चलते रोडवेज की अधिकांश बसें प्रयागराज चले जाने का असर डिपो परिसर में नजर आया। गोरखपुर, आजमगढ़, भरौली, बलिया आदि जगहों के लिए पूरे दिन यात्री परिसर में बस का इंतजार करते देखे गए। वहीं अन्य लोकल रूट पर भी बस का अभाव दिखा। महाकुंभ के चलते डिपो में परिवहन निगम की अधिकांश बस के अलावा बाहरी डिपो से सैकड़ों की संख्या में आई बसों को भेजा गया है। बीते चार दिनों से यात्रियों की संख्या अधिक होने व ट्रेन नहीं मिलने पर डिपो परिसर में आए यात्रियों को देखते हुए बसों को भी प्रयागराज ही भेज दिया गया है। उधर से बसें अभी लौटी नहीं हैं, ऐसे में लोकल रूट के लिए बसें ही नहीं मिलीं। ऐसे में इन रूटों पर जाने वाले यात्रियों को चार से पांच घंटे तक बसों का इंतजार करना पड़ा। डिपो में बची बसों के ही सहारे संचालन व्यवस्था रही, ऐसे में इनके आने के बाद ही यात्री परिवहन निगम की व्यवस्था को कोसते हुए गंतव्य को गए। भरौली जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे प्रधानाचार्य रंजू प्रसाद ने बताया कि बस अड्डे पर तीन घंटे से अधिक बीत चुके हैं लेकिन अभी तक बस नहीं मिली।

एडीओ पीपी का विदाई समारोह

जखनियां। स्थानीय ब्लॉक सभागार में शुक्रवार की दोपहर कृषि विभाग के एडीओ पीपी अशोक सिंह कुशवाहा का विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह में उन्हें डायरी पेन छाता अंग वस्त्र सहित रामचरितमानस की पुस्तक विभागीय कर्मचारियों द्वारा भेंट की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडीओ पंचायत अजय मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार जिंदगी का अंतिम पड़ाव मृत्यु है। इसी तरह नौकरी में विदाई होती है। परिवार को देखते हुए व्यक्ति नौकरी में अपनी जिम्मेदारियां को निभाता है। लेकिन विदाई के बाद वह पूर्ण रूप से अपने परिवार में चला जाता है। विभाग द्वारा विदाई की जाती है। लेकिन कार्यरत कर्मचारी के मन में पूरे कार्यकाल की अमिट छाप रह जाती है। पूर्व सहायक विकास अधिकारी मन्नन सिंह ने कहा कि अशोक सिंह कुशवाहा अपनी जिम्मेदारियां के साथ विभागीय कार्यों को करते हुए बेदाग छवि के व्यक्ति थे। जिनकी आज विदाई हो रही है। इनके कार्यकाल को देखकर लोगों को सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम में राधेश्याम, विनोद राम, सतीश बाबू, संतोष, वीरेंद्र, रामभरोस, पवन, डा. आमिर रहे। संचालन बलवंत कुमार ने किया।

पीडीए जन चर्चा में जनगणना कराने पर जोर

जखनियां। स्थानीय विधानसभा के मीरपुर सेक्टर नंबर 13 अंतर्गत मीरपुर दलित बस्ती में विधानसभा अध्यक्ष अवधेश यादव राजू के नेतृत्व में पीडीए जन चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनगणना कराने पर जोड़ दिया गया। पूर्व विधायक त्रिवेणी राम ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प दिलाया और कहा कि पीडीए समाज की हक यह सरकार मार न पाए इसलिए पूरी ताकत के साथ एकजुट रहने की आवश्यकता है। आयोजन के दौरान विधानसभा अध्यक्ष अवधेश यादव राजू ने कहा कि जाति जनगणना कराना समाजवादियों की जिम्मेदारी है। जिससे सरकार भाग रही है। इस दौरान वजीर भारती, फेकू राम, राजाराम यादव, साधु यादव, विंध्याचल यादव, महातिम, राम लक्षन, प्रधान राजू प्रधान सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

नाले में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

मचा हड़कंप

गौरी निस्फ गांव का मामला घर से चंद कदमों की दूरी पर शव मिलने से सनसनी

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के गौरीनिस्फ गांव में एक युवक की संदिग्ध हाल में हत्या कर दी गयी। उसका शव शुक्रवार को घर से लगभग 400 मीटर दूर नाले में मिला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक युवक के सिर, हाथ व पैर पर गहरी चोट के निशान मिले हैं।

उधर सूचना पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त करा पीएम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी। बताया गया कि इलाके के गौरी निस्फ गांव में सुबह लोग शौच के लिए बाहर गये तो देखा कि नाले में युवक का शव पड़ा है। शव मिलने की सूचना पर वहां भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी। मृतक की पहचान अमित कुमार सिंह 25 पुत्र संगम सिंह के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार अमित गुरुवार की रात कुछ सामान लेने के लिए गांव के नंदू जाटव की गुमटी पर गया था। वहां उसका कुछ लोगों से विवाद हो गया इसके बाद वह वापस लौट आया। परिजनों का कहना है कि अमित अपनी दादी के साथ नये मकान में सोता था जबकि घर के सदस्य पुराने मकान में रहते थे। ऐसे में रात में न जाने कब अमित घर से निकल नाले की ओर चला गया इसकी जानकारी उन्हें नही है। उसके शरीर पर चोट के निशान देख यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि उसकी हत्या कर शव नाले में फेंक दिया गया होगा।

प्रयागराज से महिला का शव पहुंचा घर

अतरौलिया (आजमगढ़)। स्थानीय थाना क्षेत्र के मिश्रौलिया गांव निवासिनी रविकला 58 पत्नी महेन्द्र मिश्र अपने गांव के दर्जनों लोगों के साथ मौनी आमावस्या के दिन संगम में आस्था की डुबकी लगाने गयी थी। 28 जनवरी की रात भगदड़ में उसकी मौत हो गयी। महिला का शव घर पहुंचने से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। अतरौलिया थाना क्षेत्र के गनपतपुर मिश्रौलिया निवासिनी रविकला पत्नी महेंद्र मिश्र 58 वर्ष अपने गांव के ही दर्जनों लोगों के साथ मौनी अमावस्या के दिन संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंची थी, लेकिन 28 जनवरी की रात हुई भगदड़ में अपनी जान गँवा बैठी, साथ में गए लोग भी अपनों से बिछड़ गए और पूरी रात इार-उार भटकते रहे। काफी खोजबीन के बाद भी जब रविकला का कोई पता नहीं चला तो करीमनगर अंबेडकर नगर निवासी रिश्तेदार रविप्रकाश के यहां परिजनों ने फोन किया। रवि प्रकाश इलाहाबाद में रहकर पढ़ाई करता था जब उसे सूचना मिली कि रविकला नहीं मिल रही है तो वह अपने कुछ साथियों के साथ दारागंज पुलिस स्टेशन पहुंचकर उनकी गुमशुद्गी दर्ज कराई और कई सेक्टरो में जाकर अलाउंस भी कराया, लेकिन कहीं कोई पता नहीं चला, तत्पश्चात पुलिसकर्मियों ने उसे स्वरूप रानी नेहरू हस्पिटल जाकर पता करने की सलाह दी, वहां काफी खोजबीन करने के बाद रविकला की पहचान मृतका के रूप में हुई।

रवि प्रकाश पांडे ने बताया कि वह पूरी रात अपनी दादी को इार-उार खोजता रहा, थक हार कर जब वह स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल पहुंचा तो वहां घायलों की लंबी कतार थी, वहां पुलिसकर्मियों ने बताया कि अस्पताल में कुछ डेड बडी रखी गई है वहां जाकर पता करो। रवि प्रकाश पांडे ने बताया कि जब वहां देखा तो केवल 12 लोगों के नाम लिस्ट में चस्पा किए गए थे लेकिन अंदर जाकर जो देखा वह काफी भयावह था। 100 लोगों की लाशें लावारिस हाल में पड़ी थी उनमें से किसी तरह वह अपने दादी रविकला की पहचान किया। तत्पश्चात बृहस्पतिवार की देर रात एंबुलेंस के मायम से मृतका रवि कला के शव को अतरौलिया थाना क्षेत्र के गनपतपुर मिश्रौलिया गांव लाया गया, जहां शव पहुंचते ही लोग दहाड़े मार-मार कर रोने लगे और कुंभ की व्यवस्था को कोसते हुए आपबीती बताई। मृतका की सगी बहन थिरई पट्टी गांव निवासी इंद्रावती भी बहन के साथ गई थी लेकिन वह अपनी बहन से बिछुड़ गई और किसी तरह अपने घर पहुंची। मृतका के पास दो लड़के रत्नेश व इंद्रेश तथा दो पुत्री नीरज व ाीरज है। पति महेंद्र मिश्रा घर पर ही रहकर खेती किसानी का कार्य देखते हैं। वहीं घायलों में गांव निवासी विश्वनाथ मिश्र,विजय, मंजू, रानी आदि लोग भी किसी तरह अपने गांव पहुंचे। इस वीभत्स मंजर का आंखों देखा बयान सुन लोग सिहर जा रहे हैं।

ट्रेन के आगे कूदकर युवती ने दी जान : संजरपुर, आजमगढ़। सरायमीर थाना क्षेत्र के संजरपुर रेलवे स्टेशन से पहले पश्चिम तरफ चंद्रकला यादव (22) पुत्री हरिबंश ग्राम बिलारी थाना कप्तानगंज ने शुक्रवार की दोपहर आजमगढ़ की तरफ से आ रही तापती गंगा एक्सप्रेस के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवती लाल रंग की स्कूटी से संजनपुर की तरफ से आई और घटनास्थल से 200 मीटर पहले आम के बाग में अपनी स्कूटी खड़ी कर दी और आ रही ट्रेन के सामने कूद कर आत्महत्या कर ली। रेलवे ट्रैक के किनारे उसकी मोबाइल गिरी पड़ी थी। युवती के परिचित का फोन आया चंद्रकला कहकर बात करने लगा रेलवे ट्रैक पर एकत्र लोगों ने फोन उठाकर कहा की यदि यह लड़की चन्द्रकला है तो इसने रेलवे ट्रैक पर अपनी जान दे दी है।

पत्नी की नहीं हुई विदाई पति ने जान गंवाई

गाजीपुर। रेवतीपुर थानांतर्गत त्रिलोकपुर गांव के बगीचे में पीपल के पेड़ से रस्सी के सहारे एक युवक का लटकता शव मिला। मृतक के पिता हरिनरायन राम ने बताया कि रामलखन राम 27 वर्ष रोज की तरह शुक्रवार को भोजन कर कमरें में सोने चला गया। सुबह होने पर जब वह अपने पुत्र के कमरें में गया तो गायब था। इसके बाद उसकी खोजबीन शुरू कर दिया। इसी दौरान सूचना मिली कि उनका पुत्र गांव के बगीचे में पीपल के पेड़ पर रस्सी के सहारे आत्महत्या कर लिया है। जब मौके पर गया तो देखा कि उनका पुत्र पेड़ पर रस्सी के सहारे लटक रहा था। मृतक के पिता ने बताया कि उनके दो पुत्र है, जिनमें मृतक रामलखन छोटा था। वह बाहर रहकर मजदूरी कर परिवार का जीविकोपार्जन चलाता था। रामलखन की शादी दिलदारनगर थाना क्षेत्र के देवैथा गाँव की चांदनी से 2018 में हुई थी। उसकी पुत्र वधु आठ माह पूर्व अपने मायके चली गई थी।

मीरजापुर में रेलवे स्टेशन पर यात्रियों में जमकर झड़प

मीरजापुर। स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 पर कुंभ यात्रा पर निकले यात्रियों के दल में शामिल एक वृद्ध यात्री को बोगी में लात मारने पर हंगामा खड़ा हो गया। यात्रियों ने लात मारने वाले को बोगी से बाहर खींचने का प्रयास किया।

ट्रेन में सवार यात्रियों ने बुजुर्ग श्रद्धालु को बोगी में बैठने को लेकर पैर मारा था। मौके पर मौजूद जवानों ने मामला आगे बढ़ने के पहले ही यात्रियों को बोगी के पास से धकेल कर दूर किया। ट्रेन स्टेशन से छूटने पर लोगों ने राहत की सांस ली। कामाख्या से नई दिल्ली की ओर दौड़ रही एक्सप्रेस की बोगी में चढ़ने पर कुछ सवारियों ने विरोध किया। इस बीच बोगी में घुसे लोगों ने खड़े होकर सफर करने की बात कही। उसी बीच एक यात्री ने वृद्ध यात्री को लात मार दिया जिससे वह गिर पड़े। यह देख उनके साथ के लोग भड़क गये। लात मारने और विरोध कर रहे लोगों के बीच हाथापायी शुरू हो गई। जो बोगी से होकर प्लेट फार्म दो पर आ गई। मौके पर मौजूद जीआरपी व आरपीफ ने दोनों पक्ष के लोगों को जबरन धक्का देकर अलग थलग किया। ट्रेन आगे रवाना होने के बाद मामला शांत हुआ। सह यात्री चारु दास ने बताया कि बोगी में चढ़ने के बाद मेरे दोस्त के पिताजी को लात मारा गया। अगर उन्हें पकड़ा नही जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

कार व बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत : राजगढ़। थाना क्षेत्र के ददरा पहाड़ी गांव के समीप शुक्रवार की दोपहर में सड़क हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार मड़िहान थाना क्षेत्र के बेलाही रैकरा गांव निवासी 62 वर्षीय शिवलाल पुत्र अकबर, 50 वर्षीय भतीजे मुन्नालाल पुत्र कैलाश के साथ बाइक से सक्तेसगढ़ चौकी क्षेत्र अंतर्गत नुनौटी ग्राम पंचायत के कोदवारी गांव में अपनी लड़की के ससुराल जा रहे थे कि जैसे ही स्थानीय थाना क्षेत्र के मीरजापुर-सोनभद्र मुख्य मार्ग पर स्थित ददरा पहाड़ी गांव के पास पहुंचे ही थे कि इसी दौरान सोनभद्र की तरफ जा रही तेज रफ्तार की कार ने बाईक को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक पर सवार दोनों चाचा व भतीजा सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य में राजगढ़ पहुंचाया गया। जहां पर परीक्षण के बाद चिकित्सकों द्वारा शिवलाल को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि गंभीर रूप से घायल मुन्नालाल को प्राथमिक उपचार के बाद मीरजापुर ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को कब्जे में लेते हुए पंचनामा कर अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया गया है।

तीन दिवसीय बसंत पंचमी का लगेगा सुप्रसिद्ध मेला : मड़िहान। विकास खंड के पड़रिया में प्राचीन शिव जी के मंदिर प्रांगण में बसंत पंचमी को लगने वाला प्रसिद्ध मेला दो फरवरी से होगा। पड़रिया में बसंत पंचमी को लगने वाला तीन दिवसीय मेला दो फरवरी से लगेगा। क्षेत्रवासी जहा मजे से शिव मंदिर में आराधना कर कृत कृत्य होते हैं। वहीं मेला में गुड़हिया जलेबी का स्वाद चख कर आनंदित भी होते है। मेला के अंतिम तीसरे दिन चार फरवरी को दिन में तीन बजे से पहलवानों का दंगल होगा और उसी दिन शाम आठ बजे से शेरुआ के अभिषेक प्रजापति बनाम प्रयागराज की सोना सुहानी के बीच बिरहा का दंगल किया जाएगा। पटेहरा में घंटाघर भर बाबा के स्थान का मेला भी दो फरवरी को ही लगेगा। मेला प्रभारी द्वय प्रधान विभा तिवारी और राजेश कुमार सिंह पटेल ने बताया कि पूर्व की भांति परंपरागत पड़रिया का मेला दो फरवरी से लगेगा।

रेलवे स्टेशन पर गंदगी से भड़के कुंभ यात्री, किया प्रदर्शन, जताई नाराजगी

गोपीगंज। ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर पूरे परिसर में चारों तरफ बिखरे गंदगी के चलते कुंभ से लौटने वाले दर्शनार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। पिछले कई दिनों से स्टेशन पर अव्यवस्था और गंदगी के चलते उत्पन्न हुई बदहाली को छिपाया नहीं जा सका।

शुक्रवार को प्रयागराज से कुंभ स्नान करने के बाद रेलवे स्टेशन पर भारी संख्या में यात्री उतरकर चाय नाश्ता कर रहे थे, जहां पर पूरे प्लेटफार्म पर बिखरी गंदगी को देख भड़क उठे। एक तरफ जहां शासन द्वारा करोड़ों रुपए लगाकर महाकुंभ की तैयारी और साफ सफाई व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए बनाई गई वहीं पर दूसरी ओर बिहार और झारखंड के ज्यादातर कुंभ यात्री यहां पहुंचे स्नानार्थियों ने परिसर में फैली गंदगी और जगह-जगह जमा कूड़े के अंबार को देख स्थानीय रेल प्रशासन को कोसते रहे और जब

मीडिया के लोग पहुंचे तो नारेबाजी कर अपनी दर्द को बयां किया। प्रदर्शन करने वालों में तुलाराम चौधरी, घनश्याम दास, परमिंदर, अनुराग, रघुवर दास, अर्जुन, हेमंत आदि रहे।

स्टेशन पर ऊंचे दामों में पानी बिकने की शिकायत : ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के रुकते ही यात्री जलपान और पानी के लिए परेशान होते दिखे। शिकायत मिली की स्टेशन पर अवैध वेंडर द्वारा ऊंचे दामों पर पानी की बिक्री की जा रही है, कुछ यात्रियों ने इसकी शिकायत किया। हालांकि पूछे जाने पर पता चला कि पानी की कीमत 20 ली जा रही है। वह भी वास्तविक कीमत से 5 रुपए ज्यादा था। जिसकी शिकायत पर स्टेशन चौकी प्रभारी ने बताया कि जानकारी मिली है और हम प्रयास कर रहे है कि अवैध वेंडर यहां पर न रहे और उचित कीमत पर ही चाय नाश्ता की बिक्री की जाए।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में दी गई विशेष जानकारी

मीरजापुर। म्योरपुर ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड़ की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई। मुख्य अतिथि दुद्धी विधायक विजय सिंह गोड़ व वाराणसी एमएलसी आशुतोष सिन्हा का ब्लॉक प्रमुख व खण्ड विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह ने अंगवस्त्र भेंटकर स्वागत किया। एडीओ पंचायत अजय कुमार सिंह ने पुरानी कार्यवाही सुनाते हुए बीते वर्ष में हुए विकास कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान कृषि, पशुपालन, स्वास्थ्य, खाद्य व विकास विभाग के अधिकारियों ने अपने विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दिया। बैठक में बिजली विभाग के अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने नाराजगी जताई। मुख्य अतिथि ने कहा कि क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या पेयजल व बिजली है और जब उसी के अधिकारी बैठक में नहीं आएंगे तो जनप्रतिनिधियों की समस्या का समाधान कैसे हो पायेगा।

रोडवेज परिसर पहुंचकर डीएम ने यातायात व्यवस्था का लिया जायजा

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र के द्वारा रोडवेज परिसर पहुंचकर यातायात व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए रोडवेज डिपो के परिचालक तथा यात्रियों श्रद्धालुओं में निःशुल्क बिस्कुट, चाय-पानी का वितरण कराया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा स्वयं भी श्रद्धालुओं को बिस्कुट और पानी वितरित किया गया। जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं से कहा कि आप सब हमारे अतिथि है आप लोगों को महाकुम्भ में स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन भी जनपद में लाखों श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पानी, शौचालय की व्यवस्था की गयी थी। उन्होंने चालक, परिचालकों के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी दिव्य भव्य महाकुम्भ में सार्थकतापूर्ण कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को गन्तव्य तक ले जा रहे है, इस सेवा कार्य में आप सभी का सहयोग सराहनीय है। इस दौरान जिलाधिकारी के द्वारा अपील किया गया कि वाहन चालक यातायात के नियमों का पालन करें। बसे हमेशा निर्धारित लेन में संचालित करे। ओवरटेक न करे और संयम रखते हुए सभी यात्रियों को सुगमता के साथ यात्रा कराने में अपना सहयोग प्रदान करें। इस दौरान उन्होंने रोडवेज पर मौजूद दर्शनार्थी के परिवार को कंबल भी वितरित किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, ज्वांइट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर, नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह, उप जिलाधिकारी सदर पवन सिंह, एआरएम रोडवेज ममता चौबे, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सहित आदि रहे।

संपादकीय

रेवड़ियों पर केंद्रित होता दिल्ली चुनाव

देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेबड़ी बांटने की प्रतिस्पर्धा सी चलती दिखाई दे रही है। इससे ऐसा लगता है कि अब दिल्ली राज्य की सत्ता तक पहुँचने का मार्ग केवल रेबड़ी ही है। दिल्ली राज्य के लिए होने वाले चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए लोक लुभावन तरीके से अपने पिटारे से रेबड़ी बांटने की योजना जनता के बीच बता रहे हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी तो पहले से ही अपने पिटारे को खोलकर बैठी है। अब इसमें कांग्रेस और भाजपा भी अपने कदमों को उसी ओर बढ़ाने की ओर प्रवृत हुई है, जिस ओर आदमी पार्टी जाती रही है। लेकिन एक तथ्य ध्यान देने योग्य माना जा सकता है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनावों से इस राह पर चल रही है। मुफ्त में देने के वादे करना एक प्रकार से आम आदमी पार्टी की फितरत ही बन गई है। इससे अलग अपेक्षा भी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल इस बार यह पूरा विश्वास है कि इस बार भी बाजी उन्हीं के हाथ लगेगी।

वर्तमान में दिल्ली राज्य के लिए हो रहे चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से जो स्वर मुखरित हो रहे हैं, उन स्वरों में केवल रेबड़ी की ध्वनि ही गुंजायमान हो रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली की जनता रेबड़ी लूटने की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेबड़ी स्वार्थ की पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा। इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का एक माध्यम भी माना जा सकता है, क्योंकि जनता को मुफ्त में खजाना लुटाना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं माना जा सकता। क्योंकि इसका बोझ उस समाज पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते। हालांकि सरकार द्वारा आम जनता का ध्यान रखना चाहिए, लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना के अलावा अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा। नहीं तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि यही योजनाएं विकास की योजनाएं न होकर विनाशकारी मार्ग तैयार कर सकती हैं।

दिल्ली में एक दशक पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी का गठन कर दिया और लोक लुभावने वादे करके आम जनता का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके दिल्ली के सिंहासन को अपने कब्जे में ले लिया। इस चुनाव में बहुकोणीय मुकाबला होने की झलक दिखाई दे रही है। आम आदमी पार्टी ने गठबंधन को धता बताकर अपने आपको फिर से मैदान में उतारा है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेता अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार करने का आरोप है। साथ ही ऐसा कहना भी समुचित ही होगा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। एक समय सुविधाओं को त्याग कर राजनीति करने की कसम खाने वाले केजरीवाल की जीवनशैली सुविधामय होती दिखाई दे रही है। शीशमहल के नाम से भाजपा द्वारा प्रचारित किए गए उनके आवास में लकजरी सुविधाएं हैं। जो उनके कथन से कतई सरोकार नहीं रखती। ऐसे में यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि इस बार केजरीवाल की राह उतनी आसान नहीं कही जा सकती, जो पहले थी। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। केजरीवाल जमानत पर बाहर हैं। वे दोष मुक्त नहीं हुए। उनका मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर प्रतिबन्ध उसी समय लगा दिया है, जब वे मुख्यमंत्री थे, ऐसी स्थिति में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे, इसकी गुंजाइस भी नहीं है।

आम आदमी पार्टी के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह भी है कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा बहुजन समाज पार्टी और औवेसी की पार्टी भी मैदान में है। यह दोनों राजनीतिक दल जितने प्रभावी होंगे, उसका खामियाजा आप आदमी पार्टी को ही होगा। एक गणित यह भी है कि पिछले चुनाव में अंदरूनी तौर पर कांग्रेस पार्टी का समर्थन आम आदमी पार्टी को मिला था, लेकिन इस बार पूरी गंभीरता के साथ कांग्रेस चुनावी मैदान में है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केजरीवाल के समक्ष वजनदार प्रत्याशी उतार कर यह संदेश तो दिया ही है कि इस बार केजरीवाल की पार्टी आसानी से विजय प्राप्त नहीं करेगी। क्योंकि बसपा और औवेसी के आने से केजरीवाल की पार्टी को मुस्लिम और दलित मतों की प्राप्ति में कमी हो सकती है और कांग्रेस का मूल वोटर इस बार कांग्रेस को ही वोट देगा। आम आदमी पार्टी के साथ यह विसंगति जुड़ती जा रही है कि वह गठबंधन का हिस्सा केवल उन राज्यों में है, जहाँ आम आदमी पार्टी का अस्तित्व नहीं है। जहाँ केजरीवाल की पार्टी का अस्तित्व है, वहां गठबंधन के मायने बदल जाते हैं। इसका तात्पर्य यही है कि केजरीवाल स्वार्थ सिद्धि के लिए ही गठबंधन करते हैं। यह बात सही है कि केजरीवाल को अब राजनीति की समझ आ गई है। वे एक चतुर राजनीतिक नेता की तरह चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन विपक्ष की एकता के सपने को चकनाचूर कर रहे हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक गठबंधन में दरार आने का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ रहे हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि गठबंधन अब बिखरने की ओर है। खैरङ्ख मूल विषय रेबड़ी का है। मुफ्त की रेबड़ी बांटना निश्चित ही इस बात की ओर संकेत करता है कि आज राजनीतिक दलों ने आम जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोई है, इसीलिए चुनाव जीतने के जनता को प्रलोभन देकर वोट कबाड़ने की राजनीति की जा रही है। अब देखना यह है दिल्ली का सिंहासन किसका इंतजार कर रहा है। फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल ही हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी और इसका प्रभाव भी हो सकता है। लेकिन फिर वही बात... क्या रेबड़ी के सहारे ही इस बार भी दिल्ली की सरकार बनेगी।

– सुरेश हिंदुस्तानी

हिंसा समय और समाज में जीने को अभिशप्त

रविभूषण

हिंसा सर्वत्र क्यों है? घर में, अड़ोस-पड़ोस में, गली-सड़कों पर, संस्थाओं-संस्थानों में उसकी आज जैसी उपस्थिति पहले कभी नहीं थी। क्या हिंसा की एक संस्कृति विकसित हो रही है? हिंसा के साथ संस्कृति और संस्कृति के साथ हिंसा को जोड़कर देखने-समझने की प्रवृत्ति अधिक पुरानी नहीं है। फ्रांसिस बार्कर की पुस्तक 'द कल्चर ऑफ वायलेंस : एस्सेज ऑन ट्रेजेडी एंड हिस्ट्री' तीस-इकतीस वर्ष पहले (1993) में प्रकाशित हुई थी। संस्कृति के साथ हिंसा को जोड़कर देखने की पहल नयी है। हिंसक कृत्यों को कोई संस्कृति स्वीकार ही नहीं, मंजूर भी कर सकती है, ऐसा हम बहुत पहले नहीं सोचते थे। गांधी का सत्य और अहिंसा में विश्वास था। वे आजीवन इसे थामे रहे, पर उनके ही देश में झूठ और हिंसा की ऐसी व्यापकता होगी, किसी ने नहीं सोचा था। पश्चिमी समाज और संस्कृति में पिछली शताब्दी में ही हिंसा की अवधारणा मौजूद थी। एशियाई समाज की तुलना में यूरोपीय समाज में हिंसा अधिक रही है। बीसवीं शताब्दी में ही दो-दो विश्वयुद्ध हुए। बुद्ध और गांधी के देश में आज हिंसा की व्याप्ति-अतिव्याप्ति क्यों है? क्या है इसका कारण?

अहिंसा का संबंध आध्यात्मिक विकास से है और हिंसा का भौतिक-तकनीकी विकास से। भौतिक शक्ति, भौतिक सामर्थ्य, अंधाधुंध विकास, तकनीक, कृत्रिम मेधा से हिंसा का संबंध है। हिंसा का शक्ति और ताकत से संबंध है। उसका अब केवल स्थूल और प्रत्यक्ष रूप नहीं है। वह अब सूक्ष्म और अप्रत्यक्ष रूप से हमारे चारो ओर मौजूद है। हिंसा का निजीकरण और भूमंडलीकरण से भी संबंध है। हिंसा के सहारे पूंजी फनफना रही है। आज हिंसा का सर्वमान्य लक्षण नहीं है। अब उसके नये-नये रूप हैं, जिन्हें हम देख नहीं पाते। रामचन्द्र शुक्ल ने 'भाव या मनोविकार' निबंध में 'समस्त मानव-जीवन का प्रवर्तक' 'भाव या मनोविकार' को माना है। हिंसा भी एक मनोविकार है, एक मानवीय व्यवहार है, जिसका उद्देश्य लोगों को चोट पहुंचाना, घायल करना और मारना है। यह प्रत्यक्ष हिंसा है। हिंसा के विविध रूपों में शारीरिक हिंसा सर्वाधिक प्रमुख रूप है, पर यह कल की बात है। आज की बात यह है कि खून की एक बूंद तक नहीं गिरती और हिंसा हो जाती है। हिंसा अब अपने विविध रूपों में है। हत्यारा अब हत्यारा दिखाई नहीं देता। 'भाईचारा' कविता में मंगलेश ने लिखा है - "हत्यारे से मिलो/तो वह कहता है किसने कहा/मैं हूँ हत्यारा/मैं सदा चाहता हूँ/सबमें भाईचारा।" अब हत्यारों की भाषा और पोशाक सब बदली हुई है।

दुनिया के लगभग 200 देशों में से मात्र आठ-दस देश-आइसलैंड, डेनमार्क, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, सिंगापुर, पुर्तगाल, स्विट्जरलैंड और नार्वे ही हिंसा मुक्त देश क्यों है? जिस देश में अहिंसा का स्वर गूंजता रहा, वहां हिंसा कैसे प्रमुख हो गयी? इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन इन्स्टीट्यूट फॉर इकोनामिक एंड पीस (आईईपी) ने भारत को दुनिया के 20 सर्वाधिक अशान्त और हिंसक देशों में शामिल किया है। विश्व शान्ति सूची (वर्ल्ड पीस इंडेक्स) की वार्षिक रिपोर्ट में 163 देशों में भारत का स्थान 143वां है। वह अपने पड़ोसी राज्यों- अफगानिस्तान और पाकिस्तान से आगे है, बेहतर है, पर नेपाल, श्रीलंका, भूटान आदि से पीछे है। यह विचारणीय है कि विकास, धर्म, तकनीक, कॉरपोरेट आदि से हिंसा का सम्बन्ध है या नहीं? विगत तीन-चार दशक में भारत ही नहीं, पूरी दुनिया भी बदल चुकी है। हिंसा के नये-नये रूप निर्मित और विकसित हुए हैं। जर्मन-अमेरिकी इतिहासकार हन्ना अरेंड्ट (14.10.1906-4.12.1975) ने 1969 में जब 'ऑन वायलेंस' पुस्तक लिखी थी, उसमें और उसके बाद के पचास-पचपन वर्ष में हिंसा पर लिखी गयी पुस्तकों में अंतर है। समय बदला तो हिंसा का रूप भी बदला। समाज भी बदला। मनुष्य के आपसी व्यवहार में भी परिवर्तन आया। अब हिंसा के अनेक रूप हैं। शारीरिक हिंसा के अतिरिक्त मनोवैज्ञानिक हिंसा, यौन हिंसा, भावनात्मक हिंसा, सांस्कृतिक हिंसा, मौखिक एवं वित्तीय दुर्व्यवहार, उपेक्षा, साइबर स्टाकिंग, साइबर बुलिंग, पारस्परिक हिंसा, सामूहिक हिंसा, स्वनिर्देशित हिंसा आदि। साम्प्रदायिक, धार्मिक, कैम्पस हिंसा भी है। अब साइबर अपराधों की एक नयी श्रेणी भी आ गई है, जिसमें किसी व्यक्ति को इंटरनेट या किसी अन्य इलेक्ट्रानिक माध्यम से परेशान किया जाता है। भयभीत करना भी एक प्रकार की हिंसा है। पूंजी ने, बाजार ने, तकनीक एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों ने मानव-व्यवहार में परिवर्तन ला दिया हे, जो ऊपर से शिष्ट एवं शालीन दिखाई देने के बाद भी उससे एकदम भिन्न है। हिंसा में केवल न तो मृत्यु होती है और न हम शारीरिक रूप से घायल होते हैं। भावनात्मक एवं मानसिक रूप से हमें जिस प्रकार प्रभावित कर एक विशेष प्रकार की मनोदशा में लाया जाता है, वह भी हिंसा के ही अंतर्गत है।

हिंसा को नियंत्रित करने के लिए केवल एक वर्ष में सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये खर्च किये हैं, पर राज्य स्वयं हिंस्त्र बन जाता है और वह भी अपने नागरिकों के प्रति, इस पर अधिक विचार नहीं किया जाता। 1984 में इन्दिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में जिस तरह सिखों का संहार हुआ क्या वह राज्य समर्थित नहीं था? 2002 का गुजरात नरसंहार राज्य प्रायोजित था। राज्य (स्टेट) का कार्य हिंसा रोकना है, न कि हिंसा के लिए एक समुदाय विशेष को प्रेरित-प्रोत्साहित करना। गांधी की हत्या केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं थी, वह मूल्यों, विचारों, आदर्शों, सिद्धान्तों, सत्य और अहिंसा की भी हत्या थी। वह सही अर्थों में रामभक्त की हत्या थी। रघुवीर सहाय की कविता 'रामदास' में पात्र के नामकरण पर ध्यान दें। रामदास की हत्या एक व्यक्ति की हत्या के साथ ही, एक मनुष्य, एक भारतीय नागरिक और राम के सेवक की भी हत्या है। हिंसा अब केवल व्यक्ति की ही नहीं, समुदाय के साथ विविध रूपों में विचारों, स्थापनाओं, मूल्यों और अवधारणाओं की भी हो रही है। हिंसा अब मात्र घटना नहीं है। वह हमारे समय की एक प्रमुख प्रवृत्ति भी है। हिंसा का अब सोशल मीडिया, तकनीक, नयी और द्रुत प्रौद्योगिकी, नव उदारवादी अर्थव्यवस्था, बाजार और कॉरपोरेट पूंजी से संबंध है।

नार्वेजियन समाजशास्त्री, 'जर्नल ऑफ पीस रिसर्च' (1964) और 'पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ओस्लो' (1959) के संस्थापक जोहार गाल्टुंग (24.10.1930-17.2.2024) ने अपने लेख 'हिंसा, शांति और शांति अनुसंधान' (1969) में हिंसा का एक रूप 'संरचनात्मक हिंसा' (स्ट्रक्चरल वायलेंस) गढ़ा था। संरचनात्मक हिंसा सामाजिक अन्याय से जुड़ी है। गाल्टुंग के अनुसार संरचनात्मक हिंसा 'मौलिक मानवीय आवश्यकताओं की एक परिहार्य हानि' है। हिंसा की कई श्रेणियाँ हैं। पहली श्रेणी 'शारीरिक विनाश' से हम सब परिचित हैं। गाल्टुंग ने गरीबी को (बुनियादी मानवीय जरूरतों से वंचित होना) दूसरी श्रेणी में रखा है। वे हिंसा की तीसरी श्रेणी में 'दमन' को रखते हैं। दमन अर्थात? मानव अधिकारों से वंचित किया जाना। 'अलगाव' उनके अनुसार हिंसा की चौथी श्रेणी है, जिसमें हम उच्च आवश्यकताओं से वंचित रहते हैं। हिंसा के जितने रूप और स्तर हैं, उन सब पर हमारा ध्यान नहीं जाता। अपनी पुस्तक- श्रृंखला 'वायलेंस' से प्रसिद्ध-चर्चित, मनोविज्ञान, हिंसा और अपराध के विशेषज्ञ जेम्स गिलिगन ने 'हिंसा' को एक 'घातक महामारी' के रूप में देखा है। 'हिंसा' से संबंधित उनकी कई पुस्तकें हैं - 'हिंसा हमारी घातक महामारी और इसके कारण' (1996), 'हिंसा : एक राष्ट्रीय महामारी पर चिंतन' (1997), 'हिंसा : हमारी सबसे घातक महामारी पर विचार' (1999) 'हिंसा : एक पश्चिमी महामारी पर विचार' (2000) और 'हिंसा की रोकथाम' (2001)।

क्या पर्यावरणीय हिंसा के लिए सरकार की नीतियाँ, पूंजीवाद और कॉरपोरेट जिम्मेदार नहीं है? हिंसा एक प्रवृत्ति है, जो सर्वत्र, फैल चुकी है। वह व्यक्ति के अलावा समुदाय में है, सरकार में भी है। आज राज्य हिंसा (स्टेट वायलेंस) कम नहीं है। बुलडोजर हिंसा अब प्रसिद्ध है। सान्तना खनिकर की पुस्तक 'स्टेट, वायलेंस एंड लेजिस्टेमेसी इन इंडिया (2018) के प्रकाशन का अधिक समय नहीं बीता है। अब हम भौतिक रूप से ही नहीं भावनात्मक और मानसिक रूप से घायल होते हैं। हिंसा अनेक रूपों में नये-नये रूपों में फैल रही है। मानसिक अशान्ति अब कहीं अधिक है। हिंसा का भय से संबंध है। विगत दस वर्ष में भय कहीं अधिक फैल चुका है।

हिंसा लोकतंत्र और संविधान को भी घायल कर रही है। राजनीति ने हिंसा को बढ़ावा दिया है उसने, उसकी नीतियों ने हिंसा की संस्कृति विकसित की है। सांस्कृतिक हिंसा आज अधिक फैल रही है, जिसने प्रत्यक्ष और संरचनात्मक हिंसा को वैध बनाने का कार्य किया है। हिंसा को वैध बनाने के लिए सांस्कृतिक हिंसा संस्कृति के किसी भी पहलू का इस्तेमाल करती है। भारत में हिंसा की संस्कृति अथवा सांस्कृतिक हिंसा के विकास का समय बहुत पुराना नहीं है।

आरएसएस एक सांस्कृतिक संगठन है, हिन्दू राष्ट्रवादी, अर्धसैनिक, स्वयंसेवक संगठन, भाजपा का पैतृक संगठन। भाजपा की सरकार 2014 से केन्द्र में कायम है। हिन्दू धर्म का हिंसा से आज जैसा संबंध पहले नहीं था। हिंसा का सत्ता से, ताकत से संबंध है, विकास से भी है। भारत की राज्यसत्ता ताकत के बल पर विकास की नीतियों को लागू कर रही है। वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रानिक माध्यमों ने भी हिंसा को अधिक बढ़ावा दिया है। टीवी पर युद्ध, हत्या, बमबारी के दृश्य आदि दिखाने से हमारी संवेदनशीलता छीजती है। हम हत्या के दृश्य देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं, हमारी संवेदना मर जाती है और हत्या की संस्कृति फैलती चलती है। राजनीतिक शक्ति का हिंसा से प्रत्यक्ष संबंध है। राजनीतिक शक्ति प्राप्ति करने के लिए अब हिंसा भी एक माध्यम है।

हिंसा अब केवल व्यक्ति की ही नहीं, समुदाय विशेष की भी शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक एकता को खतरे में डालने वाला कृत्य है। पर्यावरणीय, राजनीतिक एवं संरचनात्मक हिंसा के लिए जिम्मेदार है पूंजीवाद। आज का पूंजीवाद कल के पूंजीवाद से भिन्न है। औद्योगिक पूंजीवाद के दौर में हिंसा का स्थूल रूप था। उसका सूक्ष्म रूप बाद में विकसित हुआ है। आज हिंसा जितना दृश्य रूप में है, उससे कहीं अधिक अदृश्य रूप में है। माहौल हिंसा से भरा है, पर आवश्यक नहीं है कि हत्यारा उपस्थित भी हो। हत्यारे की उपस्थिति अब अधिक अर्थ नहीं रखती। तकनीक ने हत्या के कई रूप विकसित किये हैं। उन्नत तकनीक और इलेक्ट्रानिक विकास के पूर्व हिंसा पर अधिक विचार नहीं होता था। इक्कीसवीं शताब्दी में यह विचार कहीं अधिक हो रहा है। भारत में मुसलमानों और दलितों के प्रति हिंसा एक सामान्य बात है। धार्मिक, जातीय और नस्लीय हिंसा कम नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध की ओर हमारा जितना ध्यान जाता है, उतना मणिपुर में कूकी और मैतेयी समुदाय पर नहीं जाता। बाबरी मस्जिद ध्वंस को हम हत्या के रूप में कम देखते हैं, जबकि वह आपसी भाईचारे की, हिन्दू-मुस्लिम एकता की और धर्म निरपेक्षता की भी हत्या थी। वह एक अर्थ में भारत (भा+रत) की भी हत्या थी।

हिंसा का आज राजनीति और अर्थनीति से भी संबंध है। सत्ता की हिंसा, बाजार की हिंसा, सांस्कृतिक हिंसा, सामाजिक हिंसा, राजनीतिक हिंसा, आर्थिक हिंसा, सब एक दूसरे के साथ हैं, सहयोगी हैं। जिस देश में साधु-संन्यासी, नेता, मंत्री हिंस्त्र भाषा का प्रयोग करें, एक नेता खुले मंच से 'देश के गद्दारों को/गोली मारो सालों को' बोलकर भीड़ को गोली मारने, हत्या करने को प्रेरित करें, हम समझ सकते हैं कि हमारा समय और समाज कैसा बना दिया गया है? मंगलेश ने 'वर्णमाला' कविता (2019) में लिखा है - "आततायी छीन लेते हैं हमारी पूरी वर्णमाला/वे भाषा की हिंसा को बना देते हैं/एक समाज की हिंसा/ह को हत्या के लिए सुरक्षित कर दिया गया है/हम कितना ही हल और हिरन लिखते रहें/वे ह से हत्या लिखते रहते हैं हर समय।" हत्या पहले व्यक्ति, समुदाय और राष्ट्र तक थी। अब वह मूल्यों, विचार दृष्टियों तक फैल चुकी है। उसका साफ संदेश है- चुप रहने का, भयभीत होने का संदेश। तर्क विद नरेन्द्र दाभोलकर, कन्नड़ वचन साहित्य के विद्वान कलबुर्गी, सक्रियतावादी लेखक गोविन्द पानसारे और प्रसिद्ध पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या सनातन धर्म वालों ने की। संदेश साफ था।

ये सामान्य हत्याएँ नहीं थीं। क्या जेएनयू जैसी प्रतिष्ठित संस्था की हत्या नहीं हुई है? 'हत्या' अब अपने सामान्य अर्थ से अलग जो अनेक अर्थ उत्पन्न कर रही है, उसे देखा जाना चाहिए। देखना तो यह भी चाहिए कि मस्तिष्क का जो भाग 'हाइपोथैलेमस' हिंसा में शामिल होता है, वह आज की तरह पहले भी था या उसमें कोई बदलाव आया है? समय और समाज को ठीक करने वाली शक्तियाँ, हिंसा से उबारने वाली शक्तियाँ कहाँ हैं? जिसने हिंस्त्र समय और समाज की रचना की है, वे सब एकजुट हैं और कहीं अधिक शक्तिशाली भी। इन्हें परास्त कैसे किया जाए? समय और समाज को हिंसमुक्त कैसे किया जाय? यह कार्य राजनीति करेगी या संस्कृति? नेता-अभिनेता करेंगे या बौद्धिक विचारवान व्यक्ति? क्या इसके लिए हमें 'शक्ति की मौलिक कल्पना' करनी होगी?

भगदड़ से सबक और भीड़ प्रबंधन की दरकार

सुनील तिवारी

प्रयागराज में चल रहे महाकुम्भ में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग असामयिक मौत के शिकार हो गये और सैकड़ों लोग घायल हो गये। समागम स्थलों पर भगदड़ और मौत के तांडव का यह कोई पहला मामला नहीं है। अभी कुछ दिन पूर्व ही आन्ध्र प्रदेश के तिरुपति के बैकुंठ द्वार में टिकेट केंद्र के पास भगदड़ मचने से कई लोगों की जान चली गई थी। इसके पहले 6 माह पूर्व भी उत्तर प्रदेश के हाथरस में नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग में भगदड़ मचने से सैकड़ों लोक काल के गाल में समा गए थे।

भारत में धार्मिक आयोजनों के दौरान इस तरह की घटनाएं होना आम बात हो गई है। अगर इस तरह की घटनाओं की लिस्ट बनाई जाए तो वह बहुत लंबी हो जायेगी। इस तरह की अक्सर होने वाली घटनाओं की रोकथाम के लिए संभावित उपायों पर प्रशासन की गंभीरता पर यह घटना प्रश्नचिह्न लगाती है। सवाल यह उठता है कि इन दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति क्यों होती है? क्या हम पूर्व में हुई घटनाओं से कुछ नहीं सीखते हैं? क्यों इसका खामियाजा लोगों को अपनी जान देकर भुगतना पड़ता है? निश्चित तौर पर छोटी सी लाहपरवाही लोगों की जिदंगी को ले डूबती है। चारों तरफ जय-जयकार की ध्वनि की बजाय हाहाकार की चीख पुकार सुनाई पडने लगती है। अफरा-तफरी में कई बच्चे, महिलाएं और वृद्ध भीड़ के पैरों तले कुचल दिये जाते है। दर्दनाक मौत का नजारा इससे भयानक और क्या हो सकता है? लेकिन सबक किसने लिया? न जनता ने, न आयोजको ने और न ही प्रशासन के आला आधिकारियों ने। इस त्रासदी के बाद एक बार फिर सवाल उठता है कि आखिर हम पुरानी घटनाओं से कोई सबक कब लेंगे। इन घटनाओं की आवृत्ति से यह बात भी सामने आती है कि आखिर क्यों हम इतनी भीड़ को बिना प्रशासन इक जिम्मेदारी के एकत्रित कर लेते हैं। इस मामले में आयोजकों को नियमों में क्यों नहीं बांधते? हर हादसे के बाद सरकार मुआवजा बांटती है, जांच बिठाती है, पर अपनी गलतियों को सुधारने का काम भूल जाती है। बार-बार के हादसों से भी हम सबक सीखने को तैयार नहीं हैं। यह इसलिए कहना पड. रहा है क्योंकि इस तरह की भगदड़ में सबसे कमजोर व्यक्ति की जान जाती है। फिर भी प्रशासन सोया रहता है। भारत विविध आस्थाओं एवं पर्वों वाला देश है, जहां समय-समय पर इस तरह की भीड़ जुटती है। इस तरह के पर्वों पर जुटने वाली भीड़ किसी के निमंत्रण पर नहीं आती और न ही इस बात का पूवार्नुमान लगाया जा सकता है कि उस स्थान पर कितने लोग जुटेंगे। जैसे ही पर्व-त्यौहार आते हैं, अपनी श्रद्धा के अनुसार लोग पहुंचने लगते हैं। इस तरह की घटनाओं को रोकने का सबसे अच्छा उपाय तो यही है कि ऐसे अवसरों पर उमड़ने वाली भीड़ को नियोजित और अनुशासित करने के प्रशासकीय उपाय किए जाएं। अच्छा हो प्रशासन वहां पहुंचने वाले लोगों के समुचित मार्गदर्शन की व्यवस्था करे। सतर्कता के आवश्यक उपाय सुनिश्चित करे। यह कदम हर उस समागम स्थल के लिए उठाए जाने चाहिए जहां आकस्मिक भीड़ उमड़ने की संभावना पर्व विशेष पर रहती है। आपदा प्रबंधन की आधुनिक तकनीक उपलब्ध होने के इस दौर में यह कोई कठिन काम नहीं है। राज्य एवं केंद्र के स्तर पर एकीकृत व्यवस्था का विचार भी किया जा सकता है। सिर्फ प्रशासन ही नहीं वहां पहुंचने वाले लोगों को भी अब अधिक सतर्क रहना चाहिए। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ असामाजिक तत्व इस तरह की भगदड़ मचाने का प्रयास करते हों ताकि उसका लाभ उठाया जा सके। प्रशासन की सतर्कता का एक नजरिया यह भी होना चाहिए। फिर भी ऐसी भीड़भाड़ में जानेववालों के लिए अपनी सुरक्षा के प्रति खुद सतर्क रहना आवश्यक है। व्यापक इतंजाम करने की जिम्मेदारी आयोजको से लेकर पुलिस प्रशासन की बनती है। आज धर्म और आस्था के नाम पर किसी विशेष त्यौहार व दिन के मौके पर, इन जगहों पर लोग भारी संख्या में जुटते हैं। आयोजकों, प्रशासको के अलावा एक जिम्मेदारी स्वयं भक्तों की भी होती है। उन्हें अफवाहों पर ध्यान न देकर धैर्य व संयम बनाये रखना चाहिए। ताकि भीड़ में किसी भी अनहोनी घटना से बचा जा सके। ये घटनाएं न हों इसके लिए हमें जिम्मेदार बनना होगा और हादसों से निपटने के लिए हर समय तैयार रहना पड़ेगा। ये त्रासदियां कोई प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि लापरवाही का नतीजा हैं। इसमें स्थानीय प्रशासन, धार्मिक संस्थान के प्रबंधन और भीड़ में शामिल लोगों की भूमिका होती है। भगदड़ मचने के जो कारण हो सकते हैं, वे सबको पता हैं। त्योहारों के दौरान धार्मिक स्थलों पर भारी भीड़ होना सामान्य सी बात है। भगदड़ मचने का खास कारण तो यही होता है कि किसी भी छोटे से स्थान विशेष पर हजारों और लाखों की संख्या में अनियंत्रित लोग एकत्रित हो जाते हैं। उन पर नियंत्रण रखने की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं होती।

ट्रंप की विजय भारत की चिंता

योगेश मोहन

दिल्ली की चुनावी चौसर

वर्ष 2025 का आगामी दिल्ली विधानसभा का चुनाव, महाभारत के शकुनी का स्मरण करा रहा है। इस चुनाव में जो भी पार्टी, मामा शकुनी की नीतियों के अनुरूप चलेगी, वो ही विजयश्री प्राप्त करेगी। जिसको मामा शकुनी की भांति गोटी खेलना आएगा वो ही दिल्ली का राजा बनेगा।वर्तमान में अरविन्द केजरीवाल के लिए दिल्ली के चुनाव में विजयश्री प्राप्त करना, उनके राजनीतिक अस्तित्व के लिए भी चुनौती है।

यदि वे दिल्ली के चुनाव में पराजित हुए तो सम्भवतया उनकी राजनीतिक छवि धूमिल हो जाएगी, परिणामस्वरूप उनकी पंजाब में भी पराजय निश्चित हो जाएगी। अब दिल्ली के विधानसभा चुनाव कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पाटी के मध्य एक त्रिकोणीय स्वरूप ले चुका है। यद्यपि दिल्ली मे कांग्रेस का वोट प्रतिशत मात्र 6-7 प्रतिशत ही है, यदि राहुल गांधी ने इसमें 12 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी, तो अरविन्द केजरीवाल के लिए दिल्ली की जीत दुर्लभ हो जाएगी। कांग्रेस पार्टी का यह मानना है कि अरविन्द केजरीवाल ने उनको गुजरात व हरियाणा के विधानसभा चुनावों में अत्यधिक क्षति पहुँचाई थी। इन प्रदेशों में कांग्रेस की पराजय का प्रमुख कारण यह था कि अरविन्द केजरीवाल ने अपनी अपरिपक्वता के कारण कांग्रेस को सत्ता प्राप्ति से दूर रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था।

परिणामस्वरूप कांग्रेस अपना प्रतिशोध लेने हेतु तत्पर है।यदि अरविन्द केजरीवाल के विगत 11 वर्षो के शासनकाल पर निष्पक्ष रूप से दृष्टिपात किया जाए तो कुछ तथ्य दृष्टिगोचर होते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली वालो के हितार्थ कितना कार्य किया। उनकी राजनीतिक गतिविधियों का बिन्दुवार विवरण निम्नवत हैं -

- वर्ष 2013 में अरविन्द केजरीवाल, लोकपाल की नियुक्ति हेतु संघर्षरत थे, परन्तु सम्पूर्ण शासनकाल मे वे लोकपाल की नियुक्ति नही कर पाये, नगर निगम के परीक्षण की मांग करते थे, परन्तु नही करा पाए।
- बिजली सस्ती करने का वचन पूर्ण नहीं हुआ, इसके विपरीत निरन्तर मँहगी होती चली गई।
- दिल्ली की जनता को पानी की निर्विघ्न आपूर्ति का आश्वासन दिया था और टैंकर माफिया को समाप्त करने का वचन दिया था। परन्तु वे इन दोनों ही वचन की पूर्ति करने में असफल रहें। इसके इतर उन्होंने 1000 पानी के अतिरिक्त टैकरों को लाइसेंस देकर स्वयं को संदेह के घेरे में ले आए।
- यमुना नदी को भी अपने वचन के अनुरूप स्वच्छ, पावन तथा निर्मल नहीं कर पाए। इसी के साथ-साथ कूड़े के ढेरों को हटाने का भी वचन पूर्ण नहीं कर पाए। अपितु कूड़े के ढेर पहाड़ सदृश हो गए।
- उन्होंने दिल्ली में 2 लाख सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण का वचन दिया था, परन्तु यह वचन भी अपूर्ण रहा और अतीत के गर्त में पहुँच गया।
- अरविन्द केजरीवाल जी शिक्षा के क्षेत्र में भी अत्यधिक प्रचार करते हैं, जिसके अन्तर्गत उन्होंने 500 स्कूलों के निर्माण का वचन दिया था, परन्तु अपने प्रथम कार्यकाल में 29 और द्वितीय कार्यकाल में मात्र 14 ही विद्यालय बना पाये।
- वे अपने 11 वर्षो के कार्यकाल में एक भी उच्च शिक्षा का विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय नही खोल पाए।
- प्रतिवर्ष 20 लाख बेरोजगारों को रोजगार देने का वचन तो उन्हें पूर्णतया विस्मृत हो गया है।
- राजनीति में प्रवेश करते समय उन्होंने यह प्रतिज्ञा ली थी कि वे सादा जीवन उच्च विचार के आदर्शों पर चलेंगे, परन्तु उन्होंने दोनो ही प्रतिज्ञा को विस्मृत करते हुए 34 करोड़ की धनराशि की आलीशान कोठी का निर्माण किया, जिसमें समस्त आधुनिक सुख सुविधाएं विद्यमान हैं।

इसके अतिरिक्त अन्य अनेकों आश्वासन उनके द्वारा जनता से किए गए, वे सब भी उनकी राजनैतिक महत्वाकांक्षा के कारण पूर्ण नहीं हो पाए और अब जनता के समक्ष उन्होंने अपने नए-नए वचनों का पीटारा खोल दिया है। यदि हम उनके कार्यकाल में हुए घोटालों की चर्चा करें तो उसकी भी एक लम्बी सूची बन सकती है। परन्तु इस समय के चुनावी वातावरण में राजनीति में हुए घोटालों की चर्चा करना उपयुक्त नहीं होगा। उनके गुरु अन्ना हजारे जी का भी दिल्ली की जनता के लिए यह संदेश है कि उनके शिष्य अरविन्द केजरीवाल से, उन्हें जो भी अपेक्षाएं थी, वे उन अपेक्षाओं की कसौटी पर पूर्णतया खरे नही उतरे।अन्त में अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक भाग्य का निर्णय तो दिल्ली की जनता को ही करना है। अब देखना यह है कि दिल्ली की चुनावी चौसर पर कौनसा राजनीतिक दल, शकुनी की भांति अपने पासे फेंकने में सफल होता है और दिल्ली के चुनावों को जीतकर अपनी विजयश्री की पताका फहराता है।

(वरिष्ठ पत्रकार और आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति)

संन्यास के बाद श्रीजेश को मिली नई जिम्मेदारी

हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम की दीवार कहे जाने वाले गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास ले लिया। हालांकि, अब भी वह टीम से जुड़े रहेंगे। शुक्रवार को हॉकी इंडिया ने दिग्गज खिलाड़ी को जूनियर पुरुष हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह अब युवा टीम को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करेंगे।

स्पेन को हराकर भारत ने जीता कांस्य : भारत ने गुरुवार को स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोधी टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी।

संन्यास के फैसले पर क्या बोले श्रीजेश? : शुक्रवार को श्रीजेश के संन्यास के बाद फैंस लगातार उनसे वापसी की मांग कर रहे थे। इसको लेकर उन्होंने कहा, ?यह विदा लेने का सही समय है। मुझे लगता है कि ओलंपिक खेलों से विदा लेने का यह सही तरीका है, एक पदक के साथ। हम खाली हाथ घर नहीं जा रहे जो बड़ी बात है। मैं लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं लेकिन कुछ फैसले कठिन होते हैं। सही समय पर फैसला लेने से हालात खूबसूरत हो जाते हैं। इसलिए मेरा फैसला नहीं बदलेगा। टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है और इस मैच को इतना यादगार बना दिया। टोक्यो में मिले पदक की मेरे दिल में खास जगह है। इससे हमें आत्मविश्वास मिला कि हम ओलंपिक में पदक जीत सकते हैं।

हॉकी इंडिया ने कांस्य पर खुशी जताते हुए इनाम घोषित किया : हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम के सभी सदस्यों को 15-15 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। भारतीय टीम ने यहां तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराया। हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया में लिखा, 'हॉकी इंडिया पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रुपए जबकि सहयोगी स्टाफ को साढे सात लाख रुपए का पुरस्कार देगा।

बता दें कि भारतीय टीम ने लगाता दूसरी बार कांस्य पदक जीता है। पिछले बार हुए टोक्यो ओलंपिक में भी भारतीय टीम ने कांस्य जीता था। इसी के साथ ही ओलंपिक में ये भारतीय हॉकी टीम का 13वां पदक है। भारतीय टीम ने ओलंपिक में अजंटीना, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को हराया था जबकि बेज्जियम से उसका मुकाबला बराबरी पर रहा था।

समापन समारोह में मनु के साथ पीआर श्रीजेश होंगे ध्वजवाहक

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के समापन समारोह में मनु भाकर के साथ भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश भारत के ध्वजवाहक होंगे। भारतीय ओलंपिक संघ ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईओए ने अपने बयान में कहा, 'पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ संयुक्त ध्वजवाहक के रूप में हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को नियुक्त करते हुए भारतीय ओलंपिक संघ को खुशी हो रही है।' भारत ने गुरुवार को स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता और इसके साथ ही श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। श्रीजेश लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन किया और विरोधी टीम के सामने दीवार बनकर खड़े रहे। स्पेन के खिलाफ कांस्य पदक मुकाबले में भी श्रीजेश ने अंतिम क्वार्टर में शानदार बचाव किए थे और उन्हें बढ़त लेने से रोका था। इस तरह टीम ने श्रीजेश को जीत के साथ विदाई दी। शुक्रवार को श्रीजेश के संन्यास के बाद फैंस लगातार उनसे वापसी की मांग कर रहे थे।

श्रीलंकाई क्रिकेटर जयविक्रमा पर लग सकता है प्रतिबंध

दुबई। श्रीलंकाई क्रिकेटर स्पिनर प्रवीण जयविक्रमा पर प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। जयविक्रमा पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भ्रष्टाचार रोधी आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। जयविक्रमा पर पर आरोप है कि उन्होंने मैच फिक्सिंग से जुड़ी पेशकश की जानकारी नहीं देने के साथ ही सबूतों को नष्ट करना शामिल है।

इस स्पिनर पर आरोप हैं कि उसने साल 2021 में अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ-साथ लंका प्रीमियर लीग के मैच फिक्स करने के लिए की गई पेशकश की जानकारी आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई को नहीं दी थी। आईसीसी ने अपने एक बयान में कहा, इस श्रीलंकाई स्पिनर पर कथित तौर पर भ्रष्ट पेशकश से जुड़े संदेशों को हटाने का आरोप है। आईसीसी ने इस खिलाड़ी को जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया है।

'नीरज मेरे बेटे की तरह है, उनके लिए दुआ मांगी'

चोपड़ा के जीतने पर बोली अरशद की मां

पेरिस। मां का प्यार दुनिया की सबसे गहरी और शक्तिशाली ताकतों में से एक है। गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में पाकिस्तान के अरशद नदीम के स्वर्ण और नीरज चोपड़ा के रजत जीतने के बाद दोनों की मां ने एक उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने उदाहरण स्थापित किया कि एक मां अपने बेटे की जीत का जश्न तो मनाती ही है, साथ ही प्रतिद्वंद्वी के लिए भी सर्वश्रेष्ठ की कामना करती है, खासकर तब जब दोनों अच्छे दोस्त भी हों। अरशद नदीम की मां ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक के फाइनल में अपने बेटे के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक का जश्न मनाया। वहीं, नीरज की मां सरोज ने कहा कि अरशद भी उनके बेटे की तरह हैं और वह उनके लिए खुश हैं। अब अरशद की मां की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। अरशद की मां ने कहा है कि वह नीरज को अरशद की तरह अपने बेटे के रूप में देखती हैं।

उन्होंने पाकिस्तानी समाचार चैनल से एक इंटरव्यू के दौरान कहा, 'वह (नीरज) भी मेरे बेटे की तरह है। वह नदीम का दोस्त है और उसका भाई भी। जीत और हार खेल का हिस्सा हैं। भगवान उन्हें आशीर्वाद दे और वह खूब पदक जीतें। वे भाइयों की तरह है। मैंने नीरज के लिए भी प्रार्थना की। नदीम को जो दुआएं दीं, उसके लिए मैं पूरे पाकिस्तान की शुक्रगुजार हूं।' नीरज और नदीम मैदान के बाहर काफी अच्छे दोस्त हैं, जबकि मैदान पर दोनोंचिर प्रतिद्वंद्वी हैं। नीरज ने कई मौकों पर नदीम की मदद भी की है।

नीरज-अरशद का रिश्ता : नीरज और अरशद के बीच की दोस्ती दुनियाभर में प्रसिद्ध है। दोनों का एक-दूसरे के प्रति आपसी सम्मान, प्यार को दुनियाभर में सराहना मिलती है। दोनों की मंओं ने भी अपने निस्वार्थ स्वभाव को प्रस्तुत किया और अपने-अपने बयान से सीमापार भी फैंस के दिल जीते हैं। इससे पहले नीरज की मां सरोज देवी ने कहा था- हम रजत पदक जीतकर खुश हैं। जिसे स्वर्ण मिला (अरशद नदीम) वह भी मेरा बच्चा है। अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा को हराकर ओलंपिक चैंपियन का खिताब जीता। अरशद ने गुरुवार को 92.97 मीटर के रिकॉर्ड तोड़ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ बैक-टू-बैक ओलंपिक पदक जीते। हालांकि, वह स्वर्ण से चूक गए। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण अपने नाम किया था। तब नदीम पांचवें स्थान पर रहे थे।

सेल्फी शेयर कर नताशा ने क्या लिखा, फैंस हैं हैरान

मुंबई। हार्दिक पांड्या-नताशा स्टेनकोविक ने जुलाई 2024 में अलग होने की घोषणा की। तलाक के बाद नताशा अपने बेटे के साथ अपने घर सर्बिया निकल गईं। अपने मायके पहुंचकर नताशा लगातार फोटो और वीडियो शेयर कर अपने फैंस को अपने और बेटे के बारे में अपडेट दे रही हैं। इस बीच नताशा ने एक नया पोस्ट लिखा है, जिसके कैप्शन में कुछ ऐसा लिखा है जो फैंस को हैरान कर रहा है। बता दें कि नताशा ने शुक्रवार को एक सेल्फी शेयर की। फोटो में वह कार में ट्रेवल करती दिख रही हैं।

फोटो को शेयर करते हुए लिखा, ईश्वर द्वारा निर्देशित, प्यार से घिरी हुई, कृतज्ञता में जी रही हूं। खुशी का अनुभव कर रही हूं। पंड्या और नताशा की मुलाकात साल 2019 में हुई थी। एक साल डेट करने के बाद दोनों ने मई 2020 में शादी की। बता दें कि दोनों एक शादी रचाने के बाद दूसरी बार फरवरी 2023 में हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों के अनुसार शादी के बंधन में बंधे थे। इस जोड़ी ने एक बेटे के रूप में अपने पहले बच्चे का भी स्वागत किया। हालांकि, उनका रिश्ता बहुत ज्यादा नहीं चल सका और जुलाई 2024 में दोनों ने अपने अलग होने की पुष्टि की। बहरहाल उन्होंने तलाक की घोषणा कर दी जिससे फैंस हैरान रह गए थे। हार्दिक पांड्या ने एक पोस्ट करते हुए लिखा, चार साल साथ रहने के बाद, नताशा और मैंने आपसी सहमति के बाद अलग होने का फैसला लिया है। हम दोनों ने एकसाथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और इसमें अपना सबकुछ लगाया और हमारा मानना है कि यह हम दोनों के लिए हितकारी है। हमारे लिए यह एक कठिन निर्णय था, उस खुशी, आपसी सम्मान और सहयोग को देखते हुए जिसका हमने एकसाथ आनंद उठाया। जैसे-जैसे हमारा परिवार बढ़ा। वैसे हार्दिक और नताशा ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा है कि अपने बेटे अगस्त्य का पालन साथ मिल कर ही करेंगे।

पीएम ने पदक विजेता नीरज चोपड़ा से की बात

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भारत को रजत पदक दिलाने वाले स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा से शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी ने बात की। उन्होंने दिग्गज खिलाड़ी को बधाई दी और उनकी चोट पर अपडेट लिया। इस दौरान पीएम ने नीरज की मां की खेल भावना को भी सराहा। प्रधानमंत्री ने फोन कॉल के दौरान कहा, आपने देश को फिर से गौरवान्वित किया है। देर रात 1 बजे भी लोग आपको एक्शन में देख रहे थे, उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे थे। उन्होंने फिटनेस संबंधी समस्याओं के बावजूद लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। इसके लिए पीएम ने उनकी सराहना की। नीरज ने बताया कि चोटों के कारण वह खुद को पूरी तरह से तैयार नहीं कर पाए। उन्होंने कहा, मैं इन परिस्थितियों में भी अपने देश के लिए पदक जीतकर खुश हूं। खेल में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा दूसरी बार ओलंपिक में पदक जीतने में कामयाब हुए।

विनेश के समर्थन में आए सचिन

भारतीय पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर महिला पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में आए हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दिया गया था। विनेश ने फाइनल में पहुंचकर देश के लिए रजत पदक कर दिया था, लेकिन उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था। हालांकि, मैच से पहले ही उन्हें अयोग्य करार दिया गया। विनश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है।

सचिन ने विनेश को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। तेंदुलकर ने कहा कि खेलों में नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिए। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, हर खेल के कुछ नियम होते हैं और उन नियमों को संदर्भ में देखने की जरूरत है, शायद कभी-कभी उन पर दोबारा गौर भी किया जाना चाहिए। विनेश फोगाट ने निष्पक्षता से फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। वजन के आधार पर उसकी अयोग्यता फाइनल से पहले हुई थी और ऐसे में उससे रजत पदक छीन लिया जाना तर्क और खेल की समझ से परे है। मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि अगर खिलाड़ी अनैतिक चीजों का इस्तेमाल करे तो उसे अयोग्य करना जायज है लेकिन विनेश के मामले में ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, यह समझ में आता अगर किसी एथलीट को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग जैसे नैतिक उल्लंघनों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाता। उस स्थिति में, किसी भी पदक से सम्मानित न किया जाना और अंतिम स्थान पर रखा जाना उचित होगा। विनेश ने शीर्ष दो में पहुंचने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वियों को हराया। वह निश्चित रूप से रजत पदक की हकदार है। हम सभी खेल पंचाट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद और प्रार्थना करें कि विनेश को वह पहचान मिले जिसकी वह हकदार है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फ्लर्ट

वीडियो वायरल : मॉडल ने बाद में मांगी माफी, सॉरी कियारा

मुंबई। हाल ही में एक फैशन शो में सिद्धार्थ मल्होत्रा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। दिल्ली में शांतनु और निखिल के लिए रैंप वॉक करते हुए, अभिनेता लगभग उदासीन लग रहे थे, जबकि उनकी साथी मॉडल रैंप पर उनके साथ फ्लर्टी पोज दे रही थी। अब, उनके साथ चलने वाली मॉडल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर उनकी पत्नी, अभिनेत्री कियारा आडवाणी से माफी मांगी है।

मॉडल एलिसिया कौर ने शो के बाद अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रैंप से कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। एक तस्वीर में मॉडल सिद्धार्थ को अपने पास पकड़े हुए दिख रही हैं, उन्होंने लिखा, #सॉरीकियारा। उन्होंने एक मीम भी शेयर किया जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 365 दिनों के रीमेक के लिए याचिका का सुझाव दिया गया था, जिसमें लिखा था, यह हमारा काम है।

शो में सिद्धार्थ और एलिसिया के वॉक करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। कोरियोग्राफी के दौरान उन्हें उनका कॉलर खींचते हुए देखा जा सकता है। रैंप पर पोज देते समय सिद्धार्थ ने उन्हें अपने करीब भी रखा। शो में सिद्धार्थ ने गोल्ड डिटेलिंग के साथ ब्लैक टक्सीडो पहना हुआ था। प्रशंसकों ने वीडियो के नीचे मजेदार कमेंट किए थे, कुछ ने आश्चर्य जताया कि कियारा इस सब पर क्या प्रतिक्रिया देंगी। शो में सिद्धार्थ की मां और भाई भी मौजूद थे, जिसमें कई तरह के रेट्रो आउटफिट्स में मॉडल्स ने हिस्सा लिया। शो की शुरूआत अभिनेत्री जीनत अमान की शानदार प्रस्तुति से हुई; अभिनेत्री-गायिका सबा आजाद ने एक लाइव परफॉर्मेंस के साथ माहौल को और भी बेहतर बना दिया। नसीरुद्दीन शाह और रत्ना पाठक शाह के बेटे इमाद शाह ने सबा के मंच पर आने पर बैकग्राउंड में गिटार बजाया। सिद्धार्थ को आखिरी बार योद्धा में देखा गया था, जो इस साल की शुरूआत में रिलीज हुई थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया। अभिनेता ने अभी तक अपनी आगामी परियोजनाओं की घोषणा नहीं की है। हालाँकि, अफवाह है कि उन्होंने मिट्टी नामक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शेरशाह के बाद अगर उन्हें सही स्क्रिप्ट मिलती है तो वह कियारा के साथ फिर से काम कर सकते हैं।

शाहरुख स्विजटरलैंड रवाना लोकेरनो फिल्म महोत्सव में मिलेगा 'कॅरियर अचीवमेंट'

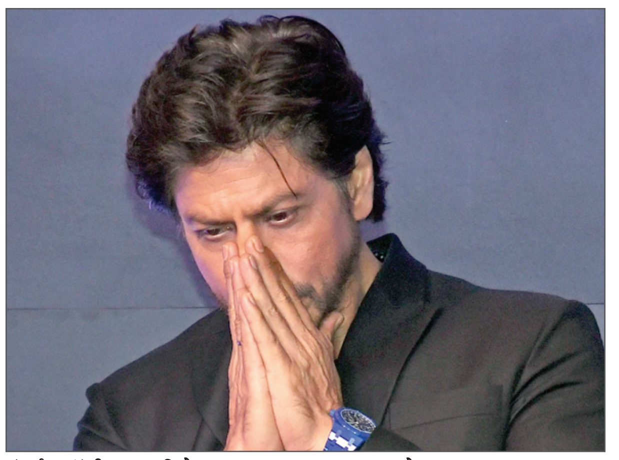

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान 77वें लोकेरनो फिल्म महोत्सव में भाग लेने के लिए शुक्रवार को स्विटजरलैंड रवाना हो गए, जहां उन्हें करियर अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें लोकेरनो के पियाजा ग्रैंड में 10 अगस्त को यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। खान (59) को यात्रा से पहले मुंबई हवाई अड्डे पर देखा गया। वर्ष 2010 में शुरू किया गया ह्यकरियर अवार्डह्व सिनेमा में योगदान के लिए एक या एक से अधिक हस्तियों को दिया जाता है।

प्रजाक्ता ने ओलंपिक में रचा इतिहास

नई दिल्ली। अभूतपूर्व सहयोग में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने अपनी अभिनव पहल, लेट्स मूव के लिए एक अग्रणी भारतीय कंटेंट क्रिएटर, अभिनेत्री और जलवायु कार्यकर्ता प्राजक्ता कोली के साथ हाथ मिलाया है। यह साझेदारी न केवल कोली के करियर में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करती है, बल्कि उन्हें 2024 में IOC के साथ साझेदारी करने वाली पहली भारतीय कंटेंट क्रिएटर और एकमात्र भारतीय गैर-खेल सेलिब्रिटी के रूप में भी स्थापित करती है।

10 अगस्त, 2024 को, कोली ओलंपिक खेलों के दौरान एक अनूठी 10 किमी की नाइट रन मैराथन पोर टूस में भाग लेंगी। इस कार्यक्रम में हजारों धावक पेरिस की सड़कों पर उतरेंगे, जो ओलंपिक इतिहास में पहली सामूहिक भागीदारी वाली दौड़ प्रतियोगिता होगी। इस महत्वपूर्ण अवसर में कोली की भागीदारी खेल भावना, समानता और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है - एक संदेश जिसे वह अपने 17 मिलियन से अधिक सोशल मीडिया फॉलोअर्स के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं।

अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म मोस्टलीसेन पर अपनी आकर्षक और दिलचस्प सामग्री के लिए मशहूर प्राजक्ता इस नए अध्याय को लेकर रोमांचित हैं। यह सिर्फ.एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय प्रतिनिधित्व के लिए एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा, मैं ओलंपिक से जुड़कर बेहद रोमांचित हूं। उन्होंने कहा आगे कहा कि खेल मानवीय क्षमता, समर्पण और उत्कृष्टता की खोज के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं। मैं अपने अनुभव को साझा करने और अपने दर्शकों, खासकर भारत भर के युवाओं में खेल और स्वास्थ्य के प्रति जुनून जगाने के लिए अपने मंच का उपयोग करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। अब समय आ गया है कि हम हर दिन, कहीं भी, किसी भी तरह से आगे बढ़ें! उनकी भागीदारी आईओसी द्वारा युवा दर्शकों को जोड़ने और भारत में ओलंपिक की पहुंच का विस्तार करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है - एक ऐसा देश जहां खेल राष्ट्रीय बातचीत का एक अभिन्न अंग बन रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से शुरू की गई यह पहल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देती है।

करदाताओं को धमकाने की जगह मार्गदर्शन का नजरिया अपनाएं आयकर अधिकारीः सीबीडीटी

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर विभाग के अधिकारियों को करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय डराने-धमकाने के बजाय सलाह देने का नजरिया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जिम्मेदार, उत्तरदायी, पारदर्शी दिखने के लिए नए सिरे से प्रयास करने चाहिए। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि भारत में आयकर व्यवस्था के 164 वर्ष पूरे होने पर कर अधिकारियों को विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। सीबीडीटी प्रमुख ने हाल ही में 24 जुलाई को मनाए गए 165वें आयकर दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन वीडियो संवाद सत्र द चेयरमैन स्पीक्स के माध्यम से अपने सहकर्मियों से बात की। उन्होंने कहा कि कर विभाग में बदलावकारी परिवर्तन हुए हैं, प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है, करदाताओं का आधार बढ़ाया गया है और इसका स्वरूप प्रवर्तन और विरोधात्मक विभाग से बदलकर काफी हद तक एक सेवा विभाग बन गया है जो गैर-हस्तक्षेपकारी कर प्रशासन के माध्यम से कर अनुपालन में सहायता करता है। अग्रवाल ने कहा कि प्रत्यक्ष कर श्रेणी के तहत राजस्व बढ़ रहा है और वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान लगभग 65 करोड़ पैन और 8.5 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए।

एथनॉल के कच्चे माल में विविधता लाने का आग्रह

नई दिल्ली। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने चीनी मिलों से एथनॉल उत्पादन के लिए गन्ने का विकल्प तलाशने को कहा और जैव ईंधन विनिर्माण के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना महासंघ (एथनॉल) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने कहा, बीस प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 2030 रखा गया है। हम 2025-26 में लक्ष्य हासिल कर लेंगे। मंत्री ने कहा कि सरकार के एथनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम से देश के कच्चे तेल के आयात बिल को कम करने और पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने में मदद मिली है।

शाह ने चीनी मिलों के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा, आपको भविष्यदर्शी होने और अवसरों को देखने तथा विस्तार करने की आवश्यकता है। ... एथनॉल कई स्त्रोतों से बनाया जा सकता है। शाह ने सहकारी चीनी मिलों से आग्रह किया कि वे अपना रूढ़िवादी दृष्टिकोण त्यागें और मक्का तथा बांस जैसे वैकल्पिक कच्चे माल का उपयोग करें। शाह ने कहा कि मिश्रण के लिए लगभग 1,000 करोड़ लीटर एथनॉल की आवश्यकता है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा मौजूद है। उन्होंने चीनी मिलों के आधुनिकीकरण और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन की स्थापना के बाद संभावित निर्यात अवसरों का हवाला दिया। मंत्री ने एनएफसीएसएफ को अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए कहा तथा महासंघ को एक वर्ष के भीतर चार राज्यों के प्रत्येक तीन जिलों में एक सहकारी चीनी मिल स्थापित करने का सुझाव दिया। शाह ने एनएफसीएसएफ को घाटे में चल रही सहकारी समितियों का मार्गदर्शन करने के लिए पेशेवरों को नियुक्त करने तथा दो वर्षों में मिलों के वार्षिक कारोबार को 25 प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित करने की भी सलाह दी। हमें अकुशलता से काम करने और सरकार से मदद मांगने की आदत है। आप कुशलता से काम करेंगे तो सरकार आपकी अधिक मदद करने को तैयार होगी। ....एक गतिशील संघ बनाएं, मांग-आधारित संघ नहीं। विविधीकरण के लिए यह प्रयास ऐसे समय में किया जा रहा है जब भारत जीवाश्म ईंधन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देना चाहता है।

लेमन ट्री के सीएमडी बोले - पर्यटन क्षेत्र में भारत की 50 प्रतिशत रोजगार चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता

कोलकाता। लेमन ट्री होटल्स के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पतंजलि गोविंद केसवानी ने शनिवार को कहा कि सही सरकारी समर्थन के साथ पर्यटन क्षेत्र में देश की 50 प्रतिशत रोजगार चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता है। आईआईएम कलकत्ता के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत का पर्यटन क्षेत्र निर्णायक मोड़ पर पहुंचने के कगार पर है। केसवानी ने बताया कि पर्यटन क्षेत्र कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद में 15-20 प्रतिशत का योगदान करता है और 25 प्रतिशत रोजगार देता है। पर्यटन क्षेत्र के प्रति सरकार के नजरिये पर निराशा जाहिर करते हुए उन्होंने कहा, भारत में, पर्यटन सकल घरेलू उत्पाद में केवल 6.5 प्रतिशत और रोजगार में भी लगभग इतनी ही हिस्सेदारी का योगदान देता है। उन्होंने कहा, अगर सरकार इस अवसर का प्रभावी ढंग से लाभ उठा सके, तो यह हमारी रोजगार चुनौतियों का 50 प्रतिशत तक समाधान कर सकती है। भारत के वर्तमान आर्थिक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए, केसवानी ने कहा कि देश एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, ठीक उसी तरह जैसे चीन अपनी तीव्र वृद्धि के दौर में था। उन्होंने कहा कि भारत में घरेलू आय सालाना 6-7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जिससे विवेकाधीन उपभोग के रुझानों में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है।

अदाणी के खिलाफ आरोपों की विधिवत जांच हुईः सेबी

मुंबई। अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट आने के बाद पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अपनी पहली टिप्पणी में रविवार को कहा कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि उसकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय-समय पर संबंधित जानकारी दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा।

नियामक ने कहा कि उसने अदाणी के खिलाफ हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों की विधिवत जांच की है। उसकी 26 जांचों में से अंतिम जांच अब पूरी होने वाली है। इससे पहले, बुच और उनके पति धवल ने आरोपों को निराधार बताया था। दंपति ने कहा कि हिंडनबर्ग पूंजी बाजार नियामक की विश्वसनीयता पर हमला कर रही है और चेयरपर्सन के चरित्र हनन का भी प्रयास कर रही है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया है कि उसे संदेह है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में सेबी की अनिच्छा का कारण यह हो सकता है कि बुच की अदाणी समूह से जुड़े विदेशी फंडों में हिस्सेदारी थी।

अखिलेश ने भाजपा को दी चुनौती

विधानसभा उपचुनाव : मिल्कीपुर में प्रचार के आखिरी दिन चढ़ा सियासी पारा

अयोध्या। मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव का प्रचार आज यानी कि सोमवार की शाम से थम जाएगा। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मिल्कीपुर पहुंचे हैं। उन्होंने पार्टी प्रत्याशी अजीत प्रसाद के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि ये मिल्कीपुर उपचुनाव ऐतिहासिक होने जा रहा है। जनसभा में मौजूद सभी लोग जानते होंगे कि देश में खासकर उत्तर प्रदेश में एक ही चुनाव हो रहा है। ये मिल्कीपुर चुनाव है। वैसे तो इसे बाकी जगहों पर हो रहे उपचुनावों के साथ हो जाना चाहिए था। लेकिन किन्हीं कारणों से ये चुनाव हो नहीं पाया।

उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी ने जानबूझकर बाकी उपचुनावों के साथ मिल्कीपुर का उपचुनाव नहीं होने दिया। ये बीजेपी की सोची समझी रणनीति है। क्योंकि बीजेपी को अच्छे से मालूम है कि मिल्कीपुर की जनता समाजवादी पार्टी का साथ कभी नहीं छोड़ सकती है। इसलिए उन्होंने चुनाव को टाल दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि हम लोग भी सब्र रखे हुए थे। जो पार्टी चुनाव को आगे बढ़ा रही है, उसे जनता हिसाब किताब कर मिल्कीपुर से भगाने का काम करेगी। मिल्कीपुर उपचुनाव नहीं बल्कि एक चुनौती है। ये चुनाव जनता बनाम शासन होने जा रहा है।

बीजेपी पर हंसते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि मैं तो अपने परिवार (जनता) और पार्टी के कार्यकर्ताओं से आज मिलने सो नहीं पा रहे बीजेपी के लोग आया हूं लेकिन कई लोग गिनती कर करके बता रहे थे कि सो नहीं पा रहे बीजेपी के लोग का परिणाम लखनऊ वालों की नींद उड़ाए हुए है। उन्होंने कहा कि वैसे तो जबसे अयोध्या हारे हैं तबसे भारतीय जनता पार्टी के लोग सो नहीं पा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जब एक करवट लेकर सोने की कोशिश करता है तो उसे उत्तर प्रदेश की हाय याद आ जाती है। जबकि दूसरी करवट लेने पर अयोध्या की हार नींद उड़ा देती है। आपको बता दें कि हरिंग्टनगंज के किसान इंटर कॉलेज मैदान में जनसभा का आयोजन किया गया है।

कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी के चुनाव मैदान में न होने से मिल्कीपुर विधानसभा के उपचुनाव में सीधा मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के बीच है। आइएनडीआइए गठबंधन के तहत कांग्रेस ने सपा को मिल्कीपुर उपचुनाव में समर्थन दिया है। सपा भी अपनी ओर से कोई कसर छोड़ना नहीं चाहती है।

मिल्कीपुर उपचुनावः दम लगाएगी भाजपा, सरकार के आठ मंत्री और 40 विधायकों को मिला टास्क

लखनऊ। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सोमवार को प्रचार का अंतिम दिन है। योगी सरकार के आठ मंत्री व 40 विधायक उपचुनाव के रण में कमल खिलाने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। ये घर-घर जाकर भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील भी करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी भी सोमवार को मिल्कीपुर पहुंचकर कार्यकताओं में जोश भरेंगे। वे यहां प्रेस कांफ्रेंस भी करेंगे। मिल्कीपुर का उपचुनाव योगी सरकार व भाजपा के लिए प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बड़े आयोजन के बाद भी फैजाबाद लोकसभा सीट सपा के अवधेश प्रसाद से हार गई थी। सपा ने इसे बहुत प्रचारित भी किया था।

अवधेश प्रसाद मिल्कीपुर से ही विधायक थे, उनके त्यागपत्र देने के कारण यह सीट रिक्त हुई थी। अब उनके बेटे यहां से सपा के टिकट से चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में भाजपा लोकसभा चुनाव में मिली हार का बदला लेना चाहती है। यही वजह है कि योगी सरकार के आधा दर्जन से अधिक मंत्री यहां लंबे समय से कैंप कर रहे हैं। इनमें कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चन्द्र यादव, खाद्य एवं रसद मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा, संसदीय कार्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालू प्रमुख हैं।

भाजपा महिला मोर्चा की भी बड़ी टीम लगातार कर रही काम : चूंकि यह सुरक्षित सीट है इसलिए प्रचार के अंतिम दिन भाजपा ने यहां समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण को भी बुला लिया है।

वे वंचित समाज से आते हैं। यहां वंचित समाज के बीच जाकर भाजपा के पक्ष में वोट देने की अपील करेंगे। पार्टी ने बूथ कमेटियों में बड़े नेताओं व विधायकों को भी लगा दिया है। सभी घर-घर जाकर मतदाता पर्ची वितरण के साथ ही भाजपा के लिए वोट मांगेंगे। महिलाओं के वोट पाने के लिए भाजपा महिला मोर्चा की भी बड़ी टीम यहां लगी हुई है।

आगरा 7 जोन में बांटा गया अब जाम से मिलेगी मुक्ति

अखिलेश यादव

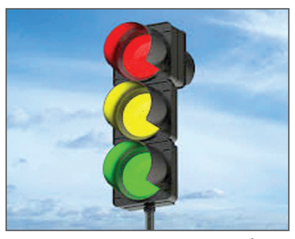

आगरा। वाहनों के बढ़ते दबाव को देखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था को सात जोन में बांटा गया है। इसके तहत यातायात निरीक्षकों को अलग-अलग जोन का प्रभारी बनाया गया है। संबंधित जोन में यातायात व्यवस्था को सुगमता पूर्वक संचालन की जिम्मेदारी यातायात निरीक्षक की होगी।

शहर के छोटे-बड़े 60 से अधिक चौराहों एवं तिराहों से लाखों वाहन प्रतिदिन गुजरते हैं। वाहनों की संख्या बढ़ने से सड़कों पर दबाव बढ़ा है। अलग-अलग चौराहों और सड़कों पर वाहनों के दबाव का अध्ययन करने के बाद शहर की यातायात व्यवस्था को सात जोन में बांटा गया। प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी एक यातायात निरीक्षक को दी गई। जरूरत के हिसाब से प्रत्येक जोन के प्रभारी को यातायात पुलिसकर्मी दिए गए हैं।

एसीपी यातायात सैयद अरीब अहमद ने बताया शहर को जोन में बांटने के साथ ही वहां के मानचित्र में कई चीजों को दशार्या गया है। जिसमें आसपास के चौराहे, बस स्टैंड एवं स्टापेज, रेलवे स्टेशन, थानों व चौराहों को दशार्या गया है। जोन की व्यवस्था लागू होने से पहले की तरह जाम की स्थिति से मुक्ति मिली है। वाहनों का दबाव किसी जोन में अधिक होने पर कंट्रोल रूम से पता चल जाता है। इससे कम दबाव वाले जोन में तैनात यातायात पुलिसकर्मियों को दूसरे जोन में भेज दिया जाता है।

बदला लेने को कर दी युवती की हत्या

अयोध्या। सहनवा कांड का अयोध्या पुलिस ने खुलासा कर दिया है। युवती की हत्या करने में उसी के गांव के तीन लोग शामिल पाए गए हैं, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पकड़े गए आरोपितों में सहनवा निवासी हरीराम कोरी, विजय साहू और दिग्विजय सिंह उर्फ दुर्विजय उर्फ बाबा है। इस घटना का मुख्य सूत्रधार दिग्वजय सिंह को बताया गया है, जो एक निजी आइटीआइ का चौकीदार है। उसी ने अपने अपमान का बदला लेने के लिए यह षड़यंत्र रचा था, जिसमें अन्य दो आरोपियों ने उसका साथ दिया।

प्रारंभिक जांच एवं पूछताछ में इस बात का खुलासा हुआ कि दिग्विजय की गांव में छवि अच्छी नहीं है। वह मृतका के घर आता जाता था। कुछ दिन पूर्व मृतका के भाई ने उसे घर से भगा दिया था। इसी बात की वह रंजिश रखे हुए था। गत 30 जनवरी की रात युवती गांव में धार्मिक आयोजन देखने गई थी, जहां बाहर उसे अकेला पाकर आरोपियों ने उसे दबोच लिया। उसे निर्वस्त्र करने का प्रयास किया, जिसका युवती ने विरोध किया। इसके बाद तीनों मिलकर युवती को आइटीआइ के पीछे बने बाथरूम में ले गए, जहां उसके साथ बर्बरता की गई।

इसके बाद निर्वस्त्र कर उसे सूखे नाले की झाड़ियों में हाथ पांव बांधकर फेंक दिया। इसके बाद दिग्विजय ने अपनी खून लगी जैकेट भी जला दी, जिसकी राख एवं बटन तक पुलिस ने बरामद कर ली है। आरोपी हरीराम कोरी की ससुराल सहनवा में है, जबकि विजय दोनों का मित्र है। मृतका के पिता ने पुलिस कार्रवाई पर संतुष्टि व्यक्त की है। उनका कहना है कि दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी की बेटी के साथ ऐसा घिनौना कृत्य वह न कर सकें।

राज्यमंत्री मनोहरलाल कोरी, विधायक वेद प्रकाश गुप्त, रामचंद्र यादव ने मृतका के घर पहुंचकर पीड़ित परिवार को चार लाख 12 हजार 500 रुपये की अनुकंपा धनराशि प्रदान की। इससे पूर्व 50 हजार रुपये पुलिस एवं 50 हजार रुपये प्रशासन की ओर से सहायता दी जा चुकी है।

अत्याचार करने वाले सलाखों के पीछे : विधायक ने बताया कि अभियुक्तों को सजा होने के उपरांत चार लाख 12 हजार 500 की धनराशि मृतक बिटिया के परिवार को और प्रदान की जाएगी। सरकारी सुविधाओं से भी लाभांवित कराने का प्रयास किया जाएगा। राज्य मंत्री मनोहर लाल कोरी ने कहा कि सरकार पीड़ित परिवार के साथ सदैव खड़ी है। अत्याचार करने वाले सलाखों के पीछे हैं।

अयोध्या के एसएसपी राजकरन यादव ने बताया कि वारदात में लिप्त तीन लोगों को पकड़ लिया गया है। जांच चल रही है, जो तथ्य सामने आएंगे उससे अवगत कराया जाएगा। फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से प्रभावी पैरवी करते हुए अभियुक्तगणों को दंडित कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

पत्नी को गिनकर बिंदी देता था पति, मामला पहुंचा थाने

आगरा। युवती की नई-नई शादी हुई थी। उसे बिंदी लगाने का शौक था। घर के कामकाज में बार-बार बिंदी गिर जाती थी। पति को बिंदी का खर्च ज्यादा लगने लगा था। उसने गिन कर बिंदियां देनी शुरू कर दी। मामूली सी बात पर रोक लगाने से पत्नी बुरा मान कर मायके चली गई। तीन माह से मायके में थी। उसने पति के खिलाफ पुलिस से शिकायत कर दी। परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग के दौरान पति ने बिंदी गिनना बंद करने का वादा किया।

इसके बाद दोनों में सुलह हो गई। आपको बता दें कि परिवार परामर्श केंद्र में रविवार को 35 दंपतियों के बीच झगड़ों को सुलझाने का प्रयास किया गया। 12 दंपतियों ने विवाद खत्म कर साथ रहने पर सहमति जताई। काउंसलर डॉ. अमित गौड़ ने बताया कि दंपतियों के बीच मामूली बातों में झगड़े के बाद बात यहां तक पहुंच गई थी। इरादतनगर

की युवती की आठ माह पूर्व सिकंदरा के युवक से शादी हुई थी। युवती को बिंदी लगाने का शौक था। कामकाज के दौरान बिंदी इधर-उधर हो जाती थी। वो दिन में कई बार बिंदी बदलती थी। पति का कहना था कि वो सुबह काम पर जाता है और शाम को आता है। ऐसे में बार -बार बिंदी बदलने की जरूरत नहीं है।

उसने पत्नी को रोजाना गिन कर बिंदियां देना शुरू कर दिया। पत्नी को यह बात अच्छी नहीं लगी और वो तीन महीने पहले पति से झगड़ा कर मायके चली गई। पुलिस से पति और ससुरालीजन के खिलाफ शिकायत कर दी।

बांदा में बनेगा नर्सिंग कॉलेज

बांदा। बीएससी नर्सिंग की छात्राओं को अब किराये पर कमरा लेकर पढ़ाई नहीं करनी पड़ेगी। शासन ने 32 करोड़ की लागत से कॉलेज व 100 बेड वाले छात्राओं के लिए छात्रावास तैयार कराने को स्वीकृति देने के साथ बजट जारी कर दिया है। कार्यदायी संस्था ने निर्माण की रूपरेखा तैयार कर ली है।

रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के भवन में बीएससी नर्सिंग कॉलेज वर्ष 2022 से संचालित हो रहा है। मंडल के चारों जिलों, महोबा, हमीरपुर, बांदा व चित्रकूट समेत छतरपुर मध्य प्रदेश व पन्ना मध्यप्रदेश के अलावा अन्य गैर जनपदों कानपुर, उन्नाव झांसी आदि से छात्र-छात्राएं यहां पढ़ाई करते हैं। चार वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष 60 सीटों के लिए दाखिला होता है। जिसमें 85 प्रतिशत छात्राएं शामिल रहती हैं।

मेडिकल कॉलेज के पुराने हॉस्टल में सिर्फ एक बैच की छात्राओं के रुकने की व्यवस्था थी। इसके अलावा अन्य बैच को कॉलेज के बाहर किराए का रूम लेकर पढ़ाई करनी पड़ रही थी। कॉलेज का संचालन भी रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज के भवन में ही वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में हो रहा है। इससे छात्र-छात्राओं को लैब आदि की दिक्कत होती थी।

कॉलेज प्रशासन ने 2023 में अलग कॉलेज व छात्राओं के लिए छात्रावास बनाने का प्रस्ताव भेजा था। जिसे शासन ने मंजूरी देने के साथ हास्टल के लिए 9.06 करोड़ रुपये गर्ल्स हास्टल व 23.69 करोड़ रुपये कॉलेज के लिए दिया है। मेडिकल कॉलेज के वार्ड ब्लॉक पानी की टंकी के पास खाली पड़ी जमीन पर कॉलेज तैयार कराने के लिए यूपीपीसीएल को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। कॉलेज में विशेष रूप से लैब, लेक्चर हाल, फैकल्टी रूम, कार्यालय होंगे। इसी तरह हास्टल में ग्राउंड फ्लोर समेत तीन तल होंगे। जिसमें छात्राओं के लिए 100 बेड की व्यवस्था रहेगी। कार्यदायी संस्था ने भवनों के निर्माण के लिए अपना खाका तैयार कर लिया है। इंजीनियरिंग टीम खाली पड़ी जगह की नाप आदि कर चुकी है।

बोले अधिकारी : बीएससी नर्सिंग कॉलेज व हॉस्टल तैयार होने से छात्राओं को रहने में किसी तरह की समस्या नहीं रहेगी। शिक्षण कार्य में भी पहले से और बेहतर होगा। कार्यदायी संस्था को बजट अवमुक्त करा दिया गया है। **सुनील कौशल, प्राचार्य, रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज**

शंकराचार्य को हटाने की राजेश सिंह ने की मांग

सोनू चौधरी

अयोध्या। श्री आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के संरक्षक राजेश सिंह मानव ने सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में तर्कपूर्ण बयान देते हुए कहा कि कुम्भ जैसे पवित्र धर्म यज्ञ में विवाद और अराजकता पैदा करने वाले तथाकथित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को पद से हटा दिया जाना चाहिए। उनका आरोप था कि यह शंकराचार्य सत्ता के पक्षधर बनकर सिर्फ अपवाह फैलाने का काम कर रहे हैं, और उन्होंने कभी भी धर्म, जाति या समाज के मुद्दों पर सच बोलने की हिम्मत नहीं दिखाई।राजेश सिंह (मानव) ने यह भी कहा कि शंकराचार्य ने निहत्थे राम भक्तों पर गोली चलाने वाली सरकार के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठाई। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह शंकराचार्य

अपनी भाषा और शब्दों के खेल से देश को गुमराह कर रहे हैं और सनातन धर्म के विरोधी हैं। उन्होंने कश्मीर में हिन्दुओं के नरसंहार पर चुप्पी साधे रखने और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर भी कोई आवाज न उठाने के लिए उन्हें आलोचना की।श्री सिंह ने इस दौरान यह भी कहा कि शंकराचार्य का कार्य धर्म और संस्कृति की रक्षा करना है, लेकिन जब से उन्होंने सत्ता के पक्ष में बोलना शुरू किया है, उनके पद की गरिमा कम हो गई है। उन्होंने मांग की कि ऐसे व्यक्तियों को कुम्भ से हटा कर कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिए।

सिग्नल केबिल उठा ले गए चोर

वंदे भारत एक्सप्रेस सहित डेढ़ दर्जन ट्रेनों के थमे पहिए

आगरा (आरती यादव)। नई दिल्ली-आगरा रेल खंड में सोमवार शाम चोरों ने ट्रेनों का संचालन रोक दिया। रुनकता के पास चोर छह मीटर सिग्नल केबिल चोरी कर ले गए। इससे सात प्वाइंट के एक बाद एक फेल हो गए। रानी कमलापति वंदे भारत एक्सप्रेस सहित डेढ़ दर्जन ट्रेनें रुक गईं।

यह ट्रेनें 20 मिनट से लेकर 1.10 मिनट तक खड़ी रहीं। अप लाइन की 11 और डाउन लाइन की पांच ट्रेनें शामिल रहीं। यात्रियों ने इसकी शिकायत अधिकारियों से की। वहीं आरपीएफ ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

नई दिल्ली-आगरा रेल खंड स्थित किमी नंबर 1398/21-23 के पास सोमवार शाम चार बजे अचानक सिग्नल फेल हो गया। नई दिल्ली से रानी कमलापति भोपाल जा रही वंदे भारत खड़ी हो गई। लोको पायलट को लगा सिग्नल जल्द मिल जाएगा लेकिन काफी देर तक ट्रेन खड़ी रही।

मथुरा कंट्रोल रूम ने डीआरएम कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम में सिग्नल फेल होने की जानकारी दी। इसके चलते प्वाइंट नंबर 310, 311, 313, 314, 315, 317, 318 भी फेल हो गए। इससे ट्रेनों का संचालन ठप हो गया। एक साथ इतने अधिक सिग्नल फेल होने पर अधिकारियों में खलबली मच गई।

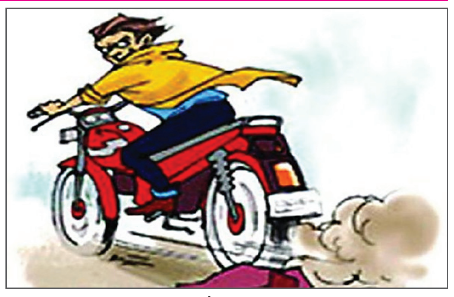

रेलवे अधिकारियों की टीम पहुंच गई। जांच में पाया गया कि चोरों ने अप और डाउन लाइन की छह-छह मीटर की केबिल को चोरी कर ले गए। अधिकारियों ने नई केबिल मंगवाई और मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। यह कार्य शाम साढ़े पांच बजे तक चला तब जाकर ट्रेनों का संचालन शुरू हो सका।

ये ट्रेनें हुई लेट : अप लाइन में रानी कमलापति भोपाल वंदे भारत 1.10 घंटा, चंडीगढ़-मदुरै एक्सप्रेस 50 मिनट, महाकौशल एक्स. 50 मिनट, दुरंतो एक्सप्रेस 20 मिनट, उत्कल एक्सप्रेस 40 मिनट, तेलंगाना एक्सप्रेस 40 मिनट, डाउन लाइन में जन्मभूमि एक्सप्रेस एक घंटा, संपर्क क्रांति एक्सप्रेस एक घंटा 10 मिनट प्रमुख रूप से लेट रहीं। कुछ ट्रेनें 10 से 25 मिनट तक लेट रहीं। जनसंपर्क अधिकारी डीसी चौहान ने बताया कि केबिल चोरी होने से कुछ ट्रेनें प्रभावित रही हैं।

अमरोहा में सड़क किनारे गन्ने के खेत में बैठा दिखा तेंदुआ, वीडियो वायरल

गजरौला (अमरोहा)। गजरौला के गांवों में तेंदुआ के पहुंचने का क्रम थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस क्रम में अब एक और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है। जिसमें सड़क किनारे गन्ने के खेत में तेंदुआ बैठा हुआ नजर आया है। तेंदुए के दिखने के बाद से गांव के लोगों में भय का माहौल बन गया है। वन विभाग को भी इस मामले के बारे में अवगत कराया गया है। मामला रविवार की रात करीब 12 बजे का है। गांव हैवतपुर गोसाई के प्रधान जयकिरत सिंह उर्फ हैप्पी अपने परिवार के साथ बिजनौर में एक वैवाहिक समारोह में शामिल होकर कार से वापस गांव लौट रहे थे। जब वह गांव चौखट व लम्बिया के बीच में आए तो सड़क किनारे एक गन्ने के खेत में तेंदुआ बैठा हुआ नजर आया। गाड़ी की हेडलाइट में तेंदुआ का वीडियो भी बनाया गया। 19 सेकेंड के इस वीडियो में तेंदुआ गन्नों के बीच में बैठा है और फिर अंदर की तरफ को चला जाता है। सोमवार की सुबह को इस घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया। प्रधान हैप्पी चौधरी का कहना है कि तेंदुआ उन्होंने देखा और वीडियो बनाई। बता दें कि इससे पहले भी कई बार इस तरह के वीडियो सामने आ चुके हैं। उधर, वन क्षेत्र अधिकारी संजय चौधरी का कहना है कि संबंधित गांव में टीम बेचकर तेंदुआ की तलाश में कांबिंग कराई जाएगी। बता दें कि ये कोई पहला मामला नहीं है। कई महीनों से अमरोहा में तेंदुओं का आतंक जारी है। सितंबर की बात है, रजबपुर में तेंदुओं का जोड़ा देखा गया था, जबकि डिडौली में एक महिला तेंदुआ देखकर बेहोश हो गई थी। नौगांवा सादात में तेंदुआ कुत्ते को उठा ले गया। वन विभाग लोगों को सतर्क रहने की सलाह देता रहा है। कई बार तेंदुआ जानवरों पर हमला कर चुका है। सितंबर में पहला मामला रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव मदीपुरा व काफूरपुर के जंगल में हुआ था। वहीं दूसरा मामला नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव बांसखेड़ी में हुआ था। अनवर के घर लगे सीसीटीवी में तेंदुआ की वीडियो कैद हुई।

ट्रैक्टर के बाद अब ट्रॉली और ट्रेलर को लेकर भी नियम, नंबर-बैक लाइट समेत इन नियमों का करना होगा पालन

विनिर्माता को भी संभागीय परिवहन विभाग में करवाना होगा पंजीयन

बांदा। सड़कों में बेरोकटोक फर्राटे भर रहे ट्रैक्टर-ट्रालियों व ट्रेलरों में अब शिकंजा कसने की तैयारी की जा रही है। शासन के निर्देशों के मुताबिक अब ट्रैक्टर के साथ ही ट्राली व ट्रेलर का भी पंजीकरण होगा। ट्राली व ट्रेलर पर उसका चार अंकों का अपना पंजीयन नंबर दर्ज होगा। उन पर 17 अंकों का चेसिस नंबर भी दर्ज किया जाएगा। इससे ट्राली व टेलर मालिकों का पता लगाना आसान हो जाएगा।

बिना मानकों और अवैध रूप से दौड़ रहीं ट्रैक्टर, ट्राली व ट्रेलर से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए व्यवस्था की गई है। शासन ने ट्रैक्टर, ट्राली व ट्रेलर के पंजीयन और निर्माण में सड़क सुरक्षा के मानकों को शामिल करते हुए नई मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है।

संभागीय परिवहन विभाग में जिले में संचालित 1907 ट्रैक्टर दर्ज हैं। जिसमें से 1812 ट्रैक्टर कृषि कार्य के लिए व 95 ट्रैक्टर व्यावसायिक उपयोग के लिए दर्ज हैं। हालांकि ज्यादातर कृषि कार्य के नाम पंजीकरण वाले ट्रैक्टर व्यावसायिक उपयोग में लाए जा रहे हैं। यह सभी ट्रैक्टर व ट्राली अगल-अलग हैं। लिहाजा ट्रालियों का भी संभागीय परिवहन विभाग में पंजीयन होना चाहिये। लेकिन ऐसा नहीं है।

लिहाजा अक्सर इनके मालिकों का पता लगा पाना मुश्किल हो जाता है। कई बार अवैध रूप से मोरंग ढो रहे ट्रैक्टर-ट्राली को छापे के दौरान पकड़े जाने के भय से ट्राली को रास्ते में खोल कर भाग निकलते हैं। कमोवेश यही स्थिति ट्रेलरों की है। जिससे इनके मालिक का न पता चल पाने में कार्रवाई करने में परेशान होती है। इनमें पंजीयन संख्या अंकित होने से कार्रवाई में आसानी होगी। साथ ही

आटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (एआइएस) के मानकों के मुताबिक ट्राली व ट्रेलर बनने से दुर्घटनाएं भी कम होंगी।

इस समय बिना मानक के हाईवे से लेकर विभिन्न मार्गों पर ट्रैक्टर-ट्राली व ट्रेलर धमाचौकड़ी कर रहे है। इनके पीछे न तो बैक लाइट है और न ही रेफ्लेटर। आटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (एआइएस) के मानकों के तहत कृषि कार्य के लिए ट्रेलर के चार मानक तय हैं। इसमें आर-एक, आर-दो, आर-तीन व आर-चार शामिल हैं। आर-दो, आर-तीन व आर-चार मॉडल का पंजीयन एग्रीकल्चर ट्रेलर के रूप में किया जाएगा।

अब किसी भी मॉडल की ट्राली में एक एक्सल नहीं होंगी। उनमें दो एक्सल होंगे। आर-दो व आर-तीन मॉडल में टायरों की संख्या चार होगी, आर-चार मॉडल आठ टायर के होंगे। इसमें प्रत्येक एक्सल में चार टायर लगाए जाएंगे।

आर-दो मॉडल ट्राली की अधिकतम चौड़ाई दो मीटर होगी। आर-तीन व आर-चार मॉडल की अधिकतम चौड़ाई 2.5 मीटर होगी। तीनों ही मॉडल के ट्रेलर की जमीन से अधिकतम ऊंचाई 2.2 मीटर होगी। बाडी की हुक को छोड़कर आर-दो मॉडल की ट्राली की अधिकतम लंबाई चार मीटर, आर-तीन मॉडल की पांच मीटर व आर-चार मॉडल की 6.7 मीटर होगी। आर-दो मॉडल की ट्राली का सकल वाहन भार (जीवीडब्ल्यू) छह टन तक, आर-तीन मॉडल का छह से 9.3 टन तक व आर-चार मॉडल का 10 से 12.56 टन तक होगा। जीवीडब्ल्यू की गणना का मानक 750 किलोग्राम प्रति वर्ग मीटर होगा। इस समय तीन प्रकार की बाडी के ट्रेलर व ट्रालियां दौड़ रही हैं। पहला खुली बाडी वाले ट्रेलर, दूसरा जल टैंकर वाले ट्रेलर और तीसरा प्लेटफार्म टाइप के ट्रेलर। सुरक्षा मानकों को देखते हुए स्थानीय निर्मित ट्रेलर में रियर व साइड अंडर प्रोटेक्शन डिवाइस, बैक लाइट फिटिंग, रिफ्लेक्टिव टेप व कंटूर मार्किंग की व्यवस्था की जाएगी।

सभी प्राविधानों को पूरा करने वाले विनिमार्ता को परिवहन विभाग से आवंटित चार अंकों का निमार्ता कोड दर्ज कराना होगा। इसका पहला अक्षर अंग्रेजी वर्णमाला का होगा, शेष तीन अंक होंगे। चार अंक के कोड में अंतिम संख्या 999 होगी। यह संख्या पूरी होने के बाद अंग्रेजी वर्णमाला का अगला अक्षर अंकित किया जाएगा। ट्रेलर विनिमार्ता ट्रेलर पर 17 अंकों व शब्दों की चेसिस संख्या अंकित करेगा।

चेसिस संख्या में पहले दो अक्षर राज्य का कोड होगा। उत्तर प्रदेश के लिए पहले दो अक्षर यूपी होंगे। पहले दो अक्षर के बाद परिवहन आयुक्त कार्यालय से आवंटित चार अंक का विनिमार्ता कोड, इसके पश्चात दो अक्षर में ट्रेलर का मॉडल , अगले दो अक्षर में एक्सल में टायरों की संख्या दर्ज होगी। बाएं से 11वां अक्षर निर्माण वर्ष और फिर माह दर्ज किया जाएगा। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, शंकर जी सिंह ने बताया कि ट्राली व ट्रेलर मानक के मुताबिक होना चाहिए, इनका भी पंजीयन करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। बिना पंजीयन के ट्राली व ट्रेलर पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

भगदड़ के बाद बदली व्यवस्था, गाड़ियों की नो-एंट्री

जिले की सीमाओं पर लगा गाड़ियों का जाम, फंसे लोग, डीजीपी व प्रमुख सचिव ने किया मेला क्षेत्र का निरीक्षण

प्रयागराज। महाकुंभ में बुधवार को हुई भगदड़ के बाद गुरुवार को भीड़ कम रही। मेले में आने-जाने के रास्ते अलग कर दिए गए हैं। प्रयागराज शहर में गाड़ियों की एंट्री पर रोक है। मेला क्षेत्र को पूरी तरह से नो-व्हीकल जोन घोषित कर दिया है। यानी यहां किसी भी गाड़ी की एंट्री नहीं होगी। इसके अलावा, वीवीआईपी पास भी रद्द कर दिए गए हैं। यह नियम 4 फरवरी तक लागू रहेंगे। जिले की सीमाओं पर रोके गए वाहनों को छोड़ दिया गया है। इसके बाद मेला क्षेत्र की सीमा पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई है। अंदावा रिंग रोड बाईपास, नवाबगंज, सोरांव और चित्रकूट रोड पर गौहनिया के पास वाहनों को रोक दिया जा रहा है।

मेले में रोज की अपेक्षा गुरुवार को कम भीड़ दिखी। अधिकारी भ्रमण करते रहे। डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मेला क्षेत्र का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। गुरुवार की दोपहर 12 बजे तक 1.15 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। मौनी अमावस्या पर मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात को भगदड़ मच गई थी। हादसे में 35 से 40 मौतें हो गईं। सरकार की ओर से अब तक 30 मौतों की पुष्टि की गई है। वहीं, 60 घायल हुए हैं। इधर, सरकार ने 2019 में कुंभ में तैनात रहे दो अफसरों- आईएएस आशीष गोयल और भानु गोस्वामी को तत्काल प्रयागराज बुलाया है, ताकि व्यवस्थाएं और बेहतर की जा सकें।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट में भगदड़ को लेकर जनहित याचिका दायर की गई। इसमें यूपी सरकार से स्टेटस रिपोर्ट और जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की मांग की गई है। कहा गया है कि धार्मिक आयोजनों में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस व्यवस्था बनाई जाए। वहीं भगदड़ के 34 घंटे बीत चुके हैं। अब लोग अपनों को खोजते हुए संगम पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में एक युवक ने बताया कि मेरी मां भगदड़ के बाद से लापता हैं। मैं दिल्ली से आया हूं। उन्हें तलाश रहा हूं, लेकिन उनका अब तक पता नहीं चला है।

महाकुंभ में तैनात दारोगा की मौत : महाकुंभ में तैनात बहराइच जिले के उप निरीक्षक अंजनी कुमार राय का बुधवार को निधन हो गया। वे महाकुंभ के मेला क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात थे। जानकारी के मुताबिक बुधवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बहराइच जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने बताया कि अंजनी कुमार राय की मृत्यु महाकुंभ में खराब तबीयत के कारण हुई। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम किया गया है और बहराइच पुलिस प्रयागराज पुलिस के संपर्क में है। परिजनों को हर संभव मदद मुहैया कराई जाएगी। मृतक अंजनी राय मूल रूप से गाजीपुर जिले के रहने वाले थे और वर्तमान में बहराइच जिले में तैनात थे।

स्वामी चिदानंद बोले- लोगों ने प्रशासन की बात नहीं मानी, इसलिए हुआ हादसा : महाकुंभ भगदड़ पर परमार्थ निकेतन आश्रम के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि मौनी अमावस्या पर सारी व्यवस्थाएं थीं, लेकिन कुछ लोगों की गलती से घटना हुई। लोगों ने प्रशासन की बात नहीं मानी और बैरिकेडिंग को तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की। हम सभी लोगों की मौत पर दुखी हैं। पूरा देश, प्रदेश और संत समाज शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि केवल संगम नोज पर ही जाकर स्नान करने की कोशिश न करें। कहीं भी गंगा स्नान कर लें। उन्होंने कहा कि सभी स्कूल, कॉलेज और अस्पताल खोले जाएं, ताकि जब लोग पैदल चलकर थक जाएं, उन्हें कुछ देर बैठने और आराम करने की जगह मिले। चिदानंद सरस्वती का कहना है कि हर यात्रा में पैदल चलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि चारों धाम बद्रीनाथ और केदारनाथ, वृंदावन, वैष्णो देवी की यात्रा देखिए, हर यात्रा में पैदल चलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी, सीएम योगी आदित्यनाथ और पूरी टीम व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने में जुटी है, ताकि ऐसी कोई घटना न हो। उन्होंने लोगों से अपील की कि नियमों को पालन करें। अधिकारियों का कहना मानें। उन्होंने सभी अखाड़ों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सभी अखाड़ों ने बड़प्पन दिखाकर पहले श्रद्धालुओं को स्नान करने दिया और साधु-संतों ने शाम को स्नान किया।बता दें कि मौनी अमावस्या की आधी रात संगम नोज पर हुए हादसे से देश-दुनिया में शोक की लहर दौड़ गई। मोक्ष की कामना के लिए पहुंचे 30 श्रद्धालुओं की मौत से उनके परिजन ही नहीं संत-महंत से लेकर आम आदमी तक आहत महसूस कर रहा है।

महाकुंभ : फिर उठीं लपटें, 15 टेंट खाक

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना के बाद एक बार फिर मेला क्षेत्र में आग लगने की खबर है। यह आग महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 22 में लगी, जिससे कई पंडाल जल कर राख हो गए। आग से किसी प्रकार की कोई जनहानि होने की कोई सूचना नहीं है। आग कैसे लगी, फिलहाल अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र से एक बार फिर आग लगने की बड़ी खबर सामने आई है। प्राप्त जानकारी अनुसार महाकुंभ एक बार फिर से आग लग गई है। महाकुंभ के सेक्टर-22 में आग लगी, जिसमें कई पंडाल जलकर खाक हो गए। राहत की बात यह है कि इस आग से किसी प्रकार की कोई जन हानि होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। यहां बताते चलें कि इससे पहले भी महाकुंभ में आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। आग लगने की जानकारी देते हुए बताया गया है कि जैसे ही आग लगने की सूचना मिली मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच गई और देखते ही देखते आग पर काबू पा लिया गया। अग्निशमन टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। सोशल मीडिया पर आग लगने के कुछ फोटो वायरल हुए हैं, जिन्हें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि आग कितनी भीषण रही होगी। इस अग्निकांड में फिलहाल किसी प्रकार की जन हानि की सूचना नहीं मिली है। आग किस कारण लगी इस संबंध में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है। इसके पहले भी मेला क्षेत्र में दो बार आग लग चुकी है। सुरक्षा प्रबंधों को लेकर सवाल उठ रहा है कि एक बार घटना होने के बाद दोबारा कैसे आग लग जा रही है।

दुष्कर्म के आरोप में कांग्रेस सांसद अरेस्ट

कॉन्फ्रेंस के समय पुलिस ने की कार्रवाई

सीतापुर। कांग्रेस के सांसद राकेश राठौर को बलात्कार के आरोप में बृहस्पतिवार को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। राठौर इलाहाबाद उच्च न्यायालय से अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद अपने आवास पर संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे। इसी दौरान कोतवाली नगर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सांसद की गिरफ्तारी की खबर में मिलने पर काफी संख्या में उनके समर्थक कोतवाली परिसर के बाहर जमा हो गए। पुलिस के मुताबिक, सांसद राठौर को न्यायिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार किया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के खिलाफ इसी महीने 15 जनवरी को एक महिला से शादी का झांसा देकर बलात्कार करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि राठौर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार बलात्कार किया है। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि राठौर पिछले चार साल से उससे शादी करने और उसे राजनीतिक करियर बनाने का झांसा देकर उससे बलात्कार कर रहे थे। इस मामले में स्थानीय अदालत से जमानत याचिका खारिज होने के बाद सांसद राठौर ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय का रुख किया था मगर वहां से भी उन्हें राहत नहीं मिली। उसके बाद इस मामले में उनकी गिरफ्तारी का रास्ता साफ हो गया था। एसपी चक्रेश मिश्रा ने बताया है कि सांसद की गिरफ्तारी उनके आवास से कोतवाली पुलिस ने की है।

संक्षेप समाचार...

चार बांग्लादेशी महिलाएं गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में अवैध रूप से रह रहीं बांग्लादेश की चार महिलाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस अब अवैध प्रवासियों को किराए पर मकान देने वाले मालिक की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने मनोरपाड़ा में स्थित नगर निकाय के पुनर्वास चॉल पर छापा मारा। उन्होंने बताया कि वहां एक कमरे में 38 से 50 साल की उम्र की चार बांग्लादेशी महिलाएं रह रही थीं। जांच में वह भारत में रहने के लिए कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सकीं।

24 हफ्ते तक के गर्भपात के लिए अनुमति जरूरी नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि दुर्व्यवहार पीड़िताओं के लिए 24 हफ्ते तक के गर्भपात (एमपीटीपी) के लिए कोर्ट की अनुमति की जरूर नहीं। यह फैसला एक दुष्कर्म पीड़िता के मामले में दिया गया, जिसका गर्भ 6-7 हफ्ते का था। कोर्ट ने एमपीटीपी के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। अगर गर्भकाल 20 हफ्ते या उससे कम है तो एक रजिस्टर्ड डॉक्टर एमपीटीपी कर सकता है। 20 से 24 हफ्ते के बीच के गर्भकाल के लिए दो रजिस्टर्ड डॉक्टरों की जरूरत होगी।

हनीप्रीत को डेरे का फुल पावर देगा राम रहीम

सिरसा। राम रहीम के डेरा सच्चा सौदा के साढ़े 7 साल बाद सिरसा स्थित हेडक्वार्टर आने की बड़ी वजह सामने आई है। डेरे के टॉप सोर्सेज के मुताबिक राम रहीम डेरे की गद्दी को लेकर चल रहे विवाद के निपटारे के लिए यहां पहुंचा है। यह विवाद पहले राम रहीम के परिवार और मुख्य शिष्या हनीप्रीत के बीच चल रहा था। इसके बाद परिवार विदेश चला गया। अब हनीप्रीत और डेरा मैनेजमेंट कमेटी के बीच विवाद चल रहा था। सूत्रों के मुताबिक विवाद को खत्म करने के लिए राम रहीम अपनी मुख्य शिष्या और मुंहबोली बेटी हनीप्रीत को डेरे की पावर दे सकता है।

राणा को लाने अमेरिका जाएगा NIA

मुंबई हमले का गुनहगार है तहव्वुर, तहाड़ में की गई तैयारी

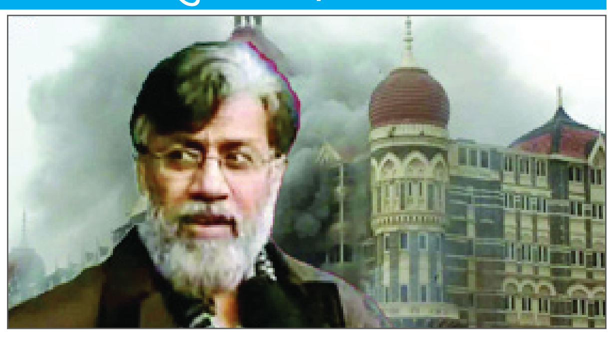

नई दिल्ली। मुंबई 26/11 हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। गुरुवार को एनआईए की टीम राणा को लाने के लिए अमेरिका रवाना होगी। इधर तिहाड़ जेल में राणा को रखने की भी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एनआईए ने गृह मंत्रालय को अधिकारियों के नाम सौंपे हैं और विदेश मंत्रालय को भी सूचित किया है। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि एनआईए टीम वर्तमान में अमेरिकी अधिकारियों के साथ क्वार्डिनेट कर रही है। यह टीम विदेश मंत्रालय से यात्रा की अंतिम पुष्टि का इंतजार कर रही है। इस टीम में आईजी, डीआईजी रैंक के अधिकारी शामिल हैं, जो तहव्वुर राणा की भारत वापसी की निगरानी करेंगे। इस बीच दिल्ली जेल विभाग ने तिहाड़ जेल में उनकी हिरासत के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारत आने के बाद आतंकी राणा को एक उच्च-सुरक्षा वार्ड में रखा जाएगा, जहां उसके सेल में उसकी गतिविधियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक है। उसके ऊपर 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में शामिल होने का आरोप है, जिसमें 166 लोग मारे गए थे। इस मामले में वह दोषी करार है। उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से जोड़ा गया था, जो हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। आतंकी राणा के प्रत्यर्पण को उसके कानूनी चुनौतियों के खारिज होने के बाद मंजूरी दी गई, जिसमें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी को उनकी याचिका को खारिज कर दिया। अमेरिकी सरकार ने तर्क दिया कि राणा को प्रत्यर्पण से राहत नहीं मिलनी चाहिए। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल एलिजाबेथ बी प्रेलोगर ने कहा कि राणा को इस मामले में कोई और कानूनी उपाय नहीं मिलना चाहिए।

उत्साह: बनारस में रोपवे का ट्रायल रन शुरू

वाराणसी। देश के पहले पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे का ट्रायल रन शुरू हो गया है। इसको लेकर तैयारियां तेज कर दी गईं हैं। साजन के पास रोपवे की ट्राली की आवाजाही को देखने के लिए लोग इकट्ठा हो रहे हैं। हालांकि पहले चरण के काम को पूरा होने में अभी पहले की तय समय सीमा से आठ महीने अधिक का समय लगेगा। पहले निर्माण को मार्च 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य था जिसे बढ़ा कर नवंबर 2024 किया गया था। फरवरी में होने वाले ट्रायल रन की टेस्टिंग की जा रही है। रोपवे के लिए पहले चरण में तीन स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इसमें पहला कैंट स्टेशन परिसर, दूसरा काशी विद्यापीठ और तीसरे का निर्माण रथयात्रा स्थित थियोसोफिकल सोसाइटी परिसर में निर्माण हो रहा है। स्टेशन और टावरों के निर्माण में 1200 से अधिक मजूदर काम कर रहे हैं। दिन-रात काम कराया जा रहा है। भारत माता मंदिर परिसर में काम तेजी से कराया जा रहा है।

तो घट सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम?

नई दिल्ली। एक फरवरी को बजट है। ये वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का लगातार 8वां बजट है। इसमें 6 बड़ी घोषणाएं की जा सकती हैं। इन घोषणाओं को हमने तीन आधार पर चुना है। एक्साइज ड्यूटी में कटौती से पेट्रोल और डीजल की कीमतें घट सकती है। अभी पेट्रोल पर 19.90 रुपए और डीजल पर 15.80 रुपए ड्यूटी लगती है। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े पाट्र्स की इम्पोर्ट ड्यूटी घट सकती है। अभी इस पर 20% ड्यूटी लगती है। इससे मोबाइल जैसे आइटम सस्ते हो सकते हैं।

गोल्ड-सिल्वर पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाई जा सकती है। अभी इस पर 6% ड्यूटी लगती है। इससे सोना-चांदी के दाम बढ़ सकते हैं। नए रिजीम के तहत 10 लाख रुपए तक की सालाना इनकम टैक्स-फ्री की जा सकती है। 15 लाख रुपए से 20 लाख रुपए के बीच की इनकम के लिए 25% का नया टैक्स ब्रैकेट लाया जा सकता है। अभी इसमें 6 टैक्स ब्रैकेट हैं। 15 लाख रुपए से ज्यादा की इनकम पर 30% टैक्स लगता है। नए रिजीम के तहत बेसिक एग्जम्प्शन लिमिट को 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया जा सकता है।

पीएम किसान सम्मान निधि: सालाना 6 हजार रुपए से बढ़ाकर 12 हजार रुपए की जा सकती है। इस योजना में अभी 9.4 करोड़ से ज्यादा किसानों को 3 किश्तों में 2-2 हजार रुपए ट्रांसफर किए जाते हैं।

आयुष्मान भारत योजना: इसका दायरा बढ़ाया जा सकता है। अभी आर्थिक रूप से कमजोर और 70 साल से ज्यादा के बुजर्गों को इस योजना का फायदा मिलता है। इस योजना में 36 करोड़ से ज्यादा कार्ड बनाए जा चुके हैं।

अटल पेंशन योजना : पेंशन राशि दोगुनी यानी, 10 हजार रुपए की जा सकती है। फिलहाल, मैक्सिमम मंथली पेंशन 5 हजार रुपए है। अभी तक इस योजना में 7 करोड़ से ज्यादा लोग रजिस्टर हो चुके हैं। एकीकृत राष्ट्रीय रोजगार नीति लाई जा सकती है। इसमें रोजगार देने वाली अलग-अलग मंत्रालयों की योजनाओं को एक छतरी के नीचे लाया जाएगा। ग्रामीण इलाकों के सरकारी ऑफिसों में काम करने के लिए इंटर्नशिप प्रोग्राम की घोषणा हो सकती है। ये इंटर्नशिप केवल ग्रेजुएट युवाओं के लिए होगी। विदेशों में नौकरी दिलाने में मदद के लिए इंटरनेशनल मोबिलिटी अथॉरिटी बनाई जा सकती है। स्किल बढ़ाने और रोजगार पैदा करने के लिए स्टार्टअप्स को सपोर्ट दिया जा सकता है।

अब सस्ते घर का भी सपना होगा पूरा

मेट्रो शहरों के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग (सस्ते घर) प्राइस लिमिट 45 लाख रुपए से बढ़ाकर 70 लाख रुपए की जा सकती है। यानी, अगर कोई 70 लाख रुपए तक का घर खरीदेगा तो उसे सरकारी योजना के तहत छूट मिलेगी। अन्य शहरों के लिए लिमिट 50 लाख रुपए की जा सकती है। होम लोन के ब्याज पर मिलने वाली टैक्स छूट को बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया जा सकता है। अभी ये 2 लाख रुपये है।

जेके सीमेंट प्लांट में हादसा चार की मौत, 30 घायल

पन्ना। पन्ना में स्थित जेके सीमेंट प्लांट में गुरुवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में निमार्णाधीन हिस्से में छत की स्लैब डाली जा रही थी, जहां सैकड़ों मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक भाड़ा (स्कैफोल्डिंग) गिर गया, जिसकी चपेट में कई मजदूर आ गए। अब तक 4 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं। करीब 30 मजदूर घायल बताए जा रहे हैं। 6 एम्बुलेंस घायलों को लेकर कटनी के लिए रवाना हो चुकी हैं।

कुछ घायल मजदूरों को सतना के बिरला हॉस्पिटल भेजा गया है। एएसपी आरती सिंह ने बताया कि राहत बचाव कार्य किया जा रहा है। कई घायल मजदूरों को नजदीकी कटनी जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहीं, मलबे में दबे कई मजदूरों को निकालने की कोशिश की जा रही है। हादसे में तीन घंटे बाद भी प्रशासन और प्रबंधन की तरफ से कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी जा रही है। प्लांट का मेन गेट बंद कर दिया गया है। प्लांट के अंदर केवल प्रशासन और कर्मचारियों के साथ-साथ एसडीआरएफ की टीम है। पन्ना एसपी साईं कृष्ण एस थोटा ने बताया, पुलिस बल और एसडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में लगी है। अभी मरने वालों और घायलों की संख्या की पुष्टि नहीं हुई है।

काशी: सुबह से ही क्राउड मैनेजमेंट में जुटी रही प्रशासनिक मशीनरी

श्रद्धालुओं को समझाने के साथ ही अफसरों व कर्मचारियों को किया आगाह, हर प्वाइंट पर अफसर संभाल रहे भीड़

वाराणसी। महाकुंभ के पलट प्रवाह से खचाखच भरी काशी में अफसर व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों और विभिन्न मार्गों से गंगा घाटों और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन- पूजन के लिए श्रद्धालुओं का रेला उमड़ने पर प्रशासनिक मशीनरी सड़क पर उतर कर भीड़ नियंत्रण में जुट गयी। जिलाधिकारी ने खुद कमान संभाली और हर प्वाइंट का मुआयना कर व्यवस्था को चुस्त- दुरूस्त कराने में जुटे रहे।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने वसंत पंचमी को लेकर क्राउड मैनेजमेंट का खाका तैयार किया है। जिलाधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों को भारी भीड़ को देखते हुए अपने प्वाइंट पर डटे रहने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी रात्रि तक भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा के इंतजाम कराने में जुटे रहे। मौनी अमावस्या के स्नान के बाद काशी में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है। सुबह से ही श्रद्धालुओं का रेला गंगा घाटों व श्री काशी विश्वनाथ धाम में उमड़ने पर अधिकारियों की टीम व्यवस्था बनाने में डट गयी। जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने गोदौलिया चौराहा, दशाश्वमेध घाट, श्री काशी विश्वनाथ धाम पर श्रद्धालुओं की भीड़ को कंट्रोल करने के लिए की गयी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी न होने देने और भीड़ ज्यादा होने पर डायवर्ट करने का निर्देश दिया। भीड़ को रोकने के लिए रस्से का इस्तेमाल करने और लगातार लाउड हेलर से सूचनाएं प्रसारित करते रहने का निर्देश दिया। उन्होंने श्रद्धालुओं के आवागमन के मार्ग में किसी प्रकार का व्यवधान न हो इसलिए किसी प्रकार का ठेला, रेहड़ी न लगने देने की हिदायत दी। जिलाधिकारी ने रामापुरा, बेनियाबाग से आगे चार पहिया वाहनों को न बढ़ने देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वाहनों को रोकने के लिए जहां भी बैरियर लगाए गए हैं, वहां से वाहन आगे नहीं बढ़ना चाहिए। अपर पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था डा एस चनप्पा ने पुलिस अधिकारियों को चक्रमण कर व्यवस्था की निगरानी का निर्देश दिया। अधिकारियों को फुट पेट्रोलिंग कर भीड़ नियंत्रण की व्यवस्था में जरा भी ढिलाई न होने देने का निर्देश दिया।

मोबाइल नहीं, ड्यूटी पर करें फोकस : जिलाधिकारी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को फोन पर बातचीत करता देख ड्यूटी पर फोकस करने की हिदायत दी। उन्होंने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को व्यवस्था की निगरानी के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल आवश्यक होने पर ही करने का निर्देश दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल जरूरी होने पर ही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कैंट रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन डायरेक्टर से भक्तों के लिए की गयी व्यवस्था के बाबत सवाल- जवाब किया।

नाविक लें मनमाना पैसा तो करें शिकायत : जिलाधिकारी ने दशाश्वमेध घाट पर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने नाव में बैठने वाले लोगों से कहा कि यदि कोई भी नाविक ज्यादा किराया वसूलता है या बिना लाइफ जैकेट के यात्रियों को बैठाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ज्यादा किराया या मनमानी करने वाले नाविकों की शिकायत जल पुलिस चौकी में दर्ज कराने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने एनडीआरएफ की मोटरबोट से ललिता घाट पहुंचकर श्री काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन- पूजन की व्यवस्था का जायजा लिया।

श्रद्धालुओं से लिया फीडबैक

जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने निरीक्षण के दौरान लोगों से सहयोग करने व कतारबद्ध होकर चलने की अपील की। जिलाधिकारी ने दर्शन के लिए कतार में खड़े लोगों से बातचीत कर व्यवस्था का फीडबैक लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं को आश्वस्त किया कि जल्द ही बाबा के दर्शन होगा। श्रद्धालुओं को संयम बरतने और किसी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने के लिए भी कहा।

पलट प्रहार : काशी में हर ओर उमड़ रही महाकुंभ की भीड़

बाबा विश्वनाथ का दर्शन करने को उमड़ रहे भक्त, प्रमुख चौराहों और तिराहों पर शासन की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त

वाराणसी। महाकुंभ का पलट प्रवाह होने से वाराणसी में शहर की सड़कों, गलियों के साथ रेलवे स्टेशनों पर जबरदस्त भीड़ दिख रही है। महाकुंभ की भीड़ विश्वनाथ मंदिर से लेकर कोतवाली थाने तक लगी रही। यहीं से लोग बाबा कालभैरव का दर्शन करने के लिए लाइन में खड़े थे। पक्के महाल की गलियां एकदम भरी ही चल रही थी। लाखों की संख्या में हर रोज श्रद्धालु काशी पहुंच रहे हैं।

प्रयागराज के महाकुंभ के पलट प्रवाह का असर विश्वनाथ धाम के इर्द-गिर्द के इलाके की गलियों में जबरदस्त दिख रहा। वहीं गलियां श्रद्धालुओं से अटी पड़ी हुई थी। मौनी अमावस्या के बाद यह जरूर रहा कि काशी में मेला क्षेत्र यानि गोदौलिया चौराहा से दशाश्वमेध, गिरजाघर, चौक और जंगमबाड़ी मार्ग पर यातायात की स्थिति सामान्य रही। वहीं, लक्सा, गुरुबाग, रामापुरा, बेनियाबाग, लहुराबीर, मैदागिन, कमच्छा और ककरमत्ता सहित कुछेक अन्य इलाकों की सड़क पर राहगीरों को जाम की समस्या और भीड़ का सामना करना पड़ा। प्रयागराज से इन दिनों लाखों की संख्या में श्रद्धालु काशी आ रहे हैं। महाकुंभ के पलट प्रवाह को देखते हुए यूपी-65 नंबर के अलावा अन्य जिलों और प्रदेशों के वाहनों को शहर के बाहर ही पुलिस रोक दे रही है। अपने वाहन खड़ा कर श्रद्धालु ऑटो और ई-रिक्शा से विश्वनाथ धाम जा रहे हैं। यातायात व्यवस्था के लिए किए गए व्यापक इंतजाम के बावजूद लक्सा क्षेत्र में जाम में एक एंबुलेंस फंसी रही। एंबुलेंस में लेटी हुई बलिया की सुनीता देवी के परिजन जाम से जल्द निकल कर अस्पताल पहुंचने के लिए परेशान थे। वहीं, विश्वनाथ धाम क्षेत्र के इर्द-गिर्द के इलाके में अगत्स्यकुंडा, गणेशमहाल, कालिका गली, पांडेयहवेली, केशरी गली सहित अन्य गलियां श्रद्धालुओं से ठसाठस भरी हुई थी। ललिता घाट से त्रिपुरा भैरवी होते हुए मीरघाट तक श्रद्धालुओं के हुजूम के कारण पैर रखने की भी जगह नहीं थी। कैंट स्टेशन और बस अड्डे की ओर जाने वाले मार्ग पर यातायात का अत्यधिक दबाव दिन भर रहा। वहीं, जिले से गुजरे हुए नेशनल और स्टेट हाईवे पर आवागमन की स्थिति सामान्य रही। विश्वनाथ धाम के लिए कतारबद्ध श्रद्धालु लाइन में आगे बढ़ने के लिए कहीं आपस में तो कहीं पुलिस कर्मियों से ही धक्का-मुक्की कर रहे थे। राजेंद्र प्रसाद घाट पर पुलिस ने श्रद्धालुओं की कतार को व्यवस्थित कराने का प्रयास किया तो वह धक्का-मुक्की करते हुए नोकझोंक करने लगे। चितरंजन पार्क के सामने सड़क पर श्रद्धालुओं के बीच ही जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। दशाश्वमेध इलाके में स्टील की तीन बैरिकेडिंग जमीन पर गिर गई थी तो श्रद्धालु उसी के ऊपर से गुजर रहे थे। वहीं, दुकानों के सामने की गई बैरिकेडिंग से दुकानदारों के साथ ही लोगों को भी आवाजाही में दिक्कत हुई।

50 से 70 हजार श्रद्धालुओं की भीड़ : दशाश्वमेध घाट, शीतला घाट पर होने वाली गंगा आरती में 50 से 70 हजार भीड़ हो रही है। जबकि सामान्य दिनों में 25 से 30 हजार भीड़ होती है। अस्सी वाट की आरती में इस समय 10 से 15 हजार श्रद्धालु पहुंच रहे है। जबकि सामान्य दिनों में चार से पांच हजार श्रद्धालु आते हैं।

जबरन टीका लगाकर पैसा मांगने वालों से बाबा विश्वनाथ और बाबा कालभैरव का दर्शन-पूजन करने आने वाले श्रद्धालु खासे परेशान हो रहे हैं। कालभैरव मंदिर के लिए कतारबद्ध कुछ श्रद्धालुओं से जबरन टीका लगाकर पैसा मांगने वालों की जमकर कहासुनी हुई। श्रद्धालुओं ने ही बीचबचाव कर मामला शांत हुआ।4000 यात्री क्षमता वाले होल्डिंग एरिया में 5000 से ज्यादा लोग, महाकुंभ के पलट प्रवाह से कैंट और बनारस स्टेशन की व्यवस्थाएं बेपटरी हो गईं। बुधवार की देर रात से बृहस्पतिवार की रात में कैंट स्टेशन के दोनों होल्डिंग एरिया भर गए। चार हजार यात्रियों की क्षमता वाले होल्डिंग एरिया में पांच हजार से अधिक यात्री समा गए।

भाजपा नेता शैलेंद्र का मना जन्मोत्सव

रामनगर (वाराणसी)। शनिवार को भाजपा नेता एवं पूर्व स्नातक एमएलसी प्रत्याशी समाजसेवी शैलेंद्र किशोर पांडे मधुकर ने अपना जन्मदिन टेंट सिटी के समीप स्थित एक आश्रम में बड़े ही सादगी के साथ मनाया इस अवसर पर नगर के तमाम स्वयंसेवी संगठनों के साथ विशिष्ट जनों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सोनभद्र से आए आदिवासी लोगों ने आदिवासी नृत्य एवं गायन प्रस्तुत कर वहां उपस्थित लोगों को आनंदित व रोमांचित किया। जन्मदिन के अवसर पर भाजपा एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, विधायक धर्मेंद्र राय, विद्यासागर राय, दिलीप पटेल,पीके मिश्रा, डॉ हरेंद्र राय,प्रो सिद्धनाथ, आशा गुप्ता, प्रीति सिंह, अशोक जायसवाल, अनुपम गुप्ता, राजकुमार सिंह,अजय प्रताप सिंह, अजीत कुमार सिंह, सत्येंद्र सिंह,सरदार कुलदीप सिंह, कांता पांडे, पार्षद लल्लन सोनकर, पूर्व सभासद मनोज यादव, रणजीत चौहान, पम्मू गुरु, नंदलाल चौहान नीलू चौरसिया आदि ने बधाई दी।

नोडल अधिकारी बोले- रैंकिंग सुधारें

योजनाओं की प्रगति ठीक न होने पर जताई नाराजगी

वाराणसी। जिले में योजनाओं की प्रगति ठीक न होने से रैंकिंग खराब होने पर जिले के नोडल अधिकारी ने नाराजगी जतायी। उन्होंने योजनाओं की प्रगति में सुधार कर रैंकिंग ठीक कराने की विभागीय अधिकारियों को हिदायत दी। उन्होंने योजनाओं की प्रगति को लेकर अफसरों से सवाल- जवाब भी किया। जिले के नोडल अधिकारी व प्रबंध निदेशक, जल निगम ग्रामीण उप्र ने शुक्रवार को सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा की।

जिले के नोडल अधिकारी डा राजशेखर ने कम रैंकिंग वाले विभागों के अफसरों को फटकार लगाते हुए इसमें जल्द सुधार लाने का निर्देश दिया। उन्होंने 30 विभागों की 85 योजनाओं की समीक्षा की। इसमें जिले की 48 योजनाओं को ए प्लस प्राप्त हुआ है। नोडल अधिकारी ने लोकनिर्माण विभाग की खराब वित्तीय प्रगति तथा विभिन्न निमार्णाधीन सड़कों की देरी पर नाराजगी जताते अफसरों को फटकार लगाते हुए मैनपावर बढ़ाकर कार्य को तेज गति से पूरा करने को निर्देश दिया। जलाधिकारी एस राजलिंगम ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। सीडीओ हिमांशु नागपाल ने नोडल अधिकारी को प्रेजेंटेशन के जरिए जनपद के विकास कार्यों व मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर उनकी रैंकिंग को प्रस्तुत किया। नोडल अधिकारी ने 15वें वित्त आयोग ग्राम पंचायत, जल जीवन मिशन, सामूहिक विवाह योजना, मध्याह्न भोजन योजना, पर्यटन राज्य योजना, पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना, सड़कों का अनुरक्षण, नई सड़कों का निर्माण, फैमिली आईडी, आईसीडीएस योजना की प्रगति को लेकर संबंधित अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी से कार्य कर रैंक ए प्लस लाने का निर्देश दिया। उन्होंने छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा में विद्यालयों से वार्ता करते हुए अधिकाधिक बच्चों को योजना से लाभान्वित करने को कहा। कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल को पर्यटन विभाग की निमार्णाधीन विभिन्न प्रोजेक्ट्स को ससमय गुणवत्ता के साथ पूरा करने को निर्देश दिया। 108 एम्बुलेंस सेवा में लगातार निर्धारित समयावधि से ज्यादा लगने की शिकायत पर मुख्य चिकित्साधिकारी को इसमें सुधार लाने की हिदायत दी।

काशी की गंगा में दो नावें टकराईं, हादसा टला

वाराणसी। वाराणसी जिले में महाकुंभ के पलट प्रवाह के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ शहर से लेकर घाटों तक उमड़ पड़ी है। इसी बीच शुक्रवार को गंगा घाट में दो नावों के टकराने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हालांकि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ। दशाश्वमेध घाट के पास स्थित मानमंदिर घाट के सामने शुक्रवार को एक बड़ी नाव से टक्कर के बाद छोटी नाव पलट गई। जिससे छोटी नाव डूबने लगी। इस दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई। नाव में सवार लोग शोर मचाने लगे। इस बीच नाव पलटने की सूचना पर आनन-फानन जल पुलिस के साथ ही एनडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंचे और सभी यात्रियों को रेस्क्यू किया। नाव में सवार सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. एस चनप्पा के अनुसार बड़ी नाव में 58 लोग सवार थे। छोटी नाव में छह लोग थे।

काशी नरेश ने महामना को दी थी जमीन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय का मनाया गया स्थापना दिवस, हुए कई कार्यक्रम

रिम्मी कौर

वाराणसी। बीएचयू को बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी भी कहा जाता है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना (वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय एक्ट, एक्ट क्रमांक 16, सन 1915) महावीर देवासी द्वारा सन 1916 में बसंत पंचमी के पुनीत दिवस पर की गई थी। दस्तावेजों के अनुसार इस विश्वविद्यालय के संस्थापक मदन मोहन मालवीय जी हैं. इस विश्वविद्यालय के मूल में एनी बेसेन्ट द्वारा स्थापित और संचालित सेन्ट्रल हिन्दू कॉलेज की प्रमुख भूमिका थी। विश्वविद्यालय को 'राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान' का दर्जा प्राप्त है। सं 1939 में हैदराबाद के सातवें निजाम 'मीर उस्मान अली खान' ने इस विश्वविद्यालय को एक लाख रूपए का योगदान दिया। दरभंगा के महाराजा रामेश्वर सिंह ने विश्वविद्यालय की स्थापना में आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था दान देकर की। समप्रति इस विश्वविद्यालय के दो परिसर हैं। मुख्य परिसर (1300 एकड़) वाराणसी में स्थित है जिसकी भूमि काशी नरेश ने दान की थी। मुख्य परिसर में 6 संस्थान, 14 संकाय और लगभग 140 विभाग है। विश्वविद्यालय का दूसरा परिसर मिजार्पुर जनपद में बरकछा नामक जगह (2700 एकड़) पर स्थित है। 75 छात्रावासों के साथ यह एशिया का सबसे बड़ा आवासीय विश्वविद्यालय है जिसमें 30,000 से ज्यादा छात्र अध्ययनरत हैं जिनमें लगभग 34 देशों से आये हुए छात्र भी शामिल हैं।

मुख्य परिसर के प्रांगण में भगवान विश्वनाथ का एक विशाल मन्दिर है, जिसे बिड़ला मंदिर भी कहा जाता है। सर सुंदरलाल चिकित्सालय, गोशाला, प्रेस, बुक-डिपो एवं प्रकाशन, टाउन कमेटी (स्वास्थ्य), पीडब्ल्यूडी, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा, पर्वतारोहण केंद्र, एन.सी.सी. प्रशिक्षण केन्द्र, हिन्दू यूनिवर्सिटी नामक डाकखाना एवं सेवायोजन कार्यालय भी विश्वविद्यालय तथा जनसामान्य की सुविधा के लिए इसमें संचालित हैं। सुन्दरलाल, मदनमोहन मालवीय, एस. राधाकृष्णन (भूतपूर्व राष्ट्रपति), अमरनाथ झा, आचार्य नरेन्द्रदेव, रामस्वामी अय्यर, त्रिगुण सेन (भूतपूर्व केन्द्रीय शिक्षामन्त्री) जैसे मूर्धन्य विद्वान यहाँ के कुलपति रह चुके हैं।

वर्ष 2015-16 विश्वविद्यालय की स्थापना का शताब्दी वर्ष था जिसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, उत्सवों व प्रतियोगिताओं एवं 25 दिसम्बर को महामना मालवीय जी की जयंती-उत्सव का आयोजन कर मनाया गया।

एक्सिस एकेडमी छात्रों का सम्मान

वाराणसी (धनेश्वर साहनी)। वाराणसी के दुर्गाकुंड क्षेत्र में कबीर नगर रोड पर स्थिति एनआईओएस का संस्थान एक्सिस एकेडमी आज एनआईओएस के पब्लिक एक्जामिनेशन सत्र अक्टूबर-नवम्बर 2024 के मेधावी छात्रों के सम्मान में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के प्रतिष्ठित स्कूलों के प्रिंसपल, प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों के डायरेक्टर आदि मौजूद रहे। एक्सिस एकेडमी के डायरेक्टर सत्यानन्द यादव ने कहा कि हमें अपने छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है और बच्चों की कड़ी मेहनत और समर्पणता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस समारोह में निम्नलिखित छात्रों को सम्मानित किया गया। अभिनव कुमार (97.20%), रंजीत (97.18%), सुमित कुमार (97.08%), दीप नारायण (97.04%), बबलू रिशिदेव (97%), अनुराग द्विवेदी (96%), विकास पाण्डेय (95.02%), विशाल यादव (95%), शिवम तिवारी (95%), सहनूर बानो (94.80%), सोनाली कुमारी (94.06%), नीरज जैसवारा (93%), शिवांग गुप्ता (92%), अंजली सिंह (89.08%), प्रत्युश सिंह (89.04%), रोहित सिंह (88.08%), स्नेहा उपाध्याय (88.02%) अंकों के साथ पास करके संस्था का नाम रौशन किया है। एक्सिस एकेडमी ने हमेशा अपने छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रयास किया है। यह समारोह इसी प्रयास का एक हिस्सा है।

पूर्व मेयर ने श्रद्धालुओं को कराया चाय-नाश्ता

वाराणसी। प्रयागराज महाकुम्भ में पुण्य की डुबकी लगा कर काशी में दर्शन पूजन और गंगा स्नान के लिये आ रहे श्रद्धालुजनों के स्वागत सत्कार का क्रम नगर में लगातार जारी है । भीड़ के बढ़ते पलट प्रवाह के साथ ही स्नानार्थियों की सुविधा के मद्देनजर स्वयंसेवी संस्थाओं की व्यवस्थाओं का भी विस्तार हो रहा है । इसी क्रम में रथयात्रा चौराहे पर कुसुम मोहले स्मृति सनातन न्यास द्वारा लगाए गए शिविर में दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में बाहर से आ रहे श्रद्धालुओं का माल्यर्पण कर स्वागत किया गया और उनके चाय नाश्ते की भरपूर व्यवस्था के साथ उन्हें काशी के मंदिरों और पवित्रस्थलों के बारे में गाइड कर उनकी यात्रा को सुगम बनाया गया । इस अवसर पर तीर्थ यात्रियों की सेवा और स्वागत करते हुए रामगोपाल मोहले ने कहा इससे बड़ा पुण्य कार्य कोई दूसरा नहीं। काशीवासियों को इस पुनीत कार्य में यथा सामर्थ भूमिका निभानी चाहिये।

मलिन बस्ती में पहुंची छात्राएं

वाराणसी। आर्य महिला पी.जी. कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई ए और डी द्वारा आयोजित सप्तदिवसीय शिविर का चौथा संपन्न हो गया। यूनिट ए का आयोजन दुर्गाकुंड मलिन बस्ती और यूनिट डी का आयोजन बनकटी हनुमान मंदिर भेलूपुर में किया गया।

कार्यक्रम का विषय बहुत ही समसामयिकता था- यूथ फॉर माय भारत पोर्टल एंड यूथ फॉर माय डिजिटल लिटरेसी। यूनिट ए और डी की स्वयंसेविकाओं ने एक साथ कार्यक्रम की प्रस्तुति की। एनएसएस की स्वयंसेविकाओं के मध्य डिजिटल साक्षरता का महत्व विषय पर एक वाद - विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके बाद युवाओं के विकास में माय भारत पोर्टल की भूमिका विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। द्वितीय सत्र भोजन के उपरांत शुरू हुआ जिसमें मेरा गौरव मेरा भारत विषय पर स्वयंसेविकाओं के मध्य एक भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक प्रतिभागिता की और डिजिटल लिटरेसी तथा माय भारत पोर्टल के अन्य विषयों पर भी चर्चा की। यूनिट ए की कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर स्वप्ना बंदोपाध्याय ने और यूनिट डी के कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर ममता गुप्ता ने भी डिजिटल लिटरेसी तथा माय भारत पोर्टल के अन्य विषय में पर भी स्वयंसेविकाओं को जागरूक किया। कार्यक्रम का प्रारंभ एन एस एस के गीत तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। कार्यक्रम में 100 स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभागिता की।

महामना व डॉ. हेडगेवार भारतीय संस्कृति के सेवक : डॉ. वीरेंद्र

अजीत कुमार सिंह

वाराणसी। महामना और डॉ. हेडगेवार दोनों ही महापुरुष भारतीय संस्कृति के सेवक रहे, महामना ने विश्वविद्यालय की स्थापना द्वारा और डॉ हेडगेवार ने सज्जन शक्ति का एकत्रीकरण कर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना द्वारा भारतीय संस्कृति को सुरक्षित करने का कार्य किया। उक्त विचार काशी हिंदू विश्वविधालय की स्थापना दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, मालवीय नगर के पथ संचलन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह डॉ वीरेंद्र जायसवाल ने कहे। विश्वविद्यालय परिसर स्थित कृषि विज्ञान मैदान में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में वक्ता ने बताया कि 1860 के काल खण्ड में महामना, स्वामी विवेकानंद, डॉ हेडगेवार जैसे महापुरुषो ने जन्म लिया।

ये सभी इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि भारत को स्वतंत्रता तो मिल जायेगी पर अपना तंत्र विकसित ना होने पर पुनः भारत पराधीन हो जायेगा` एक हजार वर्षो की पराधीनता ने हमें उतना नुकसान नहीं पहुंचाया जितना 1835 के बाद मैकाले के शिक्षा निति ने पहुँचाया। 1600 शिक्षा के केंद्र बंद हो गए और बाद में आधुनिक शिक्षा केन्द्रों से निकलने वाले लोग मानसिक रूप से परतंत्र ही रहे भारतीय ज्ञान परम्परा अत्यंत विकसित रही है।

विज्ञान, सामाजिक विज्ञानं सभी क्षेत्रों में हमारे मनीषियों ने उच्च कोटि का ज्ञान अर्जन किया, आधुनिक विज्ञान भी कई क्षेत्रों में अपना अलग प्रभाव रखता है। महामना मालवीय ने इसी प्राची और प्रतीची के मेल को इस विश्वविद्यालय में साकार किया है।

बताया कि हमें अपने इतिहास से वंचित रखा गया क्योंकि आधुनिक भारत की विधि व्यवस्था 135 के गवर्मेंट ऑफ इंडिया एक्ट पर आधारित थी अपने गणतंत्र के 7 वर्ष पुरे होने पर अब हम स्वाधीनता की ओर अग्रसर हो रहे है। प्राचीन काल की वर्ण व्यवस्था कर्म पर आधारित थी वर्तमान में यह जन्मना हो गयी है जिससे जातिवाद अधिक फैला है। भारतीय जनमानस ज्ञान बल एवं धन अर्जन हेतु कार्य करता था जिसके फलस्वरूप ब्राह्मण क्षत्रिय एवं वैश्य वर्ण का विकास हुआ शुद्र वर्ण इनके सहयोगी के रूप में था। कुछ ऐसे समाज जो कार्य विशेष को करते थे उन्हें जाति का नाम दे दिया गया।

भारतीय समाज समरसता पर आधारित रहा है महाकुम्भ के आयोजन में हम इसका प्रत्यक्ष दर्शन कर सकते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विज्ञान संस्थान के प्रोफेसर एवं राजीव गाँधी दक्षिणी परिसर के प्रोफेसर इनचार्ज डॉ. विनोद मिश्र ने बताया की काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक महामना ने समाज सेवा के विभिन्न आयामों के द्वारा संस्कृति का रक्षण किया, उन्होंने वकालत को छोड़ कर स्वतंत्रता संग्राम में भी भूमिका निभाई थी परन्तु बाद में विकसित भारत के निर्माण हेतु विश्वविद्यालय को बनाया। शिक्षा व्यवस्था में स्वतंत्र प्राप्ति के 78 वर्षो बाद भी मौलिक इतिहास से वंचित रखा गया। कार्यक्रम का प्रारंभ काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलगीत द्वारा हुआ इसका बाद संघ के गुरु स्वरुप भगवा ध्वज को लगाया गया। अमृत वचन आशीष चोकसे एवं एकल गीत नंदा राय ने प्रस्तुत किया` मुख्य वक्ता के उद्बोधन के बाद सभी स्वयं सेवक गणवेश में घोष के ध्वनि पर सञ्चलन करते हुए ट्रामा सेंटर स्थित विश्वविद्यालय के स्थापना स्थल पर पहुंचे, संचलन के आगे सुसज्जित वाहन पर डॉ हेडगेवार एवं श्री गुरूजी के चित्र लगे हुए थे 700 गणवेश धारी स्वयं सेवक उपस्थित रहे। वन्देमातरम के गायन के साथ पथ सञ्चलन को विराम दिया गया।

मंचस्थ अन्य अधिकारीयों में काशी विभाग के माननीय विभाग संघ चालक प्रो जयप्रकाश लाल, मालवीय नगर के माननीय नगर संघचालक डॉ विवेक पाठक उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम में मुख्य रूप से काशी प्रान्त के सह प्रान्त कार्यवाह राकेश, सह विभाग कार्यवाह आशीष,विभाग प्रचारक नितिन, काशी दक्षिण भाग के संघ चालक अरुण सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह**, कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)